राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

11 पीवी सिंद्धू दूसरे दौर में, सेन और प्रणय इंडोनेशिया ओपन से बाहर

चीन ब्रहमपुत्र का पानी भारत की तरफ रोक दो तो ...हेमंता विश्व 12

वर्ष : 13 | अंक : 54 | पटना, बुधवार, 04 जून, 2025 | विक्रम संवत् 2081 | पेज : 12 | मूल्य : 03.00 | www.pratahkiran.com

सीएम नीतीश की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक, 47 एजेंडों पर लगी मुहर

सूबे में 4 हजार से अधिक पदों पर होगी बहाली

केवल शिक्षा विभाग में 2361 पदों पर होगी नियुक्ति

प्रातः किरण

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार में सरकारी नौकरियों को लेकर बड़ा फैसला लिया है। राज्य में 4 हजार 799 पदों पर बहाली की जाएगी। वहीं, सबसे ज्यादा शिक्षा विभाग में 2361 पदों पर नियुक्ति होगी। बिहार में सरकारी नौकरियों में बड़े स्तर पर बहाली होने जा रही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट की बैठक में हुए निर्णय में राज्य सरकार ने अलग-अलग विभागों में 4 हजार 799 पदों पर बहाली करने का निर्णय लिया है। इसमें सर्वाधिक शिक्षा विभाग में 2361 अलग-अलग पदों पर नियुक्ति करने की जाएगी। दूसरी सर्वाधिक बहाली नगर विकास एवं आवास विभाग में 1350 पदों पर होगी। इससे संबंधित सभी मसौदों पर मुख्यमंत्री

नीतीश कुमार की अध्यक्षता में हुई राज्य कैबिनेट की बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक के बाद कैबिनेट में लिए निर्णय के बारे में मंत्रिमंडल सचिवालय के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ ने जानकारी दी। सूचना भवन के सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में डॉ. एस सिद्धार्थ ने बताया कि कैबिनेट में अलग-अलग विभागों के 47 महत्वपूर्ण एजेंडों पर मुहर लगी है। सभी पदों पर बहाली की प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी।

शिक्षा विभाग में बड़ी बहाली

शिक्षा विभाग में सहायक शिक्षा पदाधिकारी के 935 एवं शिक्षा विकास पदाधिकारी के 568 यानी कुल 1503 पदों पर बहाली होगी। औसतन 10 पंचायतों पर एक निरीक्षण पदाधिकारी के पद का सृजन कर प्रखंड स्तर पर एक सुदृढ़ प्रशासनिक संरचना विकसित करने के उद्देश्य से पंचायतों की संख्या के आधार पर सहायक शिक्षा पदाधिकारी और शैक्षणिक प्रखंडों की संख्या के आधार पर शिक्षा विकास पदाधिकारी के पदों का सृजन किया गया है। इसके अलावा बिहार शिक्षा परियोजना परिषद में विभिन्न स्तर के 818 पदों की स्वीकृति दी गई है। शिक्षा विभाग में सरकारी विद्यालयों या शैक्षणिक संस्थानों या कार्यालयों में जमीन का सत्यापन, जमीन विवरण एकत्र करने और इनके संरक्षण के लिए 2 भू संपदा पदाधिकारी और सहायक भू संपदा पदाधिकारी के 38 पद बनाए गए हैं। इन पर भी जल्द बहाली होगी।

नगर विकास एवं आवास विभाग में 1350 पदों पर बहाली

नगर विकास एवं आवास विभाग में 1350 पदों पर बहाली होगी। 7 आयोजन क्षेत्र प्राधिकार बोधगया, गया, राजगीर, बिहारशरीफ, आरा, मुजफ्फरपुर और सहरसा में 147 को प्रत्यार्पित करते हुए 1350 पद का सृजन किया गया है। ग्रामीण विकास विभाग में 653 पदों पर बहाली होगी।

इसमें बिहार राज्य जीविका निधि साख सहकारी संघ लिमिटेड के अंतर्गत इन पदों पर बहाली होगी। इसमें राज्य स्तरीय 43, जिला स्तर पर 76 (प्रत्येक जिला के लिए 2-2 पद) और प्रखंड स्तर पर 534 पद पर बहाली की जाएगी। समाज कल्याण विभाग के महिला एवं बाल विकास निगम के अंतर्गत मुख्यालय, निगम, जिला और अनुमंडल स्तर पर 390 पदों को बनाया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग में 15 और पीएचईडी में 28 पदों पर बहाली होगी। राज्यपाल सचिवालय में 2 पद चालक के लिए सृजित किए गए हैं।

सूबे में सस्ता हुआ हवाई सफर,सरकार ने टैक्स घटाया

प्रातः किरण

नीतीश कैबिनेट ने मंगलवार को एविएशन टर्बाइन फ्यूल पर वैट को 29 प्रतिशत से घटाकर 4 प्रतिशत करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इससे बिहार में अब हवाई सफर काफी सस्ता हो जाएगा। बता दें कि एविएशन टर्बाइन फ्यूल पर वैट को घटाने का प्रस्ताव वाणिज्यिक कर विभाग ने रखा था। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कैबिनेट बैठक के बाद विस्तार से इससे संबंधित जानकारी मीडिया के सामने रखी। उन्होंने बताया कि कैबिनेट ने क्षेत्रीय संपर्क योजना के तहत एटीएफ पर वैट को 29 प्रतिशत से घटाकर 4 प्रतिशत करने को मंजूरी दे दी है। सरकार के इस फैसले से हवाई टिकटों की कीमतें और कम होंगी। इसी के साथ, इससे राज्य में अधिक कमर्शियल फ्लाइट्स भी आकर्षित होंगी। इससे राज्य का राजस्व बढ़ेगा और रोजगार भी पैदा होगा। उपमुख्यमंत्री ने आगे बताया कि एटीएफ पर 4 प्रतिशत वैट केवल गया हवाई अड्डे पर लागू था। अब यह घटी हुई दर राज्य के सभी हवाई अड्डों पर लागू होगी। उपमुख्यमंत्री ने यह भी कहा, सरकार का फैसला राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भी लिया गया है। बिहार में कई पर्यटन स्थल हैं और यहां दुनिया भर से बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। इसके लिए केंद्र सरकार ने भी अनुरोध किया था।

पुलों का बनेगा हेल्थ कार्ड, नई नीति पर मुहर

बिहार में पुलों और फ्लाई ओवर का नियमित और बेहतर अनुरक्षण किया जाएगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में राज्य मंत्रिपरिषद ने मंगलवार को इसकी मेन्टेनेंस की नयी नीति पर मुहर लगा दी। बैठक में 47 एजेंडों पर सहमति प्रदान की गयी। इसके तहत पुलों का सबसे पहले स्वास्थ्य कार्ड बनाया जाएगा। फिर उसकी बीमारी के अनुरूप उसके इलाज की कार्ययोजना बनायी जाएगी। नई नीति के तहत हर पुल की स्थिति का आंकलन करने के लिए ब्रिज हेल्थ इंडेक्स बनाया जायेगा। यह इंडेक्स पुलों के घटकों की वास्तविक भौतिक स्थिति के आधार पर शून्य से 100 के बीच मापा जायेगा। जिन पुलों का बीएचआइ कम होगा, उन्हें क्रिटिकल श्रेणी में रखा जाएगा और प्राथमिकता के आधार पर मरम्मत की जाएगी। साथ ही बीएचआइ मानकों पर चयनित क्रिटिकल पुलों की प्राथमिकता का निर्धारण कर मेंटेनेंस प्रायोरिटी इंडेक्स के जरिए यह तय किया जायेगा कि किन पुलों की मरम्मत पहले होनी चाहिए। इसमें पुल की ज्यामिति, उपयोग, डिजाइन और अर्जेंट मेंटेनेंस की जरूरत को आधार बनाया जायेगा।

औषिधी निरीक्षण बर्खास्त :

पटना के तत्कालीन औषधि निरीक्षक जितेन्द्र कुमार को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। सेवा काल में भ्रष्टाचार से अकूत संपत्ति अर्जित करने वाले पटना के तत्कालीन औषधि निरीक्षक जितेंद्र कुमार जो निलंबित थे, उन्हें बर्खास्त कर दिया गया है।

निलंबन अवधि के लिए निर्धारित मुख्यालय में बिना योगदान दिए ही, अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित थे। इन आरोपों को लिए औषधि निरीक्षक को सेवा से बर्खास्त किया गया है ।

संक्षिप्त खबरें

मोदी के छह जून को संभावित जम्मू दौरे के मद्देनजर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था

जम्मू। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आगामी छह जून को संभावित जम्मू दौरे और बहुप्रतीक्षित कटरा-श्रीनगर रेल लिंक के उद्घाटन किये जाने की संभावना के मद्देनजर जम्मू-कश्मीर में, विशेष रूप से रेलवे लाइनों, रेलवे स्टेशनों और प्लेटफार्मों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गयी है। इससे पहले गत 19 अप्रैल को प्रधानमंत्री मोदी द्वारा इस रेल लिंक को उद्घाटन खराब मौसम के पूवानुर्मान के कारण स्थगित कर दिया गया था। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक वीवीआईपी दौरे के बारे में अभी कुछ भी स्पष्ट रूप से जारी नहीं किया गया है, लेकिन शीर्ष अधिकारियों के निर्देश पर सुरक्षा को और बढ़ा दिया गया है और उम्मीद है कि इस सप्ताहांत तक कटरा-श्रीनगर रेल लिंक का उद्घाटन हो जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री छह जून को अपने संभावित दौरे के दौरान दुनिया के सबसे ऊंचे चिनाब रेल पुल और अंजी खाद रेल पुल का उद्घाटन करेंगे और श्री माता वैष्णो देवी कटरा रेलवे स्टेशन से श्रीनगर के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखायेंगे तथा वह कटरा के खेल मैदान में सार्वजनिक कार्यक्रम को भी संबोधित कर सकते हैं। गत 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकवादी हमले और इसके बाद भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर के पश्चात प्रधानमंत्री को केन्द्रशासित प्रदेश में पहला दौरा होगा।

लंदन के स्पीकर ने आतंकवाद को लोकतंत्र के लिए खतरा बताया: रविशंकर प्रसाद

पटना। पटना साहिब के सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री रविशंकर प्रसाद ने लंदन में यूके के हाउस ऑफ कॉमन्स के स्पीकर राइट ऑनरेबल सर लिंडसे हॉयल से मुलाकात की। इस महत्वपूर्ण बैठक में श्री प्रसाद ने पाकिस्तान से उत्पन्न सीमा पार आतंकवाद पर गहरी चिंता व्यक्त की, जहां अनिर्वाचित और अनियंत्रित जनरल आतंकवाद को एक राज्य उपकरण के रूप में उपयोग करते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह दृष्टिकोण न केवल लोकतंत्र को कमजोर करता है, बल्कि लोकतांत्रिक समाज की नींव को भी नष्ट करता है। स्पीकर ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए स्वीकार किया कि आतंकवाद किसी भी रूप में लोकतंत्र के लिए एक महत्वपूर्ण खतरा है। उन्होंने भारत की उल्लेखनीय प्रगति की भी सराहना की, जिसमें डिजिटल परिवर्तन, तकनीकी प्रगति, आर्थिक विकास और अंतरिक्ष क्षेत्र में उपलब्धियां शामिल हैं। स्पीकर ने आतंकवाद से निपटने में भारत और यूके के बीच मजबूत एकजुटता की प्रशंसा की।

मुजफ्फरपुर कांड पर स्वास्थ्य मंत्री ने लिया संज्ञान, जांच के आदेश

स्पीडी ट्रायल कर दोषी को सजा दिलाई जाएगी : मंगल

प्रातः किरण/एजेंसी

पटना। बिहार के मुजफ्फरपुर में एक 9 वर्षीय बच्ची के साथ कथित तौर पर दुष्कर्म और उसकी मौत का मामला अब तूल पकड़ लिया है। विपक्ष के हमलावर होने के बाद राज्य सरकार सजग हुई है। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने पटना मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में पीड़ित के कथित तौर पर इलाज में कोताही बरतने के मामले में जांच के आदेश दिए हैं। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने पत्रकारों से बातचीत में कहा, मैं पटना के बाहर था,सोमवार की शाम लौटा हूं और इस मामले की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि घटना के बाद पुलिस प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई की। इस मामले में मुख्य आरोपी गिरफ्तार किया गया है। मुजफ्फरपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने भी कहा कि 15 दिनों के अंदर आरोप पत्र अदालत में दाखिल कर दिया जाएगा और स्पीडी ट्रायल कर दोषी को सजा दिलाई जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने बताया कि पीड़िता का मुजफ्फरपुर के एसकेएमसीएच में इलाज किया गया, जिसके बाद उसका पटना के पीएमसीएच में इलाज किया गया। इसके बावजूद अगर कोई विषय निकलकर आया है तो उसकी जांच कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि जैसे ही सोमवार को पटना लौटा, लौटने के साथ ही अपने अधिकारियों के साथ पूरी बात की और पूरे मामले को समझा।

इसके बाद तुरंत तीनों डायरेक्टर इन चीफ के नेतृत्व में जांच दल गठित करने और एसकेएमसीएच और पीएमसीएच में पीड़िता के इलाज को लेकर पूरी जानकारी जुटाने और जांच करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इसमें सारी फैक्ट फाइंडिंग हो और रिपोर्ट तुरंत विभाग को उपलब्ध कराई जाए। उसके आधार पर जो दोषी होगा, उन पर कार्रवाई की जाएगी। दरअसल, मुजफ्फरपुर में दुष्कर्म के बाद जीवन के लिए संघर्ष कर रही एक मासूम बच्ची की रविवार को सरकारी अस्पताल में मौत हो गई।

एक अधिकारी ने बताया कि नाबालिग के साथ 26 मई को मुजफ्फरपुर स्थित उसके गांव में दुष्कर्म किया गया था, जिसके बाद शनिवार को गंभीर हालत में पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल लाया गया, जहां उसकी मौत हो गई थी। सोमवार को बिहार युवा कांग्रेस ने इस घटना के विरोध में पटना में हल्लाबोल मार्च निकाला था।

मंत्री अशोक चौधरी ने प्रशांत किशोर के खिलाफ मानहानि का दर्ज कराया मुकदमा

प्रातः किरण/एजेंसी

पटना। बिहार में इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं, जिसे लेकर राजनीतिक दल अपनी-अपनी तैयारियों में जुट गई हैं। इसी बीच, जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। बिहार सरकार के मंत्री अशोक चौधरी ने प्रशांत किशोर के खिलाफ पटना सिविल कोर्ट में मानहानि का मुकदमा दायर किया। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि अगर प्रशांत किशोर ने माफी नहीं मांगी, तो वह सुप्रीम कोर्ट तक जाने से भी पीछे नहीं हटेंगे। मुकदमा दर्ज कराने के बाद मंत्री अशोक चौधरी ने कहा कि प्रशांत किशोर ने न सिर्फ मुझे अपमानित किया है, बल्कि उनके बयान पिछड़े और दलित समाज के खिलाफ मानसिकता को दशार्ते हैं। उन्होंने कहा, प्रशांत किशोर ने एक प्रेस वार्ता में जानबूझकर अपमानित करने का काम किया। उनके बयान को देखने के बाद मैंने पहले लीगल नोटिस भेजा था, लेकिन उनका जवाब जो आया, वह भी संतोषजनक नहीं था। इसके बाद मंगलवार को मैंने कोर्ट में जाकर मानहानि का मुकदमा दायर किया है। बिहार के मंत्री चौधरी ने आगे कहा, या तो वे अपने बयान को साबित करें, और नहीं तो सार्वजनिक तौर पर माफी मांगे। यह किसी को अधिकार नहीं है कि कोई किसी को अपमानित करे। हजारों करोड़ लोग हम लोगों को देखते हैं। अगर हम नहीं लड़ेंगे, तो क्या समाज में कमजोर लोग प्रशांत किशोर से लड़ेंगे? उन्होंने कहा कि अब यह सिर्फ मेरी नहीं, बल्कि समाज की लड़ाई है।

उन्होंने कहा कि पिछड़ा-दलित विरोधी मानसिकता अब नहीं चलेगी। दरअसल, प्रशांत किशोर ने मंत्री अशोक चौधरी पर टिकट खरीदकर बेटी को सांसद बनाने का आरोप लगाया था। प्रशांत किशोर ने कहा था कि उनका राजनीतिक चरित्र क्या है, यह सबको पता है। उन्होंने अपनी बेटी को टिकट खरीदकर सांसद बनवाया। बिहार के किसी नेता या पार्टी में इतनी हिम्मत नहीं है कि वह हम पर एक रुपए भी लेने का आरोप लगा सके। उन्होंने कहा था, मैं न तो विधायक हूं, न सांसद, न ही बालू माफिया या शराब माफिया के लिए काम करता हूं। मैंने जो भी धन अर्जित किया है, वह अपनी बुद्धि और मेहनत से किया है। मैं जो भी संसाधन खर्च कर रहा हूं, वह बिहार के गरीब लोगों के लिए खर्च कर रहा हूं, ताकि पैसे के अभाव में उन्हें राजनीति से दूर न रहना पड़े।

हमलोग मुकदमा से डरने वाले नहीं हैं, जो सच है वो कहेंगे : पीके

मंत्री अशोक चौधरी के मानहानि के मुकदमे के सवाल पर प्रशांत किशोर ने कहा कि हमको मानहानि, मुकदमा और एफआईआर से डराने वाला कोई पैदा नहीं हुआ है। जिनका आप नाम ले रहे हैं, वे जितनी बार चाहे मानहानि, एफआईआर कर दें। आपको प्रशांत किशोर किसी से डरने वाला दिखता है! हम कोई बालू-शराब माफिया हैं, किसी सरकारी पद पर हैं। डंके की चोट पर तीन साल से ये अभियान चला रहे हैं। अभी हम यहां आएं हैं और देख लीजिए हमारे साथ एक हवलदार तक नहीं है। जिस बिहार में लोग मुखिया बनने के बाद 4 गन मैन सुरक्षा के नाम पर लेकर घूमते हैं। उसी बिहार में 3 साल से मैं पैदल चल रहा हूं और 1 सिपाही तक नहीं लिया। हम किसी से डरने वाले हैं, गांधी मैदान में इसी सरकार ने रात के अंधेरे में 3 बजे मुझे उठा लिया। 20 थाने के लोग मुझे अरेस्ट कर कोर्ट में लेकर गए। क्या हुआ, मुझे छोड़ दिया। जब हमने कोई गलती नहीं की तो कोई बिहार में खड़े होकर नहीं कह सकता है कि हमने किसी से 1 रुपए भी लिया हो। कोई ये नहीं कह सकता है कि हमने कोई गलत काम किया हो।

आतंक और परमाणु ब्लैकमेल अब नहीं सहेंगे : सीडीएस

प्रातः किरण

पुणे। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने स्पष्ट किया है कि भारत की सहनशीलता की एक सीमा है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित आतंकवाद अब बंद होना चाहिए। सीडीएस ने यह भी स्पष्ट किया कि भारत अब आतंक के साए में नहीं जिएगा और न ही परमाणु ब्लैकमेल को बर्दाश्त करेगा। जनरल अनिल चौहान ने कहा कि पहलगाम में आतंकवादियों ने जो किया वह पीड़ितों के प्रति घोर क्रूरता थी। आतंकवादियों के खिलाफ शुरू किए गए ह्यऑपरेशन सिंदूरह्व का उद्देश्य पाकिस्तान से प्रायोजित हो रहे आतंकवाद को रोकना था।

सीडीएस जनरल अनिल चौहान मंगलवार को पुणे में थे। यहां एक कार्यक्रम में ऑपरेशन सिंदूर पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि पाकिस्तान भारत में आतंकवादी गतिविधियों को प्रायोजित नहीं कर सकता। भारत अब आतंकवाद और परमाणु ब्लैकमेल की छाया में नहीं रहने वाला। उन्होंने फिर दोहराया कि पेशेवर सैन्य बलों पर नुकसानों का कोई असर नहीं होता। युद्ध में नुकसान महत्वपूर्ण नहीं हैं, बल्कि परिणाम महत्वपूर्ण हैं।

जनरल अनिल चौहान ने कहा कि इस विशेष युद्ध का शुरूआती केंद्र पहलगाम में हुआ आतंकी हमला था। उन्होंने पूछा कि क्या आतंकवाद युद्ध का एक तर्कसंगत कार्य है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद का कोई परिभाषित तर्क नहीं है। सीडीएस ने कहा कि जहां तक हमारे विरोधी का सवाल है, उसने भारत को एक हजार घाव देकर खून बहाने का फैसला किया है। पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित आतंकवाद पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि वर्ष 1965 में जुल्फिकार अली भुट्टो ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को संबोधित करते हुए भारत के खिलाफ एक हजार साल के युद्ध की घोषणा की थी।

पाकिस्तान डोजियर ने भारत के हमले में हुए नुकसान को लेकर बड़ा कबूलनामा किया

भारत ने पाकिस्तान के 9 से अधिक ठिकानों को पहुंचाया नुकसान

प्रातः किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान और पीओके में 9 आतंकियों के ठिकाने को ध्वस्त किया था। इसी बीच पाकिस्तान डोजियर ने भारत के हमले में हुए नुकसान को लेकर बड़ा कबूलनामा किया है। पाकिस्तान के ऑपरेशन बुनयान उन मार्सोस पर आधिकारिक डोजियर में बताया गया है कि भारत ने कम से कम आठ अतिरिक्त ठिकानों पर हवाई हमला किया है। जिनका खुलासा भारत की तरफ से पहले नहीं किया गया था। पाकिस्तानी डोजियर

के सैटेलाइट इमेज में पेशावर, झंग, सिंध में हैदराबाद, पंजाब में गुजरात, गुजरांवाला, बहावलनगर, अटक और छोर जैसे प्रमुख शहर है, जिसमें तबाही का जिक्र किया गया है। आपको बता दें कि भारतीय वायु सेना या सैन्य संचालन महानिदेशक ने अपनी प्रेस ब्रीफिंग में पाकिस्तान और पीओके में 9 आतंकी ठिकानों को ध्वस्त करने की सार्वजनिक रूप से जानकारी दी थी। यह डोजियर ऑपरेशन सिंदूर के द्वारा पाकिस्तान को हुए नुकसान को लेकर बड़ी जानकारी देता है और इसे पाकिस्तान की ओर से सीजफायर के लिए तत्काल आह्वान के पीछे एक महत्वपूर्ण कारक के रूप में देखा जा रहा है। 22 अप्रैल को पहलगाम में आंतकियों ने 26 पर्यटकों को गोली मारकर हत्या कर दी थी। जिसके बाद भारतीय सेना ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान और पीओके में 9 आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया था। जिसमें 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए थे।

इसके बाद 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भारतीय सेना, वायुसेना और विदेश मंत्रालय ने संयुक्त प्रेस ब्रीफिंग की थी, जिसमें विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री, वायुसेना की विंग कमांडर व्योमिका सिंह और भारतीय सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी शामिल हुईं थी। सैन्य अधिकारियों ने आतंकी ठिकानों पर किए गए हमले की क्लिप भी दिखाई थी। इसमें बताया गया था पाकिस्तान और पीओके में नौ (9) ठिकानों को निशाना बनाया गया था, जिसमें आतंकवादी स्थल मरकज सुभान अल्लाह बहावलपुर, मरकज तैयबा, मुरीदके, सरजाल/तेहरा कलां, महमूना जोया सुविधा, सियालकोट, मरकज अहले हदीस बरनाला, भिम्बर, मरकज अब्बास, कोटली, मस्कर राहील शाहिद, कोटली जिले में स्थित हैं। इसके अलावा मुजफ्फराबाद में शावई नाला कैम्प, मरकज सैयदना बिलाल शामिल था। इस पूरे ऑपरेशन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ रात भर बारीकी से नजर रखी थी। सूत्रों ने पुष्टि की कि प्रधानमंत्री, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और सैन्य कमांडरों के साथ लगातार संपर्क में थे, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अभियान योजना के अनुसार आगे बढ़े।

इंडिया समूह ने दोहराई संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग, पीएम मोदी को लिखा पत्र

प्रातः किरण/एजेंसी

नई दिल्ली। विपक्षी दलों के इंडिया समूह ने पहलगाम हमला, आपरेशन सिंदूर, सैन्य कार्रवाई तथा आतंकवाद को खत्म कर पाकिस्तान को अलग-थलग करने में देश कितना सफल रहा इन सब मुद्दों पर व्यापक चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की मंगलवार को मांग करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखा है जिसमें 16 दलों के नेताओं ने हस्ताक्षर किये हैं। इंडिया समूह के नेताओं ने कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद की स्थिति और सांसदों के सात प्रतनिधि मंडलों को दुनिया के विभिन्न देशों की राजधानियों में भेजकर आतंकवाद पर हम अपना पक्ष रखने में कितना सफल रहे इसकी जानकारी देश चाहता है। विपक्षी दलों ने कहा कि सांसदों का प्रतिनिधि मंडल लौट रहा है और इसमें दुनिया को समझाने में हम कितना सफल रहे इस बारे में सारी जानकारी संसद में दी जानी चाहिए। उन्होंने इस बात पर आश्चर्य जताया कि पूरी दुनिया को बताने के लिए सांसदों का प्रतिनिधि मंडल विदेशों में भेजा जाता है लेकिन अपनी संसद और उसके माध्यम से देश की जनता को कुछ नहीं बताया जाता है। संसद सत्र को आवश्यक बताते हुए उन्होंने कहा कि विशेष सत्र बुलाकर सांसदों और देश को पूरे घटनाक्रम की जानकारी देना जरूरी है। बैठक के बाद कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद देश जानना चाहता है। कि पाकिस्तान को आतंकवाद के नाम पर दुनिया में अलग थलग करने तथा आतंकवाद को खत्म करने में हमारी कोशिश कितना सफल रही है।

संक्षिप्त खबरें

राकेश कुमार बने भाजपा जिला ग्रामीण मंत्री, कार्यकताओं ने दी बधाई

मसौढ़ी !राकेश कुमार को भाजपा के जिला ग्रामीण मंत्री बनाये जाने पर पार्टी के नेताओं ने खुशी जाहिर की है.पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिलीप जयसवाल के द्वारा राकेश कुमार को जिला के मंत्री के पद पर मनोनीत किया है बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिलीप जयसवाल ने शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि एक कर्मठ और ईमानदार संगठनकर्ता को जिला के मंत्री बनाये जाने से पार्टी संगठन को और मजबूती मिलेगी.इस मौके पर अजय शर्मा लोजपा नेता मंतोष पासवानविजय यादव उपेंद्र केसरी ने बधाई दी।

प्रतिमाओं के प्राण प्रतिष्ठा को ले हुआ धार्मिक अनुष्ठान

पटना सिटी (प्राकि)। भगवान शंकर, हनुमान जी महाराज, भवगती की प्रतिमा व पिंड की प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान चौकशिकारपुर के दुंदी बाजार स्थित श्री महावीर दल व्यायमशाला में जारी रहा। इस दौरान मंगलवार को भी धार्मिक अनुष्ठान किया गया। आयोजकों ने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान में बुधवार को प्रतिमा का नगर भ्रमण होगा। शुक्रवार को प्राण प्रतिष्ठा व हवन अनुष्ठान, छह जून को अखंड हरिकीर्तन, भंडारा और सात जून को भगवती जागरण होगा।

फरार चल रहे आरोपितों के घर चिपकाया गया इश्तेहार

फतुहा। नदी थाने की पुलिस द्वारा फरार चल रहे दो आरोपितों के घर इश्तेहार चिपकाया गया। कांड के अनुसंधानकर्ता एसआई मोती लाल ठाकुर ने बताया कि नदी थाना कांड संख्या- 180/23 के फरार चल रहे प्राथमिकी आरोपित समस्तीपुर के हरदासपुर निवासी राजेश राय एवं कांड संख्या- 122/22 के प्राथमिकी आरोपित राघोपुर मल्लिकपुर निवासी शमशाद नट के घर पर इश्तेहार चिपकाया गया। उन्होंने बताया कि समर्पण न करने पर न्यायालय के आदेश पर दोनों के यहां कुर्की की कार्रवाई की जाएगी।

भंडारा में पहुंचे भाजपा नेता भाई सनोज यादव

दानापुर नगर के अंतर्गत सरारी पंचायत के सरारी गांव में मंगलवार को श्रद्धा और आस्था का अनूठा संगम देखने को मिला, जहां गोरैया बाबा स्थान के नवनिर्माण उपलक्ष्य में भव्य अखंड कीर्तन और भंडारे का आयोजन किया गया।इस अवसर पर स्थानीय समिति द्वारा चौबीस घंटे का अखंड कीर्तन आयोजित किया गया, जिसमें ग्रामीणों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। मंगलवार को कार्यक्रम के समापन अवसर पर आयोजित भंडारे में हजारों की संख्या में श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करने पहुंचे

खुशरूपुर नगर पंचायत को ले नामांकन पत्र भरने का दौर जारी

पटना सिटी (प्राकि)। अनुमंडल कार्यालय में मंगलवार को नगर पंचायत खुशरूपुर के दस वार्ड के लिए पार्षद, मुख्य पार्षद और उप मुख्य पार्षद के चुनाव का नामांकन प्रक्रिया जारी रहा। मंगलवार को भी नामांकन का विभिन्न पदों के लिए दाखिल किया गया। एसडीओ सह निवार्ची पदाधिकारी सत्यम सहाय ने बताया कि मुख्य पार्षद के लिए राजीव कुमार सिप्पी, पूजा कुमारी, सरोज देवी, रंजू सिंह व राघव तिवदेवल ने नामांकन का परचा दाखिल किया। उप मुख्य पार्षद के लिए रामजी साव और रवि शंकर पांडेय ने परचा दाखिल किया। इसी प्रकार पार्षद पद के लिए वार्ड संख्या एक से कविता देवी, रीना कुमारी, रंजू सिंह, वार्ड संख्या चार से प्रदीप कुमार व विक्की कुमार, वार्ड संख्या सात से धीरज वर्मा और विवेक कुमार, वार्ड संख्या आठ से सुजाता देवी और अशोक कुमार, वार्ड संख्या नौ से आरती देवी और सुरुचि कुमारी, वार्ड संख्या दस से रंजू देवी और प्रतिमा कुमारी ने नामांकन पत्र दाखिल किया है। एसडीओ ने बताया कि नामांकन पत्रों की संवीक्षा छह से नौ जून के बीच होगा। इसके बाद दस से 12 जून तक अभ्यर्थी नामांकन वापस ले सकेंगे। 13 जून को अभ्यर्थियों की सूची का प्रकाशन और प्रतीक चिह्न आवंटन होगा। 28 जून को मतदान और 30 जून को मतगणना का कार्य होगा।

बिहार टीम ने राष्ट्रीय ग्रैपलिंग प्रतियोगिता में 16 पदक जीता

प्रात :किरण संवाददाता

पटना। बिहार के खिलाड़ियों ने बीती रात्रि नाशिक महाराष्ट्र में सम्पन्न राष्ट्रीय ग्रैपलिंग प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 16 पदक जीतकर राज्य का नाम रोशन किया। इनमें 4 स्वर्ण, 6 रजत और 6 कांस्य पदक शामिल हैं। प्रतियोगिता में बिहार के बालक एवं बालिका वर्ग के खिलाड़ियों ने जबरदस्त कौशल का प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों की मेहनत, प्रशिक्षकों का मार्गदर्शन और संघ के सहयोग से यह ऐतिहासिक सफलता प्राप्त हुई। प्रमुख पदक विजेता खिलाड़ी बालक वर्ग में अरविंद कुमार यादव (बक्सर) 62 किग्रा स्वर्ण, लुकेश कुमार (बेतिया) झ 84 किग्रा स्वर्ण छोटू कुमार (लखीसराय) 92 किग्रा में रजत ,यश राज सिंह (आरा) 54 किग्रा में रजत ,अजीत कुमार (आरा) 66 किग्रा कांस्य , मिहिर कुमार मिश्रा (सुपौल) झ कांस्य पदक हासिल किया । वही बालिका वर्ग में विक्की कुमारी (पटना) 64 किग्रा रजत , अमृता देवी (बेगूसराय) 90 किग्रा में रजत। सिवान जिला की शगुफ्ता नाज स्वर्ण ,कविता कुमारी एक रजत और एक कांस्य मिनी कुमारी ने कांस्य पदक पर कब्जा जमाया । बिहार टीम को प्रशिक्षण देने में प्रशिक्षकों और रेफरी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है ये प्रशिक्षक है चंदन कुमार (मुख्य कोच) ,रिजवान खान (राष्ट्रीय रेफरी) ,प्रिया कुमार ,गोलू कुमार ,श्वेता कुमारी ,अनामिका कुमारी। बिहार ग्रेपलिंग टीम की सफलता पर बिहार विधान पार्षद महेश्वर सिंह, कॉपरेटिव बैंक के सत्येंद्र नारायण सिंह , कांग्रेस महासचिव अनुराग सिंह , सहकारिता नेता वरुण विजय , बिहार ग्रैपलिंग संघ के अध्यक्ष श्री अभय कुमार , अभिजीत कुमार सिंह ने खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई दी। महासचिव श्री सुबोध कुमार यादव , वरिष्ठ मार्गदर्शक श्री हरिओम उत्तम एवं अजय अंकोला ने भी सभी विजेताओं को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन पर शुभकामनाएं दीं। बिहार टीम की इस ऐतिहासिक सफलता ने पूरे राज्य में खुशी की लहर दौड़ा दी है। यह जीत सिर्फ खिलाड़ियों की नहीं, बल्कि पूरे बिहार की जीत है। सभी विजेताओं और कोचिंग स्टाफ को इस गौरवशाली उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई एवं भविष्य के लिए शुभकामनाएं।

बाढ़ से विस्थापित आबादी में डायरिया पर स्वास्थ्य विभाग करेगा फोकस

आशा बताएंगी घर में ओआरएस बनाने की विधि

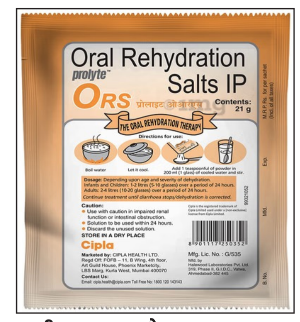

● टीकाकरण और स्तनपान के महत्व को बताएंगे स्वास्थ्यकर्मी

प्रात :किरण संवाददाता

पटना। मानसून और बाढ़ से पूर्व स्वास्थ्य विभाग डायरिया प्रबंधन में जुट गया है। इसके लिए 15 जुलाई से 14 सितंबर तक दो महीने लगातार स्टॉप डायरिया कैंपेन चलाया जाएगा। इस कैंपेन के तहत से बचाव के प्रति पूरे राज्य में लोगों के बीच डायरिया के प्रति लोगों में जन-जागरूकता फैलाई जाएगी। जागरूकता के दौरान शिशुओं में टीकाकरण के महत्व, स्तनपान का महत्व, डायरिया की जल्द पहचान कर ओआरएस का उपयोग पर विशेष बल रहेगा, साथ ही डायरिया के संक्षिप्त उपचार के लिए स्वास्थ्य संस्थान में हर प्रकार की तैयारी रहेगी. इस दौरान बाढ़ से प्रभावित होने वाले क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जायेगा. पांच साल तक के शिशुओं पर विशेष फोकस स्टॉप डायरिया कैंपेन के दौरान आशा कार्यकर्ता अपने कार्यक्षेत्र के गांव में पांच वर्ष तक के शिशुओं और उनके अभिभावकों के बीच विशेष रूप से जागरूकता फैलाई जाएगी। इस दौरान आशा कार्यकर्ता अभिभावकों को ओआरएस बनाने की विधि, शौचालय के इस्तेमाल और हाथ धोने की विधि के साथ डायरिया के लक्षण के बारे में बताएगी। सभी संस्थानों में उपलब्ध रहेंगे ओआरएस पैकेट डायरिया से प्रबंधन के लिए सभी स्वास्थ्य संस्थानों में ओआरएस के पैकेट और उपचारात्मक उपाय किए जाएगें। इसके अलावे सीवीयर डायरिया पेशेंट के लिए इलाज की भी व्यवस्था है। गंदगी डायरिया का मुख्य कारण दूषित भोजन एवं/पानी के प्रयोग से डायरिया का संक्रमण फैलता है. आस पास की सफाई, शौचालय का प्रयोग, हाथों की स्वच्छता तथा पीने के लिए स्वच्छ पानी के प्रयोग से से बचा जा सकता है. डायरिया की शुरूआत होते ही ओआरएस का घोल एवं जिंक की गोली के सेवन से से होने वाली मृत्यु को रोका जा सकता है. ध्यान रखें, डायरिया होते ही आशा, एएनएम दीदी से संपर्क अथवा नजदीकी स्वास्थ्य संस्थान में ले जाएँ।

रोट्रैक्ट क्लब ऑफ पटना सिटी अध्यक्ष राहुल व सचिव मनजीत निर्वाचित

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

रोटरी क्लब ऑफ पटना सिटी की युवा इकाई रोट्रैक्ट क्लब ऑफ पटना सिटी की साप्ताहिक बैठक का आयोजन इस सप्ताह कुम्हरार स्थित हरिलाल कैफे में किया गया। इसमें सत्र 2025-26 के लिए पदाधिकारियों का निर्वाचन हुआ। सर्वसम्मति से राहुल राज सिंह को अध्यक्ष एवं मनजीत राज को सचिव के रूप में निर्विरोध चुने गए। रोटरी क्लब के चेयरमैन राजेश बल्लभ विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। दोनों वरिष्ठ जनों ने निर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी और क्लब की भावी योजनाओं पर विचार साझा करते हुए कहा रोट्रैक्ट क्लब समाज सेवा का एक सशक्त माध्यम है। राहुल राज सिंह जैसे ऊजार्वान युवा के अध्यक्ष बनने से क्लब को नई दिशा और गति मिलेगी।नवनिर्वाचित अध्यक्ष रो राहुल राज सिंह ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे क्लब की गरिमा को बनाए रखते हुए सामाजिक सेवा के कार्यों को विस्तार देंगे। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करने और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की दिशा में कार्य करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। सचिव रो मनजीत राज ने अपने वक्तव्य में कहा कि क्लब की गतिविधियों को समयबद्ध तरीके से संचालित करना उनकी प्राथमिकता होगी और वे पारदर्शिता और उत्तरदायित्व के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे। बैठक में स्वास्थ्य शिविर, स्वच्छता अभियान, शिक्षा सहायता कार्यक्रम तथा पौधारोपण जैसे सामाजिक कार्य शामिल हैं। सभी सदस्यों ने मिलकर इन कार्यक्रमों को सफल बनाने का संकल्प लिया। बैठक में पूर्व अध्यक्ष विजय कुमार यादव, रव्यांशु प्रीत, अरविंद मेहता, विशाल कुमार आर्य, शुभांगिनी गुप्ता, प्रांशु गुप्ता आदि उपस्थित थे।

जिला मलेरिया कार्यालय में अधिकारियों व कर्मियों ने ली मलेरिया से बचाव की शपथ

पूरे जून मनाया जाएगा एंटी मलेरिया माह

प्रात :किरण संवाददाता

पटना। जिला मलेरिया कार्यालय परिसर में मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ पदाधिकारियों तथा कर्मियों ने मलेरिया से बचाव की शपथ ली. ज्ञात हो कि जून महीना एंटी मलेरिया माह के रूप में मनाया जाता है. शपथ के साथ मलेरिया से बचाव के लिए छोटे-छोटे स्लोगन भी दिए गए। इस अवसर पर डॉ. आनंद शंकर, क्षेत्रीय अपर निदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं, बिहार, डॉ. नरेंद्र कुमार सिन्हा, अपर निदेशक सह राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी, वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम, बिहार, डॉ. विनय कुमार, डॉ. प्रफुल्ल चंद्र कुमार, क्षेत्रीय उप निदेशक, पीयूष रंजन, क्षेत्रीय कार्यक्रम प्रबंधक, डॉ. सुभाष चंद्र प्रसाद, जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी, पटना, वीडीसीओ पंकज कुमार, ऋचा कुमारी, विकी कुमार, अमरजीत सहित अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

बकरीद पर पानी, बिजली, सफाई व सुरक्षा की होगी व्यवस्था

● गंगा दशहरा पर भी घाट पर एसडीआरएफ व गोताखोर रहेंगे

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

ईद उल जोहा (बकरीद) सात जून को मनाया जाएगा। इसे लेकर गुलजारबाग स्टेडियम के सभागार में शांति समिति की बैठक मंगलवार को हुई। इसकी अध्यक्षता एसडीओ सत्यम सहाय एवं एएसपी अतुलेश झा ने किया।इसमें कहा गया कि पटना सिटी में जितने नमाज स्थल और ईदगाह है, वहां पर सफाई, ब्लीचिंग व चूना पाउडर का छिड़काव, पानी के टैंकर की व्यवस्था की जाएगी। सभी जगह नमाज के पहले पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। जहां-तहाऔ रोड या गली-मोहल्ले में मेनहोल खुला है, वहां तुरत मेनहोल को बंद कर देना होगा। नवाज के दिन सुबह पांच बजे पानी की आपूर्ति की उच्च जल प्रवाह से किया जाएगा, ताकि लोग सुबह स्नान करके ईदगाह में नमाज के लिए जा सकें। पांच जून को गंगा दशहरा को लेकर विभिन्न गंगा घाट पर बड़ी संख्या में लोग स्नान के लिए जाएंगे। इसको देखते हुए सभी घाट पर पुलिस बल की तैनाती एवं प्रमुख घाट पर एसडीआरएफ एवं गोताखोर की व्यवस्था रहेगी। शांति समिति की बैठक में गणेश कुमार, मनोज शर्मा, शाहीद अंसारी, मुन्ना सरकार, संजय मालाकार, बसी अख्तर, हेदायत अहमद, मो रफी, सैयद फिरोज हसन, अशोक कुमार केशरी, अंजू सिंह, फिरोज आलम, राहुल चौधरी, अफताब गुड्डू, प्रफुल्ल पांडेय, रेणु कुशवाहा, संजय अलबेला आदि उपस्थित थे।

बच्चों की अच्छी शिक्षा राष्ट्र निर्माण का है आधार : नंदकिशोर

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

बिहार विधानसभा के अध्यक्ष नंदकिशोर यादव ने मंगलवार को कैमाशिकोह स्थित गणपति पैलेस में वार्ड नंबर 67 के लगभग 300 आंगनबाड़ी बच्चों के बीच स्कूल बैग एवं शिक्षा किट का वितरण किया। कार्यक्रम का आयोजन बच्चों की उत्तम शिक्षा और स्वास्थ्य को ध्यान में रखकर किया गया। गेल (इंडिया) लिमिटेड के सामाजिक उत्तरदायित्व एवं यूनिसेड के संयुक्त प्रयास से यह किया गया। इससे बच्चों के मानसिक, बौद्धिक और शारीरिक विकास में मदद मिलेगी। बिहार विधानसभा के अध्यक्ष श्री यादव ने कहा कि भारत सरकार की गेल इंडिया लिमिटेड ने इनोवेशन द्वारा बच्चों के स्वास्थ्य और शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए इस कार्यक्रम के माध्यम से बड़ी पहल की है। उन्होंने कहा कि बच्चे देश के भविष्य हैं, इसलिए इनकी शिक्षा और सेहत पर ध्यान देना जरूरी है। राष्ट्र निर्माण के लिए बच्चों की अच्छी शिक्षा और सेहत जरूरी है। गौरतलब है कि वितरित किए गए स्कूल बैग खास तरीके से बनाए गए हैं। यह बैग ग्रामीण अंचल में पढ़ रहे बच्चों के लिए बहुत ही लाभकारी साबित होगा। यूनिसेड संस्था देश के लगभग 22 राज्यों में सरकारी विद्यालयों में शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने, छात्रों की बौद्धिक क्षमता को बढ़ाने और बच्चों के स्वास्थ्य सुधार की दिशा में बेहतर कार्य कर रही है। वरिष्ठ नीति सलाहकार और यूनिसेफ के अध्यक्ष अवनीश त्रिपाठी की देखरेख में यह बैग खास तरीके से बनाए गए हैं, जिससे बच्चों को सहूलियत होगी। यह बैग बच्चों को सही रूप से बैठ कर पढ़ने के लिए है, जो कि बच्चों की रीढ़, मस्तिष्क और आंखों के बेहतर स्वास्थ्य को बनाने में मददगार साबित होगा। आंखों की रोशनी पर कोई भी दुष्प्रभाव नहीं पड़ेगा। स्कूल बैग पाकर सभी बच्चों के चेहरों पर मुस्कान देख उनके अभिभावक बहुत खुश हुए। इस अवसर वार्ड पार्षद मुन्ना जायसवाल, भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रभाकर कुमार मिश्र, प्रो दिनेश पटेल, किरण शंकर, जदयू की प्रवक्ता पूजा एन शर्मा, मीडिया प्रभारी प्रदीप काश, राजेश साह, महेश पासवान, सुजीत अकेला, मनोज यादव आदि थे। कार्यक्रम का संचालन विनय कुमार बिट्टू ने किया।

भाजपा-जदयू के दिग्गज सिख नेताओं को पछाड़ लखबिंदर बाजी मारे

क्रिश्चियन व बौद्ध समाज का प्रतिनिधित्व नहीं, पहले थे उपाध्यक्ष

● भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिलीप जायसवाल अपने चहेते को बनाया अल्पसंख्यक आयोग का उपाध्यक्ष

पटना सिटी (आनंद केसरी)

भारतीय जनता पार्टी और जनता दल यूनाइटेड से जुड़े सिख नेता इस बार बिहार राज्य अल्पसंख्यक आयोग में जगह नहीं बना पाए। पटना, सासाराम, किशनगंज, कटिहार, पूर्णिया, सहरसा, नालंदा, मुजफ्फरपुर जैसे जिलों में सिख नेता दोनों पार्टी में सक्रिय रहे हैं। स्थिति यह रही कि जदयू और भाजपा के मूल संगठन में किसी पद पर नहीं हैं। दोनों पार्टी के अल्पसंख्यक या अन्य मोर्चा में भले सिख नेताओं को पद मिला हो। हालांकि राष्ट्रीय जनता दल के मुख्य संगठन में रणजीत सिंह छाबड़ा प्रदेश महासचिव हैं। बिहार सरकार ने हाल ही में बिहार राज्य अल्पसंख्यक आयोग का गठन किया है। इसमें भी दोनों पार्टियों में सक्रिय और प्रदेश स्तर पर संगठन व पार्टी के शीर्ष नेताओं के बीच पहचान बनाए रखने वाले नेताओं को जगह नहीं मिल पाई। हालांकि इस बीच भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ दिलीप जायसवाल ने अपने क्षेत्र के सक्रिय सिख नेता और प्रबंधक कमेटी, तख्तश्री हरिमंदिर जी पटना साहिब के वरीय उपाध्यक्ष लखबिंदर सिंह को अल्पसंख्यक आयोग में उपाध्यक्ष बनवाने में सफल रहे हैं। हालांकि इसी पार्टी से जुड़े मनप्रीत सिंह हंसपाल, प्रबंधक कमेटी तख्तश्री हरिमंदिर जी पटना साहिब के अध्यक्ष जगजोत सिंह, कनीय उपाध्यक्ष गुरुविंदर सिंह, आरएस जीत, अजय सिंह चप्पू, त्रिलोक सिंह, सासाराम से आने वाले सुजीत सिंह पप्पू, अल्पसंख्यक आयोग में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष या सदस्य बनने में भी असफल रहे। जदयू की बात करें, तो यहां से भी कुलवंत सिंह सलूजा, जगजीवन सिंह आदि भी स्थान पाने में सफल नहीं हो पाए। तख्तश्री कमेटी के अध्यक्ष जगजोत सिंह सोही तो वर्तमान में पटना के जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह तख्तश्री पटना साहिब के कस्टोडियन के द्वारा सदस्य नामित हुए थे। मगर अगले कार्यकाल के लिए नामित होने वाले तीन सदस्य में भी जगह नहीं ले पाए। इसके पूर्व बिहार विधानसभा की बात करें, तो यहां कोई सिख अब तक नहीं पहुंच पाया है। यदि विधान परिषद की बात करें, तो सरदार मौलेश्वर सिंह के बाद कोई भी सिख किसी भी पार्टी से विधान पार्षद नहीं बन पाए हैं। सबसे बुरी स्थिति क्रिश्चियन और बौद्ध की रही है। वर्तमान बिहार राज्य अल्पसंख्यक आयोग की जारी सूची में एक भी क्रिश्चियन या बौद्ध समाज के लोगों को प्रतिनिधित्व नहीं दिया गया है। इसके पूर्व उपाध्यक्ष का पद क्रिश्चियन समाज को मिला था। इससे इन दोनों समाज के लोगों में नाराजगी भी देखी जा रही है। हालांकि इस बार अच्छी बात यह रही कि बिहार प्रदेश के अध्यक्ष डॉ दिलीप जायसवाल भाजपा कोटे से अपने क्षेत्र के सक्रिय सिख नेता लखबिंदर सिंह का नाम उपाध्यक्ष के पद पर लाने में सफल रहे हैं। यही कारण रहा कि उपाध्यक्ष के पद पर सरदार लखवबिंदर सिंह शपथ लेने के बाद सीधे डॉ दिलीप जायसवाल के पास गए और उनका आभार जताया। हालांकि भाजपा और जदयू से जुड़े सिख नेताओं का स्पष्ट मानना है कि पार्टी के द्वारा उन्हें जिम्मेदारी दी जाती है, चाहे वह लंगर की हो या अन्य कोई भी कार्य। उस जिम्मेदारी को बखूबी निबाहने का काम करते हैं। मगर जब संगठन, आयोग या सरकार में प्रतिनिधित्व देने की बात होती है, तो यह समाज उपेक्षा का शिकार हो जाता है। यह सही है कि बिहार में सिखों की आबादी उतनी नहीं है कि वह निर्णायक वोट बन सके। यही कारण है कि सिखों को विधानसभा या लोकसभा के चुनाव में टिकट नहीं मिल पाता है। हालांकि भाजपा कोटे से एसएस अहलूवालिया राज्यसभा के लिए नामित हो चुके हैं और वह केंद्र सरकार में मंत्री भी रहे हैं।

आपसी विवाद में महिला घायल, पीड़िता ने थाने में दिया आवेदन

प्रात :किरण संवाददाता

मसौढ़ी !आपसी विवाद को लेकर एक पक्ष के लोगों के द्वारा दूसरे पक्ष की एक महिला को मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया. घायल महिला का इलाज अनुमंडलीय अस्पताल में कराया गया।घायल महिला ने स्थानीय थाना में राजबल्लभ मांझी व उसकी पत्नी जिरा देवी के खिलाफ नामजद लिखित आवेदन देकर न्याय की गुहार लगायी है. घायल महिला थाना क्षेत्र के तिनेरी गांव निवासी सोखन मांझी की पत्नी मानती देवी ने स्थानीय थाना में आवेदन में कहा कि सोमवर की लगभग आठ बजे रात्रि में अपने घर के पास बैठे थे,उसी समय राजबल्लभ मांझी व उसकी पत्नी जिरा देवी आई और भद्दी-भद्दी गाली गलौज करने लगा. मना किया तो उनलोगों ने मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया.थानाध्यक्ष अनिल कुमार ने बताया कि मामला को जांच करते हुए कार्रवाई की जा रही है।

मुजफ्फरपुर दुष्कर्म कांड के खिलाफ छात्राओं का कैंडल मार्च -पीड़िता को श्रद्धांजलि दे, दोषियों को फांसी देने की मांग

पटना सिटी, प्रात :किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर में नाबालिग के साथ हुई दरिंदगी की घटना ने बिहार को झकझोर कर रख दिया है। इसी कड़ी में मंगलवार को अशोक राजपथ स्थित बावली मोड़ के समीप गांधी स्मारक चौक पर स्थानीय कोचिंग संस्थानों में पढ़ने वाली छात्राओं ने कैंडल और तख्तियां लेकर विरोध मार्च निकाला। इन बच्चियों ने हम न्याय चाहते हैं, दोषियों को फांसी दो... जैसे नारे लगाए और सरकार से कड़ी कार्रवाई की मांग की। विदित हो कि यह प्रदर्शन उस वीभत्स घटना के विरोध में था, जिसमें मुजफ्फरपुर जिले में एक नाबालिग के साथ दरिंदगी की गई। हालत गंभीर होने पर बच्ची को पहले मुजफ्फरपुर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां से उसकी हालत बिगड़ने पर पीएमसीएच लाया गया। परिजनों का आरोप है कि यहां डॉक्टरों की लापरवाही और देरी के कारण बच्ची की मौत हो गई। इस घटना से गुस्साए छात्राओं का कहना है कि केवल आरोपियों की गिरफ्तारी ही काफी नहीं, उन्हें जल्द से जल्द फांसी दी जानी चाहिए, ताकि समाज में ऐसा कृत्य दोबारा न हो। वहीं विपक्षी दलों ने भी इस मामले को लेकर सरकार को घेरा है और इसे कानून-व्यवस्था की नाकामी करार दिया है। फिलहाल मामले की जांच चल रही है, लेकिन पीड़ित परिवार और आम जनता को जल्द न्याय की उम्मीद है। छात्राओं ने चेतावनी दी है कि अगर दोषियों को कड़ी सजा नहीं मिली, तो उनका आंदोलन और तेज होगा। छात्राओं में आयुषी, अंजली, मुस्कान, सुप्रिया, जाह्नवी, सेजल, सुप्रिया शाही, नंदिनी, रश्मि, सानिया, फिजा, अलीशा, मैहर, फिरदौस, प्रीति, स्वीटी, राजनंदनी, खुशबू, सुहानी आदि शामिल थीं। इधर वार्ड पार्षद शोभा देवी ने कहा कि मुजफ्फरपुर की दलित नाबालिक की मौत पीएमसीएच अस्पताल प्रशासन की लापरवाही से हुई है। बिहार में बच्चियों के साथ सामूहिक बलात्कार की घटना सुशासन की सरकार बताने वाली बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा कहीं नहीं दिख रहा है।

मंत्री जिवेश कुमार ने बीएस कॉलेज मैदान में नगर परिषद के योजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन किया

प्रात :किरण संवाददाता

दानापुर नगर के अंतर्गत मंगलवार को नगर विकास एवं आवास मंत्री जिवेश कुमार ने बीएस कालेज मैदान में आयोजित नगर परिषद के विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास सह उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए कहा। उन्होंने 19.73 करोड़ से निर्मित विभिन्न योजनाओं का उद्घाटन और 44.40 करोड़ से विभिन्न योजनाओं का होने वाले कार्यों का शिलान्यास किया।साथ ही राज्य योजना से 15.95 करोड़ से निर्मित होने वाले 15 योजनाओं का शिलान्यास भी किया। मंत्री ने बताया कि हम सैटेलाइट सिटी भी बना रहे हैं। सोनपुर को आने वाले दिनों में हम पूरे पटना को जोड़कर के पटना के अंदर एक सैटेलाइट सिटी बनाएंगे,बहुत जल्द हम लैंड पूलिंग पालिसी ला रहे हैं । आपलोग जैसा नोएडा और गुड़गांव में जाकर देखते हैं।उसी स्टाइल का टाउनशिप डेवलप करने की दिशा में सकारात्मक कदम उठा रहे हैं।मंत्री कुमार ने कहा कि सरकार के पास राशि की कोई कमी नहीं है,आप योजनाएं बनाएं। आज लगभग 96 करोड़ रुपए की सौगात नगर परिषद दानापुर को देने का काम किया जा रहा है। उन्होंने उप मुख्य पार्षद सरिता देवी द्वारा विकास कार्यों के लिए पैसे की कमी की बातों पर कहा कि दानापुर के विकास के लिए पैसे की कमी नहीं आयेगी।आप सभी योजना लेकर आईये हम पैसा देने के लिए तैयार है।आज की बात करें तो 5-7 बड़े शहरो आरा को जलापूर्ति के लिए 138 करोड़,सिवान को जलापूर्ति के लिए 113 करोड़,सासाराम को जलापूर्ति के लिए 76 करोड़,औरंगाबाद को सिविल इंस्टिट्यूट ट्रीटमेंट प्लांट के लिए सिवरेज सिस्टम दुरुस्त करने और नगर में कहीं पानी नहीं लगे इसके लिए 497 करोड़,सिवान को सिवरेज सिस्टम के लिए 367 करोड़ और सासाराम को सिवरेज सिस्टम के लिए 455 करोड़ इतनी राशि तो आज कैबिनेट के अंदर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने देने की हरी झंडी दी है,अगर सभी राशि को जोड़ेंगे तो लगभग 1500 करोड़ से 1600 करोड़ से अधिक राशि केवल नगर विकास आवास को तीन चार शहरों में जलापूर्ति और सिवरेज सिस्टम ठीक करने के लिए दिया गया है। मंत्री कुमार ने अधिकारियों व पार्षदों से कहा कि नागरिक सुविधा में क्या चाहिए,योजना बनाकर भेजिए।यह सरकार दोनों हाथ से राशि आवंटित करेगी। उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा कि बड़ा गजब की स्थिति है भाई,तीन महीना से ऊपर हो गया मंत्री बने हुए और चार महीना बचा है चुनाव के लिए लिए। बावजूद आज भी कार्यकर्ता, पार्षद सभी चादर व बुके लेकर आते हैं। इससे हम खुश नहीं होने वाले, हमारे पास योजनाएं लेकर आईये, हमें भी काम करने का मौका दिजिए,तब आपके मंत्री जी खुश होंगे। उन्होंने कहा है कि 15 अगस्त को पटना मेट्रो युक्त शहर में देश में गिनती हो जाएगी। उन्होंने आपरेशन सिंदूर का चर्चा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमारी बहनों का अगर सिंदूर उतारने वाले को हमारी बहनें ही फाइटर प्लेन से उसका जवाब दी। भारत की बेटियां आज सक्षम हो गई है।जब हम कभी कहते थे कि भारत की बेटी फुल है,अब कहेंगे भारत की बेटियां फूल नहीं अब चिंगारी भी है,जरूरत पड़ा तो पाकिस्तान में घुस करके महज 22 मिनट में 9 आतंकवादी ठिकानों को मिट्टी में मिला देने का काम की। मंत्री जिवेश कुमार का स्वागत एमएलसी अनामिका सिंह और समारोह का अध्यक्षता कर रहे मुख्य पार्षद शिल्पी कुमारी ने अंगवस्त्र और बुके देकर की। धन्यवाद ज्ञापन ईओ पंकज कुमार ने किया।मौके पर आप्त सचिव आलोक कुमार,उप मुख्य पार्षद सरिता देवी,पार्षद गोपाल कुमार,राजेश शर्मा,उप मुख्य पार्षद प्रतिनिधि राजू जयसवाल,पार्षद प्रतिनिधि धीरज कुमार समेत अन्य लोग भी मौजूद थे।

त्रिपुरा के मुख्यमंत्री एवं बिहार के स्वास्थ्य मंत्री ने पटना दंत महाविद्यालय सह अस्पताल का किया भ्रमण

पीएम मोदी व सीएम नीतीश के नेतृत्व में बदली बिहार की स्वास्थ्य सेवाएं: माणिक

डेंटल कॉलेज एवं हॉस्पिटल में 100 सीटों पर होगा नामांकन : मंगल

स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने पटना दंत महाविद्यालय सह अस्पताल का भ्रमण के दौरान कहा कि इस मेडिकल डेंटल कॉलेज एवं हॉस्पिटल में अभी यहां पे 40 सीट्स है और हम लोग इसे शीघ्र ही 100 सीट्स पर ले जाने वाले हैं बहुत जल्दी 100 सीटों का नामांकन यहां होने लगेगा और पठन पाठन और मरीज के इलाज का काम और बेहतर होगा। यहां तीन तरह से एक्सरे की भी व्यवस्था पूरी हो गई है। जिससे मरीजों को काफी सुविधा मिलती है। पर्याप्त दवा डेंटल चेयर और जो भी तकनीकी उपकरण आवश्यक हैं वो सभी उपलब्ध हैं। वहीं, स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि त्रिपुरा के सीएम श्री माणिक साहा पटना डेंटल कॉलेज हॉस्पिटल के एलुमनाई हैं। यह बात हमारे लिए हर्ष व गौरव की अनुभूति देता है। मैं स्वास्थ्य मंत्री के रूप में बहुत गौरान्वित हो गया यह सोच कर कि मेरे राज्य के डेंटल कॉलेज से माणिक साहब पढ़कर राष्ट्रीय विचारधारा से जुड़े और पूर्वोत्तर के प्रमुख राज्य त्रिपुरा के सीएम बनें। मुझे जानकारी मिली कि आप 48 साल पहले इस संस्थान में पढ़ा करते थे। पटना डेंटल कॉलेज हॉस्पिटल ही वह संस्थान है जहां से आप विद्यार्थी के रूप में ज्ञान और संस्कार लेकर निकले और एक बड़े उत्तरदायित्व का आज निर्वाहन कर रहे हैं। कार्यक्रम में बिहार के स्वास्थ्य सचिव मनोज कुमार सिंह, स्वास्थ्य मंत्री के निजी सचिव अमिताभ सिंह, और कॉलेज के प्राचार्य डॉ. तनुज कुमार सहित कई पूर्व प्राचार्य, शिक्षकगण, स्टाफ व छात्र उपस्थित थे।

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा एवं बिहार सरकार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय मंगलवार को पटना दंत महाविद्यालय सह अस्पताल का भ्रमण करने पहुंचे। पटना डेंटल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में आयोजित इस गरिमामय समारोह में त्रिपुरा के सीएम डॉ. माणिक साहा ने बीते दिनों की यादों के साथ उपस्थित जनसमूह को भावुक कर दिया। उन्होंने अपने छात्र जीवन, संघर्षों, और उस दौर की यादों को साझा करते हुए बिहार के स्वास्थ्य मंत्री एवं विधि मंत्री मंगल पांडेय का विशेष धन्यवाद किया। डॉ. साहा ने बताया कि वे अनौपचारिक रूप से कॉलेज आना चाहते थे। परंतु श्री पांडेय के विशेष आग्रह और आत्मीयता के कारण यह एक औपचारिक एवं भव्य आयोजन में परिवर्तित हो गया।

उन्होंने अपने कॉलेज दिनों के अनुभव साझा करते हुए कहा डेंटल कॉलेज का तब और अब में जमीन-आसमान का फर्क है। उस वक्त सुविधाएं सीमित थीं पर आज यह संस्थान प्रगति की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में लगातार स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर किया जा रहा है।

भाजपा कार्यालय में मोदी सरकार के 11 साल - संकल्प से सिद्धि तक कार्यशाला संपन्न

भारत का 11 साल में हुआ चहुंमुखी विकास : दिलीप

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। भाजपा प्रदेश कार्यालय के अटल बिहारी सभागार में मंगलवार को मोदी सरकार के 11 साल - संकल्प से सिद्धि तक को लेकर कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला की अध्यक्षता भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने की। दीप प्रज्वलित कर और महापुरुषों के चित्र पर माल्यार्पण कर डॉ. दिलीप जायसवाल, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री नागेंद्र जी, प्रदेश संगठन महामंत्री भिखुभाई दलसानिया और इस कार्यक्रम के संयोजक सह महामंत्री राधामोहन शर्मा ने संयुक्त रूप से इस कार्यशाला का उद्घाटन किया। प्रदेश अध्यक्ष ने भाषण में आए हुए प्रतिनिधियों, प्रदेश पदाधिकारियों और जिलाध्यक्षों को अपने-अपने जिले में पदाधिकारियों के बीच काम का बंटवारा कर कार्यक्रम को सफल करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इस 11 साल के दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने कई मील के पत्थर बनाए हैं। अब भारत दूसरे देशों पर निर्भर नहीं रहता है और हमारी गिनती उन देशों में होती है, जिनमें चीन, अमेरिका और रूस शामिल हैं।

पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के 11 साल उपलब्धियों वाले रहे हैं। उन्होंने भारत को 1,100 साल आगे ले जाने का काम किया है। उन्होंने कहा, पिछले 11 साल में भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी इकोनॉमी बना है।

जब नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बने थे, उस समय हम 11वें नंबर की अर्थव्यवस्था थे, मगर आज हिंदुस्तान दुनिया की चौथे नंबर की इकोनॉमी है। संयोजक राधामोहन शर्मा ने विषय प्रवेश कराते हुए विस्तृत चर्चा की। तारकेश्वर नाथ ठाकुर एडवोकेट सह-संयोजक ने अपना विषय विस्तार से रखते हुए प्रोफेशनल मीट सह प्रदर्शनी की चर्चा की। लाजवंती झा सह-संयोजक ने ग्राम पंचायतों तक चौपाल के माध्यम से कार्यक्रम आयोजित करने का विषय रखा।

स्तरहीन राजनीति करना विपक्ष की फितरत : उमेश

कहा- समाज में सम्मान के साथ आज आगे बढ़ रही बेटियां

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि सियासी लाभ के लिए संवेदनशील मुद्दों का राजनीतिकरण करना विपक्ष की आदत बन चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि जनाधार खो चुके राजद और कांग्रेस अब सत्ता की भूख में इतने नीचे गिर चुके हैं कि राजनीतिक शिष्टाचार और लोकतांत्रिक मयादाओं को खुलेआम ठेंगा दिखा रहे हैं। श्री कुशवाहा ने कहा कि कुढ़नी बलात्कार एवं हत्याकांड के आरोपी को घटना के कुछ ही घंटों में गिरफ्तार कर लिया गया, जो नीतीश सरकार की त्वरित कार्रवाई और अपराध के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति का स्पष्ट प्रमाण है। उन्होंने कहा कि इस मामले में स्पीडी ट्रायल चलाकर आरोपी को कठोरतम सजा दिलाई जाएगी, ताकि पीड़िता को न्याय मिल सके और समाज में एक कड़ा संदेश जाए। राजद शासन पर तीखा हमला बोलते हुए प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि नीतीश सरकार में अपराधी कानून के शिकंजे से नहीं बच सकते, जबकि राजद सरकार में तो मुख्यमंत्री आवास ही आपराधिक सरगनाओं के लिए सबसे सुरक्षित शरणस्थली बन गया था। उन्होंने कहा कि लालू-राबड़ी शासनकाल में महिलाओं की स्थिति किसी से छिपी नहीं है। उस दौर में सत्ता संरक्षित अपराधियों ने बहन-बेटियों का जीना मुहाल कर दिया था।

आज भी वह समय प्रदेशवासियों की स्मृति में एक भयावह और शर्मनाक अतीत की तरह जीवित है। प्रदेश अध्यक्ष ने आगे कहा कि यह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कुशल, संवेदनशील और कानून-प्रधान शासन का ही परिणाम है कि आज महिलाओं की सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित हुई है। बेटियां आज शिक्षा, नौकरी और समाज में सम्मान के साथ आगे बढ़ रही हैं, जिसकी कल्पना करना भी राजद शासन में नामुमकिन था।

दानापुर व फुलवारी नगर परिषद का होगा क्षेत्रफल विस्तार

बड़ी आबादी को मिलने लगेगी शहरों जैसी सुविधाएं

प्रात : किरण संवाददाता

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट की बैठक में कई महत्वपूण फैसले लिए गए। मंत्रिमंडल ने पटना शहर के आसपास के तीन शहरी निकायों दानापुर, खगोल और फुलवारी शरीफ नगर परिषद के विस्तार कर दिया है। विस्तार के बाद इन तीनों इलाकों में ग्रामीण क्षेत्र की जमीन शहरी क्षेत्र में शामिल हो जाएगी इससे वहां रहने वाले आबादी को शहरों जैसी सुविधाएं मिलने लगेगी। फुलवारी शरीफ नगर परिषद क्षेत्र का क्षेत्रफल विस्तार किया गया है। अब इस नगर परिषद क्षेत्र का कुल क्षेत्रफल 16.5 1 वर्ग किलोमीटर एवं जनसंख्या 113594 हो जाएगी। वहीं दानापुर निजामत नगर परिषद का भी क्षेत्र विस्तार होगा। इसका कुल क्षेत्रफल 23.114 वर्ग किलोमीटर एवं जनसंख्या 1 लाख 95 हजार 564 होगी। क्षेत्र विस्तार से शहरीकरण में वृद्धि होगी तथा वहां के नागरिकों को शहरी सुविधाओं का लाभ मिलेगा। नगर परिषद खगौल का भी क्षेत्र विस्तार किया गया है। इसका कुल क्षेत्रफल 94 वर्ग किलोमीटर तथा जनसंख्या 65451 होगा। बक्सर रोहतास आवासीय विद्यालय बनेगा। बेगूसराय जिला में बरौनी रेलवे स्टेशन से तिलरथ रेलवे स्टेशन के बीच आरोबी बनने को मंजूरी दी गई है। पूर्वी चंपारण के मेहसी और चकिया रेलवे स्टेशन के बीच आर ओ बी बनेगा । गया में नया बाईपास बनाए जाने को मंजूरी दी गई है। आंगनबाड़ी केदो के बच्चों को भी पोशाक मिलेगा इसको लेकर मंजूरी दी गई है।

जलापूर्ति योजना के लिए 328 करोड मंजूर

मंत्रिमंडल ने सासाराम औरंगाबाद और सिवान शहर में सीवरेज नेटवर्क परियोजना के लिए 1320 करोड़ की योजना मंजूर की है। आरा, सिवान व सासाराम में जलापूर्ति योजना के लिए 328 करोड़ की योजना मंजूर की गई है। पटना के दूजरा में बनेगा ड्राई डाक, यहां होगी जहाज की मरम्मत इसके लिए पांच एकड़ जमीन स्वीकृत की गई है। इसके अलावा मंत्रिमंडल ने आंगनबाड़ी केंद्र के बच्चों के कपड़ों को तैयार करने का जिम्मा जीविका दीदी को सौंपने का निर्णय भी लिया है।

दुष्कर्म पीड़िता दलित बच्ची के लिए लड़ेंगे न्याय की लड़ाई : राजेश

दुष्कर्म पीड़िता नाबालिग बच्ची के परिजनों से पहुंचे कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष

पटना। मुजफ्फरपुर जिले के कुढ़नी में नौ वर्षीय दुष्कर्म पीड़ित दलित बच्ची के समय से इलाज न मिलने से हुई मौत को लेकर आज उसके घर जाकर परिजनों से मिलें। इस घटना से आक्रोशित बिहार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने मंगलवार को पटना में संवाददाता सम्मेलन भी किया और प्रेस कांफ्रेंस के बीच में ही भावुक हो गए थे। प्रेस कांफ्रेंस के तत्काल बाद वें वरिष्ठ नेताओं की टीम लेकर मुजफ्फरपुर के कुढ़नी के लिए पीड़िता के परिजनों से मिलने निकल गए। वहां पहुंच कर उन्होंने पीड़ित बच्ची के मृत्यु पर शोक के बाद उनके परिजनों से मिलकर हिम्मत दिया और कहा कि कांग्रेस पार्टी आपके साथ सदैव खड़ी है। हम बच्ची के न्याय की लड़ाई लड़ने में आपकी हर संभव मदद करेंगे।

जदयू राष्ट्रीय महासचिव मनीष कुमार वर्मा का कर्नाटक दौरे पर जोरदार स्वागत

बतौर प्रदेश प्रभारी संगठनात्मक बैठकों और संवाद कार्यक्रमों में होंगे शामिल

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। भाजपा प्रदेश कार्यालय के अटल सभागार में सोमवार को सामाजिक संपर्क अभियान के अंतर्गत लोहार समाज की बैठक सम्पन्न हुई। इस बैठक का उद्घाटन भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में लोहार समाज के लोग उपस्थित थे। इससे पहले भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने विश्वकर्मा भगवान की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर जन कल्याण की प्रार्थना की। इस मौके पर बनारस के एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा भी उपस्थित रहे। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए भाजपा अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि लोहार समाज के उत्थान के लिए एनडीए सरकार द्वारा कई जन कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं और उनका लाभ पूरी पारदर्शिता के साथ लाभार्थियों तक पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि लोहार समाज का स्नेह और भाजपा पर अटूट विश्वास इसी प्रकार सदैव बना रहे, यही कामना है। उन्होंने समाज के लोगों को भरोसा देते हुए कहा कि लोहार समाज के उत्थान के लिए एनडीए सरकार प्रतिबद्ध है। भाजपा अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने कहा कि भाजपा सभी समाज के वर्गों के साथ बैठक कर रही है। राजनीति करने वाले लोग जातियों के नाम पर राजनीति खूब की। कांग्रेस 65 सालों तक सत्ता में रही लेकिन इन्होंने पिछड़े, अति पिछड़ी जातियों को ठगने का काम किया।

इस समाज के लोगों का जितना विकास होना चाहिए था, वह नहीं हो सका है। जब केंद्र और प्रदेश में एनडीए की सरकार बनी तो लोहार समाज के आर्थिक, सामाजिक और शैक्षणिक विकास को लेकर काम शुरू हुआ। उन्होंने कहा कि आज आरक्षण के नाम पर इंडी गठबंधन वाले नाटकबाजी करते हैं। इनकी नीति बांटो और राज करो की रही है। उन्होंने कहा कि अब सभी समाज के लोग एनडीए के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज जाति के नाम पर अपनी रोटी सेंकने का प्रयास राजनीतिक दल करते हैं।

इस बैठक में प्रदेश मंत्री संजय गुप्ता, राम बालक शर्मा, राज कुमार शर्मा, अनिता शर्मा, सत्य नारायण शर्मा, धर्मेंद्र शर्मा, यूपी शर्मा, राम आश्रय शर्मा, मुकेश शर्मा, पारस शर्मा, संजय शर्मा, दिनेश शर्मा, गुड्डू शर्मा सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित थे।

मुजफ्फरपुर दुष्कर्म कांड को लेकर राजद ने निकाला आक्रोश मार्च

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। मुजफ्फरपुर में बलात्कार पीड़ित बच्ची की मौत के विरोध में राष्ट्रीय जनता दल महिला प्रकोष्ठ ने आक्रोश मार्च निकाला। आक्रोश मार्च का नेतृत्व महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष रितु जायसवाल ने की। प्रदेश प्रवक्ता एजाज अहमद ने बताया कि आक्रोश मार्च राष्ट्रीय जनता के राज्य कार्यालय से इनकम टैक्स गोलंबर तक सैकड़ों महिलाओं के द्वारा गगनचुंबी नारों के साथ निकला। जिसमें स्वास्थ्य मंत्री मंगल पाण्डेय के इस्तीफा की मांग और बिहार सरकार से महिलाओं और बच्चियों के साथ हो रहे बलात्कार और व्यभिचार की घटना की जिम्मेदारी लेते हुए सरकार से इस्तीफा की मांग की गई। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव के द्वारा घटनास्थल के दौरे के बाद सरकार की नींद खुली है। जबकि इससे पहले मुख्यमंत्री और दोनों उपमुख्यमंत्री पूरी तरह से इस मामले में लापरवाही दिखा रहे थे और सरकार की गंभीरता नहीं दिख रही थी। इस अवसर पर आक्रोश मार्च में विधान पार्षद डॉ उर्मिला ठाकुर, पूर्व विधायक प्रेमा चौधरी, प्रदेश प्रवक्ता सारिका पासवान, महिला राजद की पूर्व अध्यक्षा आभा लता, मुख्यालय प्रभारी मुकुंद सिंह, अनीता भारती, सगुन सिंह, स्नोहा रानी, शकुन्तला दास, रत्ना प्रिया, रीना चौधरी, नीतू कुमारी दास, माया गुप्ता, ई अर्चना यादव, इन्द्रानी देवी, मीरा यादव, रूबी कुमारी, प्रतिमा कुमारी सहित सैंकड़ों महिलाएं शामिल थीं। इस अवसर पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उदय नारायण चौधरी, नवल किशोर यादव, एजाज अहमद, जयंत जिज्ञासु, उत्पल वल्लभ, मदन शर्मा, डॉ प्रेम कुमार गुप्ता आदि थे।

नीतीश कुमार ने बदली पटना और बिहार की तस्वीर : जदयू

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। जदयू प्रदेश प्रवक्ता हिमराज राम एवं प्रदेश प्रवक्ता परिमल कुमार ने मीडिया में जारी बयान में कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना और बिहार की तस्वीर बदलने का काम किया है। उन्होंने कहा कि आज उनकी विकासोन्मुखी सोच के चलते राजधानी पटना में लोगों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं मिल रही है और पटना विकास के पथ पर अग्रसर है। पार्टी प्रवक्ताओं ने कहा कि साल 1990 के लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी के शासनकाल के दौरान विकास के हर पैमाने पर पिछड़े बिहार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने संवारने का काम किया है और उसका परिणाम है कि राज्य में रोड कनेक्टिविटी को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। हर गांव को पक्की सड़कों से जोड़ा जा रहा है और हर गांव में गली-नाली का निर्माण हो रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की दूरगामी सोच का ही परिणाम है कि आज राज्य के किसी कोने से लोग राजधानी पटना महज चार घंटे में पहुंच पा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के शासनकाल के दौरान बरबीघा से झारखंड बॉर्डर तक 190 किलोमीटर टू लेन सड़क के निर्माण कार्य परियोजना को मंजूरी दी गई है जिससे लोगों को आने जाने में काफी सुविधा मिलेगी। पार्टी प्रवक्ताओं ने कहा कि पर्यटकों की सुविधा के लिए पटना में बिहार म्यूजियम और पटना म्यूजियम को जोड़ने के लिए टनल का निर्माण कराया जा रहा है जिससे अब धरोहरों के सैर करने में और आसान होगी।

जनहित में निरंतर काम कर रही है एनडीए सरकार : लेसी

प्रातः किरण संवाददाता

पटना।खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री लेसी सिंह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बिहार दौरे पर तंज कसा है। मंत्री ने मंगलवार को जदयू प्रदेश कार्यालय में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम मे पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि बिहार की आम आवाम पूरी मजबूती से एनडीए के साथ खड़ी है। किसी के आने-जाने से यहां की राजनीति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ने वाला। एनडीए की डबल इंजन सरकार लगातार विकास और जनहित में कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जोड़ी ने बिहार में प्रगति का एक नया आयाम स्थापित किया है।

उन्होंने कहा कि आगामी चुनाव में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए दो-तिहाई बहुमत के साथ सरकार बनाएगी।

इस अवसर पर अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री जमा खां ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि कानून-व्यवस्था पर टिप्पणी करने से पहले उन्हें अपने माता-पिता के शासनकाल की याद कर लेनी चाहिए। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार में सौहार्द एवं भाईचारे के साथ-साथ सर्वांगीण विकास की लंबी लकीर खींची है। उन्होंने कहा कि एनडीए का कुनबा पूरी तरह एकजुट है और आगामी विधानसभा चुनाव में विपक्ष का सफाया तय है।

बेटियों की सुरक्षा नहीं कर पा रही सरकार : तेजस्वी

- नेता प्रतिपक्ष ने दलित रेप पीड़िता बच्ची के परिजनों से की मुलाकात

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने मुजफ्फरपुर जाकर मृत बच्ची के परिजनों से मुलाकात की और उन्हें इस पीड़ा से निकलने में हर प्रकार से मदद का आश्वासन दिया। इस दौरान तेजस्वी ने पीड़ित परिवार को पार्टी की तरफ से आर्थिक मदद भी की। तेजस्वी ने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह चौपट है। अपराधी बेखौफ अंदाज में दिनदहाड़े घटनाओं का अंजाम दे रहे हैं। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि सूबे में प्रतिदिन हत्या, बालात्कार की घटनाएं घट रही है। सरकार अचेत अवस्था में है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि बिहार में इतनी बड़ी घटना हो गई। लेकिन सरकार के मुखिया को इसकी खबर ही नहीं है।

उन्होंने कहा कि यह वही मुजफ्फरपुर है, जहां बालिका गृह कांड हुआ था। अब फिर एक दलित बच्ची के साथ ऐसी घटना हुई है। तेजस्वी ने कहा कि सरकार अपराधों पर लगाम लगाने में पूरी तरह से फेल हो चुकी है।

मामले की जांच के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा कमेटी बनाए जाने पर तेजस्वी ने कह कि ऐसी कई कमेटी पहले भी बनी थी। लेकिन इन कमेटियों को क्या हुआ, यह सभी को पता है। तेजस्वी ने कहा कि नीतीश कुमार को खुद यहां आना चाहिए, और पीड़ित के परिवार की हालत को देखना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारी मांग है कि पीड़ित के परिजनों को उचित मुआवजा के साथ परिवार में किसी एक को सरकारी नौकरी मिले।

पथ निर्माण विभाग की 09 योजनाओं को मिली कैबिनेट की स्वीकृति

राज्य में यातायात और अधिक सुव्यवस्थित होगी : नितिन

- अधोसंरचना सुदृढ़ीकरण की दिशा में राज्य सरकार की बड़ी पहल

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। पथ निर्माण विभाग द्वारा राज्य की पथ अधोसंरचना को मजबूती प्रदान करने की दिशा में प्रस्तुत 09 महत्वपूर्ण योजनाओं को मंत्रिपरिषद द्वारा स्वीकृति प्रदान की कर दी गई है। इनमें बिहार राज्य पुल प्रबंधन एवं अनुरक्षण नीति 2025, तीन रेलवे ओवरब्रिज, गया में सुजाता बाईपास (पुरानी बाईपास) का चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण, बांका और जमुई जिलों में दो महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाएं, सारण जिले में मानपुर-गरखा सड़क का चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण तथा विभागीय परिसंपत्तियों के प्रबंधन हेतु समेकित डिजिटल डाटाबेस निर्माण की योजनाएं सम्मिलित हैं। उक्त जानकारी सूबे के पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन ने दी। कहा कि मंत्रिपरिषद द्वारा पारित इन योजनाओं के क्रियान्वयन से राज्य में यातायात अधोसंरचना को और अधिक सुदृढ़, सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाने में मदद मिलेगी। पथ निर्माण मंत्री ने बताया कि बिहार सरकार द्वारा पुलों और सड़कों के निर्माण के साथ ही उनके दीर्घकालिक अनुरक्षण एवं कुशल प्रबंधन पर भी समान रूप से बल दिया जा रहा है। बिहार राज्य पुल प्रबंधन एवं अनुरक्षण नीति2025 की स्वीकृति इसी दिशा में एक ठोस पहल है। इस नीति के लागू होने से राज्य में निर्मित पुलों का नियमित तकनीकी निरीक्षण, अनुरक्षण एवं मरम्मत समयबद्ध ढंग से सुनिश्चित किया जा सकेगा, जिससे आवागमन सुरक्षित रहेगा और संरचनाओं की आयु लंबी होगी।

रेलवे समपारों के स्थान पर आरोबी का निर्माण प्राथमिकता :

मंत्री श्री नवीन ने आगे बताया कि राज्य में रेलवे समपारों के स्थान पर आरओबी का निर्माण प्राथमिकता पर किया जा रहा है। बेगूसराय के बरौनी-तिलरथ रेलखंड पर लेवल क्रॉसिंग के स्थान पर आरओबी निर्माण को स्वीकृति दी गई है। इसी तरह बरौनी तेघड़ा रेलखंड में लेवल क्रॉसिंग स्थान पर राज्यांश तथा पूर्वी चंपारण जिले के मेहसी- चकिया रेलखंड पर लेवल क्रॉसिंग संख्या के स्थान पर आरओबी निर्माण की स्वीकृति दी गई है। इन आरओबी के निर्माण से भारी ट्रैफिक दबाव वाले क्षेत्रों में सुरक्षित एवं निर्बाध आवागमन सुनिश्चित होगा।

श्रावणी मेला के अवसर पर कांवड़िया के सुदृढ़ीकरण के लिए 3847 .10 लाख स्वीकृत

साथ ही मंत्री ने बताया कि गया जिले में सुजाता बाईपास (पुरानी बाईपास) के चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण के लिए 3783.35 लाख की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है। यह पथ गया-बोधगया जैसे धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों को जोड़ने के कारण अत्यधिक महत्वपूर्ण है। इसके चौड़ीकरण से यातायात में आसानी होगी और दुर्घटनाओं की संभावना कम होगी।

बांका प्रमंडल अंतर्गत सुलतानगंज-दुमा (बिहार बॉर्डर) कांवड़िया पथ पर श्रावणी मेला के अवसर पर वर्ष 2025 से 2029 तक 5 वर्षों के रख रखाव हेतु 3847.10 लाख की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है।

इस योजना के अंतर्गत पथ मरम्मति, रेनकट मरम्मत, गंगा बालू बिछाव, पानी छिड़काव एवं अन्य आवश्यक कार्य किए जाएंगे, ताकि मेला के दौरान श्रद्धालुओं को सुगमता हो। जमुई प्रमंडल अंतर्गत जमुई-लखीसराय मुख्य पथ (एसएच-18) को हंसडीह, आरके होटल, जमुई मलयपुर रोड, घोड़ा अस्पताल, आईटीआई कॉलेज होते हुए इन्दपे (एनएच 333ए) तक चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण हेतु 3763.45 लाख की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। लगभग 10.275 किमी लम्बे इस पथ को इंटरमीडिएट लेन में परिवर्तित किया जाएगा। इसी प्रकार सारण जिले में मानपुर से गरखा तक लगभग 18.10 किमी लंबे पथ के चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण के लिए 8147.58 लाख की स्वीकृति प्रदान की गई है।

बिजली कटौती, वोल्टेज की समस्या का तत्काल समाधान हो : पंकज

ऊर्जा सचिव ने विद्युत आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा की

- अधिकारियों को उपभोक्ताओं की शिकायतों के प्रति संवेदनशील रहने के निर्देश

प्रातः किरण संवाददाता

पटना। ऊर्जा सचिव पंकज कुमार पाल ने राज्य की दोनो वितरण कम्पनियों के ऑपरेशन एवं मेंटेनेंस कार्य की एक अहम समीक्षा बैठक की। बैठक में एनबीपीडीसीएल के एमडी राहुल कुमार सहित मुख्यालय की पूरी टीम एवं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से क्षेत्रीय स्तर के सभी कनीय , सहायक , कार्यपालक एवम अधीक्षण अभियंता उपस्थित रहे। श्री पाल ने सभी अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि सभी विद्युत आपूर्ति अधीक्षण अभियंता अपने-अपने अंचल में पावर कट, लो वोल्टेज, ट्रांसफॉर्मर या तार क्षति जैसी समस्याओं की निगरानी माइक्रो लेवल पर करें और उनकी त्वरित पुनर्स्थापन सुनिश्चित कराएं। उन्होंने कहा कि राज्य के लोगों को बिना विलंब के बिजली आपूर्ति बहाल हो, यह सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। बैठक में यह भी निर्देश दिया गया कि सभी सहायक अभियंता और कनीय अभियंता लोगों की प्रत्येक कॉल को गंभीरता से लें। विद्युत उपभोक्ताओं द्वारा की गई शिकायतों यथा- बिजली कटौती, वोल्टेज की समस्या, और फ्यूज कॉल्स आदि का तत्काल समाधान किया जाए। जो भी अधिकारी या कर्मचारी इस कार्य में लापरवाही या उदासीनता बरतते पाए जाएंगे, उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। ऊर्जा सचिव ने फ्यूज कॉल प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने का निर्देश दिया।

संक्षिप्त खबरें

जार्ज फर्नांडिस की जयंती मनाई गई

मुजफ्फरपुर।भूतपूर्व रक्षा मंत्री, भारत सरकार. जॉर्ज फर्नांडीस की जयंती के अवसर पर मंगलवार को जॉर्ज उद्यान पार्क में स्थित उनकी आदमकद प्रतिमा पर जिला पदाधिकारी सहित कई अधिकारियों एवं अतिथियों ने माल्यार्पण कर अपनी श्रद्धा निवेदित की। मुख्य रूप से मा. मेयर श्रीमती निर्मला देवी साहू, मा. उपमेयर डॉ मोनालिसा गुप्ता, वरीय पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार, अपर समाहर्ता राजस्व संजीव कुमार, सिविल सर्जन डॉ अजय कुमार, अपर समाहर्ता विधि व्यवस्था सुधीर कुमार सिन्हा, अनुमंडल पदाधिकारी अमित कुमार सहित कई अतिथियों ने माल्यार्पण किया।

प्रखंड विकास पदाधिकारी से शिकायत

कल्याणपुर समस्तीपुर प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांव में राष्ट्रीय जनता दल बिहार के अति पिछड़ा प्रकोष्ठ प्रदेश सचिव अजय कुमार सहनी ने जनवितरण प्रणाली के विक्रेता द्वारा मुफ्त अनाज पाने वाले लाभार्थियों ने बताया कि क्लोजर पंचायत के हितलाल पासवान, सैदपुर पंचायत के ध्रुव चौधरी , सीताराम महतो, बिशन देव महतो ,सोमनाहा पंचायत के डीलर रणधीर महतो आदि द्वारा खाद्यान्न वजन में कम दी जाती है। इसको लेकर सहनी ने कई बार मौखिक रूप से प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी से शिकायत जताई। कोई कार्रवाई नहीं होने पर प्रखंड विकास पदाधिकारी जिला पदाधिकारी अनुमंडल पदाधिकारी विरोधी दल के विधानसभा के नेता तेजस्वी यादव को लिखित शिकायत भेजी है। प्रखंड विकास पदाधिकारी देवेंद्र कुमार ने बताया कि शिकायत मिली है अग्रसर कार्रवाई जारी है।

मतदाता जागरूकता के लिए रैली निकाली गई

बरियारपुर(मुंगेर)। बाल विकास परियोजना कार्यालय से मतदाता जागुरुक्ता रैली निकाली गई। जिसकी अध्यक्षता प्रखंड बिकास पदाधिकारी स्वेता कुमारी ने संयुक्त रुप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जो राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 80 से गुजरते हुए पुनः बाल विकास परियोजना कार्यालय पहुंचे सभा मे परिणत हो गया।इस रैली मे पहले मतदान फिर जलपान।

शपथ ग्रहण समारोह का किया गया आयोजन

हवेली खड़गपुर (कोर्ट)। श्री महादेव अहिल्यादेवी स्मृति ट्रस्ट प्रबंध समिति के लिए निर्वाचित सभी सदस्यों को पद और गोपनीयता का शपथ दिलाया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्रीमती रुकमणी देवी टेकरीवाड़ महाविद्यालय के प्रोफेसर डॉक्टर प्रेमेद्र ठाकुर विधिज्ञ संघ के अध्यक्ष मनोरंजन प्रसाद सिंहा पूर्व वार्ड पार्षद रूबी देवी ने संयुक्त रूप से किया। शपथ ग्रहण समारोह की अध्यक्षता ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष मुकेश कुमार ने की जबकि इसका संचालन अधिवक्ता सह कवि अमरदीप कुमार अमर ने किया। अतिथियों का स्वागत ट्रस्टी सचिव अनुराधा कुमारी ने की। ट्रस्ट के प्रबंध समिति के लिए नवनिर्वाचित पदाधिकारी सचिव अनुराधा कुमारी कोषाध्यक्ष सदानंद नायक सदस्य श्रीमती कंचन कुमारी श्रीमती खुशबू कुमारी श्रीमती गुड़िया कुमारी और वरिष्ठ पत्रकार सदानंद झा को निर्वाचन प्रमाण पत्र दिया गया।

प्राचार्य गणेश प्रसाद यादव के प्रथम पुण्यतिथि पर दी गई श्रद्धांजलि

विभूतिपुर/समस्तीपुर प्रखंड अंतर्गत महिषी चौक स्थित यादव भवन परिसर में बीआरएनकेएस कालेज के पूर्व प्राचार्य प्रो गणेश प्रसाद यादव के प्रथम पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। सभा की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. सूर्य देव प्रसाद मिश्र ने किया। मौके पर उपस्थित महाविद्यालय के सभी कर्मी एवं अन्य लोगों ने उनके फोटो पर पुष्प माला अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। वहीं वित सम्पोषित शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी कल्याण महासंघ पटना के प्रदेश सचिव सह प्रवक्ता प्रो. पी. के. झा प्रेम ने कहा कि स्मृति शेष प्रो गणेश प्रसाद यादव हमारे महासंघ के समर्पित सिपाही थे।आज उनके नहीं होने का अभाव खटक रहा है। उनके द्वारा अनवरत संघर्ष आज हमलोगों के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

नव पदस्थापित जिलाधिकारी कौशल कुमार ने किया पदभार ग्रहण

निवर्तमान डीएम ने कहा की जिले के लोग तरक्की करें, शांति, सुख के मार्ग पर अग्रसर हो

प्रात: किरण संवाददाता

दरभंगा। जिलाधिकारी के कार्यालय प्रकोष्ठ में नव पदस्थापित 146 वें जिलाधिकारी कौशल कुमार ने निवर्तमान जिलाधिकारी राजीव रौशन से पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण होने के उपरांत प्रेक्षागृह दरभंगा में आयोजित विदाई समारोह में जिला प्रशासन के पदाधिकारियों की ओर से उप विकास आयुक्त चित्रगुप्त कुमार अनिल कुमार अपर समाहर्ता सह जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी आदि ने मिथिला के गौरवशाली परंपरा के अनुसार पाग और चादर से निवर्तमान जिलाधिकारी और नव पदस्थापित जिलाधिकारी को स्वागत किये। जिलाधिकारी कौशल कुमार ने कहा कि जिलाधिकारी के पद पर पदभार ग्रहण किया हूँ,मेरी प्राथमिकता रहेगी विधि व्यवस्था सामान्य स्थिति में रहे। उन्होंने कहा कि सरकार की सभी कल्याणकारी योजनाओं को पारदर्शिता के साथ धरातल पर उतारने का प्रयास किया जाएगा। निवर्तमान डीएम ने कहा कि किसी भी जिला का दायित्व निभा कर और एक लंबी अवधि बिताकर जाना एक भावुक क्षण होता है।उन्होंने कहा कि सरकार के निर्देश के आलोक में विकास कार्य क्रियान्वित किया हूँ और शेष कार्य जारी है। सभी के सहयोग से दरभंगा जिला तरक्की के मार्ग पर आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि प्रगति यात्रा दरभंगा जिले के लिए मील का पत्थर साबित हो रहा है। मै दरभंगा जिले वासियों को धन्यवाद देता हूँ जिन्होंने कार्य करने के दौरान सहयोग दिया है। मेरा सुभकामना है कि जिले के लोग तरक्की करें, शांति, सुख के मार्ग पर अग्रसर हो। जिलाधिकारी कौशल कुमार ने कहा कि मिथिला में पूर्व के जिलाधिकारी के द्वारा किए गए विकास कार्य को आगे बढ़ाएंगे,साथ ही नंबर वन जिला बनाने का प्रयास करेंगे। विदाई समारोह में समाहरणालय द्वारा सभी कर्मियों की ओर से दोनों जिलाधिकारी को पाग और चादर आदि से सम्मानित किए।इस समारोह में प्रमंडल और जिला के सभी पदाधिकारी और कर्मचारी गण आदि उपस्थित थे।

बच्ची से कुकृत्य एवं नृशंस हत्या मामले में चलेगा स्पीडी ट्रायल : डीएम

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के कुढ़नी प्रखंड के जगरनाथपुर गांव में 11 वर्षीय बच्ची के साथ कुकृत्य एवं नृशंस हत्या के मामले में कुढ़नी थाना मे प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। इस मामले में शव परीक्षण रिपोर्ट भी प्राप्त हो गई है। इस संबंध में जिलाधिकारी ने कहा है कि पुलिस जल्द से जल्द एफएसएल रिपोर्ट प्राप्त कर आरोप पत्र दायर करेगी तथा स्पीडी ट्रायल कर दोषी को सजा दिलाई जाएगी । जिलाधिकारी ने मृतक परिवार के प्रति गहरी सहानुभूति एवं संवेदना प्रकट करते हुए परिवार को मुआवजा राशि के प्रथम किश्त के 4 लाख 12 हजार 500 रुपए का भुगतान कर दिया है। उन्होंने जिला कल्याण पदाधिकारी को निर्देश दिया है कि आरोप पत्र दायर होते ही मृतका के परिवार को मुआवजा राशि के द्वितीय किश्त 4 लाख 12 हजार 500 रुपए का भुगतान त्वरित रूप से कर दें।जिलाधिकारी ने एक्ट की सुसंगत धारा के तहत मृतका के परिवार को प्रतिमाह 7750 रुपए के पेंशन की स्वीकृति प्रदान की है तथा परिवार को स्वीकृति पत्र हस्तगत करा दिया गया है। उन्होंने जिला आपूर्ति पदाधिकारी को मृतका के परिवार को तीन माह का राशन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। इस एक्ट के तहत जिला अंतर्गत अभी 56 परिवारों को पेंशन का भुगतान किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि इसमें से जून 2024 से अब तक 23 परिवारों के पेंशन की स्वीकृति प्रदान की गई है। हत्या के मामले में इस एक्ट के तहत 4 मृतक की पत्नी को सरकारी नौकरी प्रदान की गई है। मुजफ्फरपुर जिला में पहली बार फरवरी 2024 के बाद हत्या के मामले में सरकारी नौकरी दी गई है, जो उल्लेखनीय है। जिले में मुआवजा भुगतान भी त्वरित गति से हो रहा है। एक्ट का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित कराने हेतु जिला पदाधिकारी द्वारा नियमित रूप से जिला स्तरीय निगरानी एवं अनुश्रवण समिति की बैठक की जा रही है तथा सतत मॉनिटरिंग एवं समीक्षा कर आवश्यक सुधार एवं प्रगति लाई गई है।इस प्रकार इस एक्ट के तहत पीड़ित परिवार को न केवल तेज गति से न्याय एवं राहत मिल रहा है बल्कि मुआवजा, पेंशन एवं नौकरी आदि भी तेज गति से दी जा रही है।

श्री कृष्ण गौशाला सोसायटी प्रबंधन समिति ने एसडीएम से गौशाला के विकास को लेकर मांग रखा

प्रात: किरण संवाददाता

मधुबनी जयनगर श्री कृष्ण गौशाला सोसाइटी के सचिव कल्पना सिंह के नेतृत्व में प्रबंधन समिति के द्वारा अनुमंडल पदाधिकारी सह अध्यक्ष श्री कृष्ण गौशाला सोसाइटी जयनगर को मिथिला परंपरा के अनुसार पाग,चादर एवं माला से स्वागत कर सम्मानित किया। एसडीएम सह सोसायटी के अध्यक्ष को गौशाला की विस्तृत जानकारी दी और गौशाला के विकास कार्यो को लेकर मांगों को रखा। सचिव कल्पना सिंह ने मांगो के माध्यम से दीपक कुमार अनुमंडल पदाधिकारी सह पदेन अध्यक्ष श्री कृष्ण गौशाला सोसाइटी जयनगर को ध्यान को आकृष्ट करते हुए कहा कि श्री कृष्ण गौशाला सोसाइटी जयनगर अभी चालू के प्रक्रिया में है, और आपका यदि सहयोग रहा तो शीघ्र गौशाला चालू हो सकेगा। सचिव कल्पना सिंह ने प्रेस को बताया कि पूर्व के एसडीएम सह सोसायटी के अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार के द्वारा गौशाला चालू करने के उद्देश्य से प्रबंधन समिति के सदस्यों का निर्वाचन दिनांक 05/01/2025 को एवं मतगणना दिनांक 06/01/2025 को संपन्न कराया गया जो जयनगर के इतिहास में सुनहरा अक्षरों में लिखा जाएगा ।ज्ञातव्य है कि श्री कृष्ण गौशाला सोसाइटी जयनगर की स्थापना 1922 ई. में हुई है, और निबंधन बिहार राज्य गौशाला एक्ट 1950 के तहत सन 1952 में किया गया था, जिसका निबंधन संख्या 08/08,07,1952 है। अभी वर्तमान में उक्त गौशाला के पास लगभग 15 एकड़ जमीन है, गौशाला के पदेन अध्यक्ष सह अनुमंडल पदाधिकारी जयनगर दीपक कुमार के अध्यक्षता में गौशाला का विकास होगा ऐसा प्रबंधन समिति के सभी सम्मानित सदस्यों नेआशा ही नहीं पूर्ण विश्वास व्यक्त करते हुए मांगों की ओर ध्यान को आकृष्ट कर अवगत कराया गया। गौशाला विकास पदाधिकारी बिहार पटना कार्यालय का पत्रांक 84 गो, वि, दिनांक 08/05/2025 को अवलोकनाथ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु आग्रह , खाता संचालन, सीमांकन, चहार दिवारी निर्माण, ऑडिट, मुख्य द्वार का निर्माण , श्री कृष्ण गौशाला से संबंधित सभी दस्तावेज उपलब्ध कराई जाए और गौशाला की सुरक्षा विधि व्यवस्था और विकास करने समेत अन्य मांगे शामिल है। प्रतिनिधि मंडल में प्रबंधन समिति के उपाध्यक्ष सुनील बैरोलिया, कोषाध्यक्ष दिनेश जहांगीर, विशंभर पूर्व, जय नारायण यादव सूर्यदेव सिंह, अधिवक्ता श्याम किशोर सिंह, पवन सिंह, राम प्रसाद राऊत शामिल थे। विश्व गुरु भारत सेवा संस्थान ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष व प्रबंधन समिति के सदस्य राम प्रसाद राऊत ने कहा कि मांगो पर सहानुभूति पूर्वक विचार करते हुए विकास कार्य करने को ले आश्वासन की बात कही। श्री कृष्ण गौशाला सोसाइटी जयनगर के लिए शुभ संकेत है। प्रबंधन समिति के सभी सम्मानित सदस्य शीघ्र गौशाला चालू और गौशाला का विकास हो उसके लिए संकल्पित है।

खरीफ जनकल्याण किसान चौपाल में दी गई कृषि संबंधी जानकारी

प्रात: किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर प्रखंड के सिंघिया बुजुर्ग उत्तर पंचायत वार्ड संख्या 02 के बच्चा पोखर के चबूतरा पर पंचायत स्तरीय खरीफ जन कल्याण किसान चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अध्यक्षता सरपंच अरविन्द कुमार तथा संचालन प्रखंड कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति के सदस्य मनोज कुमार ने किया। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केन्द्र लादा वैज्ञानिक डॉक्ट इमतियाज ने किसानो को बताया कि मिट्टी जांच कराकर तथा बीजो को उपचार करके श्री विधि के द्वारा बीज बोने से बीज का खपत कम होती है साथ ही उपादन भी अधिक होती है। रोग भी फसल को कम लगता है। आत्मा जिला उप निदेशक गंगेश चौधरी ने किसानो को बीज वितरण के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि जिला के अंदर सभी प्रखंडों में धान तथा ढेंचा का बीज उपलब्ध है। किसान ऑनलाइन आवेदन करके बीज प्राप्त कर सकते हैं। प्रखंड तकनीकी सहायक शशि रंजन कुमार ने बताया कि जिन लोगो को किसी प्रकार का प्रशिक्षण लेना चाहते तो वे प्रखंड कृषि में आकर अपना आवेदन देकर विभाग से संबंधित गाय पालन, मछली पालन, मुर्गी पालन, मसरूम उत्पादन किसी भी तरह का प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। कृषि समन्वयक रतिकांत ने यांत्रिक सम्बंधी जनकारी दिया। वहीं समन्वयक कैलाश ने कहा कि यदि किन्ही किसान को प्रधानमंत्री किसान सम्मान में कोई परेशानी हो तो हमसे सम्पर्क कर समस्या का समाधान करा सकते हैं। कार्यक्रम में सहायक तकनीकी प्रबंधक बिपुल कुमार, किसान सलाहकार अरुण कुमार,वार्ड सदस्य रंजीत कुमार मंडल, रवींद्र कुमार,राम इकबाल सिंह, बौए लाल सिंह, वैधनाथ पासवान, ललिता देवी, रेखा देवी, बैजनाथ सिंह, राम प्रकाश सिंह, सीतो दास आदि किसान उपस्थित थे।

दुष्कर्म पीड़िता के परिजनों से मिला भाकपा का प्रतिनिध मंडल

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने कुढ़नी प्रखंड के दलित परिवार की नाबालिग लड़की की दुष्कर्म के बाद हुई मौत की घटना का जायजा लेने के लिए मृतका के परिजनों से मिलकर संवेदना प्रकट किया तथा इस जघन्य घटना का न्याय दिलाने के लिए पार्टी द्वारा संघर्ष तेज करने का आश्वासन दिया। विदित हो कि पिछले 26 मई को नाबालिग लड़की को दुष्कर्म के बाद चाकू से हमला कर गला और सीना को काटकर बुरी तरह जख़्मी कर दिया गया था। दुष्कर्म पीड़िता का पांच दिनों तक एसकेएमसीएच, मुजफ्फरपुर में इलाज किया गया और बेहतर चिकित्सा के लिए पीएमसीएच, पटना रेफर किया गया। पीड़िता चार घंटे तक पीएमसीएच परिसर में हीं इलाज के अभाव में तड़पती रही और पीएमसीएच प्रशासन बेड खाली नहीं रहने की बात कहकर इलाज शुरू नहीं किया। अंततः दुष्कर्म पीड़िता लड़की इलाज के अभाव में ज़िन्दगी की जंग हार गई। प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर राज्य में आपराधिक घटनाओं में हो रहे अप्रत्याशित वृद्धि तथा चिकित्सा व्यवस्था में लापरवाही पर गंभीर चिंता प्रकट किया है। तथा दुष्कर्मी को फास्ट ट्रैक कोर्ट में स्पीडी ट्रायल चलाकर सजा दिलाने, पीएमसीएच के अधीक्षक पर कार्रवाई करने, राज्य के बदहाल चिकित्सा व्यवस्था के जिम्मेदार स्वास्थ्य मंत्री मंगल पाण्डेय को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने तथा मृतका के परिजनों को पचास लाख रुपए सहायता राशि उपलब्ध कराने की मांग की है। प्रतिनिधिमंडल में पार्टी के राज्य सचिव मंडल सदस्य अजय कुमार सिंह, जिला सचिव रामकिशोर झा, बिहार महिला समाज की संरक्षिका प्रो० भारती सिन्हा, भाकपा के कुढ़नी अंचल सचिव अजित कुमार सहित अन्य लोग शामिल थे।

विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर आयोजित मतदाता जागरूकता साइकिल रैली

विश्व साइकिल दिवस पर मतदाता जागरूकता साइकिल रैली का आयोजन

प्रात: किरण संवाददाता

मधुबनी जिला के जयनगर में विश्व साइकिल दिवस पर मंगलवार को मतदाता जागरूकता अभियान के तहत साइकिल रैली निकाली गई। रैली को प्रखण्ड कार्यालय परिसर से जयनगर के एसडीएम दीपक कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।साइकिल रैली में स्कूली छात्र-छात्राएं ने हिस्सा लिया। जो लोगो को वोटिंग और फिटनेस के प्रति जागरूक बनाने वाली तख्तियो के साथ नगर भ्रमण किया।इस मौके पर एसडीओ दीपक कुमार ने बताया कि रैली का उद्देश्य आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के लिए मतदाताओं को जागरूक करने के साथ ही, स्वास्थ्य के फिटनेस और पर्यावरण के प्रति प्रेम को बढ़ाना था।उन्होने आम जनता खासकर युवाओं को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने का भी आह्वान किया।इस मौके पर प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी पूनम राजीव,अवर निर्वाचन पदाधिकारी प्राची अपूर्वा,हरिहर महरा,अखिलेश कुमार,राज किशोर यादव,विजय कुमार,द मार्गदर्शन एकेडमी के डायरेक्टर राजीव रंजन सहित अन्य मौजूद थे।

प्रात: किरण संवाददाता

मधुबनी विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर आयोजित मतदाता जागरूकता साइकिल रैली को अपर समाहर्ता राजेश कुमार एडीएम आपदा संतोष कुमार,डीपीआरओ परिमल कुमार,उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रशांत शेखर,उत्पाद अधीक्षक सहित वरीय अधिकारियों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।साइकिल रैली वॉटसन +2 उच्च विद्यालय, मधुबनी से प्रारंभ होकर थाना मोड़, मधुबनी होते हुए स्टेशन, गाँधी मूर्ती एवं वापस बाटा चौक होते हुए वाट्शन +2 उच्च विद्यालय परिसर में समाप्त हुई।इस अवसर पर एनसीसी के कैडेट,स्कूली बच्चे,शिक्षक,आम नागरिक आदि उपस्थित थे।यह रैली मधुबनी जिले में 3 से 5 जून तक आयोजित तीन दिवसीय विशेष कार्यक्रमों की शुरूआत है, जिसमें पर्यावरण और लोकतंत्र दोनों के प्रति जागरूकता का संदेश दिया जा रहा है। इस अवसर पर युवा और महिला मतदाताओं की भागीदारी, मतदाता पंजीकरण, और निर्वाचन साक्षरता क्लब से जुड़ी गतिविधियां संपूर्ण जिले में आयोजित की जाएंगी।

सात निश्चय योजना में मुजफ्फरपुर को मिला राज्य में 5 वां स्थान

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर।राज्य सरकार की 7निश्चय एवं 7निश्चय-2 में मुजफ्फरपुर जिला का पूरे स्टेट की रैंकिंग में पांचवां स्थान प्राप्त हुआ है। उल्लेखनीय है कि सात निश्चय योजना सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है जिसके द्वारा विशेषकर गांवों की तस्वीर बदलने तथा सर्वांगीण विकास की रूपरेखा तैयार की गई है।विदित हो कि सात निश्चय एवं सात निश्चय 2 की चिन्हित योजनाओं के निर्धारित सूचकांकों एवं प्राप्तांकों के आलोक में सभी जिलों की मासिक उपलब्धि के आधार पर अप्रैल माह के जिलों की रैंकिंग बिहार विकास मिशन द्वारा राज्य स्तर पर निर्धारित की गई है।इसके तहत बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना, मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना, कुशल युवा कार्यक्रम, हर खेत तक सिंचाई का पानी, हर घर नल का जल, सभी गांव में सोलर स्ट्रीट लाइट, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन- ग्रामीण,ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन- शहरी शामिल है।हर सूचकांक में प्रगति लाने हेतु जिला पदाधिकारी द्वारा नियमित रूप से संबंधित विभाग के अधिकारियों के साथ लगातार समीक्षा बैठक की गई तथा स्थलीय विजिट कर योजनाओं का निरीक्षण किया गया जिसके फलस्वरूप विकास के विभिन्न सूचकांकों में उल्लेखनीय प्रगति आई है। इसके परिणामस्वरूप सात निश्चय योजना में मुजफ्फरपुर जिला का राज्य स्तर पर अप्रैल माह की रैंकिंग में पांचवा स्थान प्राप्त हुआ है। जिलाधिकारी ने संबंधित विभाग के अधिकारियों एवं कर्मियों को सक्रिय एवं तत्पर होकर कार्य करने तथा नंबर वन स्थान प्राप्त करने हेतु प्रेरित किया है ताकि जिला का सर्वांगीण विकास हो तथा जिला का सम्मान एवं गौरव राज्य स्तर पर स्थापित हो।

11 जून को जनाक्रोश मार्च होगा आयोजित मार्च में शामिल होंगे महागठबंधन के कई नेता : भाकपा-माले

प्रात: किरण संवाददाता

मधुबनी जयनगर भाकपा माले जयनगर प्रखंड कमिटी कि विस्तारित बैठक जयनगर बस्ती राजपूताना टोला में प्रखंड सचिव भूषण सिंह के अध्यक्षता में आयोजित किया गया जो देर संध्या में समाप्त किया गया । बैठक में उपस्थित साथियों ने वर्षो से चल रहे विगत आंदोलन कि समिक्षा के साथ साथ जयनगर थाना झूठा कांड संख्या 89 /2025 के पुलिस उपाधीक्षक जयनगर के द्वारा मनगढंत व गलत पर्यवेक्षण करने का निन्दा करते हुए चरणबद्ध आंदोलन चलाने की निर्णय लिया गया।बैठक को संबोधित करते हुए प्रखंड सचिव भूषण सिंह ने कहा कि भाकपा-माले के नेतृत्व में आम लोगों के बुनियादी समस्याओं को लेकर जयनगर - कोरहिया कमला तटबंधों के किनारे बसे सैकड़ों भूमिहीन विस्थापित परिवारों को बसेरा योजना-2 के तहत भूमि मुहैया कराने महादलित पचार्धारी परिवारों को दखल कब्जा दिलाने ग्रामीण क्षेत्रों के बंद सभी उप स्वास्थ्य केंद्रों तथा हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर को नियमित चालू कराने व अनुमंडल अस्पताल जयनगर में रोस्टर के मुताबिक डाक्टरों की उपस्थिति कराने अवैध नर्सिंग होम पर कार्रवाई करने गरीबों को 72 हजार से निचे का आय प्रमाण-पत्र बनाने महिला समुहों कि कर्ज माफ करने सहित अन्य मांगों को लगातार आंदोलन चलाने के बावजूद समस्या समाधान नहीं हुआ है जो निंदनीय है तो दुसरी ओर जयनगर थाना के चर्चित झूठा कांड संख्या 89 का पुलिस उपाधीक्षक जयनगर ऊढ के द्वारा मनगढंत व गलत पर्यवेक्षण कर पुलिसिया न्यायिक व्यवस्था को शर्मशार किए है। कांड संख्या 89 /2025 को उच्चस्तरीय जांच कराने कि मांग को लेकर 11 जून को जनाक्रोश मार्च निकाला जाएगा जिसमें महागठबंधन के कई नेताओं को आमंत्रित किया जाएगा और 23 जून को उपरोक्त मांगे को लेकर जन मुद्दो और जनांदोलन का समागम प्रखंड अंचल कार्यालय जयनगर के समक्ष अनिश्चितकालीन दिन-रात का महाजुटान आयोजित करने का आह्वान किए । उक्त आंदोलन के तैयारी हेतु ग्रामीण बैठक नुक्कड़ सभा प्रचार प्रसार करने कि बात कहे। बैठक में मुख्य तौर पर तस्लीम रशीद अंसारी महेश्वर पासवान रजनीश कुमार फूलो देवी नजाम जितेंद्र कुमार उमेद सीताराम राम हसनैन राधा देवी राजन कंजर हदिशा खातुन सहित अन्य साथियों ने संबोधित किया ।

कार्यकर्ता संगठन का रीढ़ होता हैं : डॉ अशोक यादव

प्रात: किरण संवाददाता

दरभंगा।कर्जापट्टी पंचायत के ग्राम बिरने(लाधा) प्राथमिक विद्यालय बिरने के प्रांगण में भाजपा कार्यसमिति की बैठक आयोजित कि गई । बैठक में संगठन को मजबूत एवं आगामी विधानसभा चुनाव जीतने की रणनीति पर बात की गई । बैठक की अध्यक्षता केवटी पश्चिमी 2 के मंडल अध्यक्ष पवन कुमार निराला ने किया । मौके पर संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि के रूप में मधुबनी के सांसद डॉ अशोक कुमार यादव ने कार्यकर्ता संगठन का रीढ़ होता हैं,सभी को मिलकर बूथ स्तर तक पार्टी को मजबूत करना होगा । कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्थानीय विधायक डॉ मुरारी मोहन झा कहा कि संगठन को मजबूत करने के लिए कार्यकताओं को लगातार सक्रिय रहना होगा । हर कार्यकर्ता को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी और समर्पण भाव से काम करना होगा । आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए हर एक बूथ अध्यक्ष को बूथ सशक्तिकरण पर विशेष जोर देना होगा । बूथ स्तर पर बैठक कर आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति तय की जाएगी एवं केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी प्रचार प्रसार करना होगा । इस अवसर पर केन्द्र की नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा आतंकवाद के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर बूथ संख्या 154 से तिरंगा यात्रा भी निकाली गई । यात्रा बिरने लाधा से शुरू हुई इसमें भाजपा कार्यकताओं और स्थानीय लोगों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया और केन्द्र की मोदी सरकार एवं भारतीय सेना को बधाई दी गई । कार्यक्रम समाप्ति के बाद दरभंगा नगर निगम के उप महापौर नाजिया हसन के द्वारा दिए गए बीजेपी और आरएसएस पर अमर्यादित भाषा को लेकर पुतला दहन कर आक्रोश व्यक्त की गई और उन्हें जेल भेजने की मांग की । इस अवसर पर मुख्य रूप से वरीय भाजपा नेता डॉ विनोद सिंह,ललित यादव,उमेश पासवान, रामनरेश यादव,श्रवण कुमार मिश्र,अशोक कुमार,विक्की मंडल,अजीत कुमार,कालिकांत,नवल यादव,विनय यादव,बबलू पांडे,महिला मोर्चा अध्यक्ष आशा कुमारी,विनोदानंद झा एवं अन्य लोग उपस्थित रहे ।

बरियारपुर प्रखंड के पड़िया पंचायत मे विकशित कृषि प्रबंधन सह कृषि जन चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया

प्रात: किरण संवाददाता

बरियारपुर(मुंगेर)। बरियारपुर प्रखंड के पडिया पंचायत में विकसित कृषि सम प्रबंधन सह कृषि जन चौपाल कार्यक्रम कन्या प्राथमिक विद्यालय कुमारपुर के भवन परिसर में आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्षता ऐ टी एम नासरा कैयुम ने किया।इस अबसर पर कृषक गीता देवी ने कृषि बिज्ञानिक डा बिनोद कुमार को बतायी हमारी खेती दियारा इलाके मे पड़ती है जहाँ अच्छी नश्ल के बीज नही प्राप्त हो रही है।हम खेती ससमय बॉग करते है परन्तु गंगा नदीके बाढ हो जाने से फसल बर्बाद हो जाती है या मवेशियों के चाड़ा बन कर रह जाती है।हम कृषको को बीज भी हाथ नही आने से हतोत्साह होकर रहना पड़ जाती है।इस पर कृषि बिज्ञानिक डा बिनोद कुमार ने कहा आपकी खेती से अधिक लाभ लेने के लिए आपको मक्का इस अबसर पर उपस्थित ओर गेहूं के खेती न करके आप मशालें की खेती कर अधिक से अधिक पैदावार कर अपनी आय को दुगने से चार गुनी बढा सकते हैं।इस अबसर पर कृषि बिज्ञानिक बिसुनदेव,सहायक कृषि निर्देशक गुड्डू कुमार सिह किसान सलाहकार राजेश कुमार, अमरजीत उपस्थित रहे।

नीमा से गंडौल तक पश्चिम कोशी तटबंध पर होगा सड़क का चौड़ीकरण : सांसद

प्रात: किरण संवाददाता

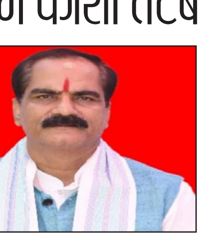

दरभंगा।कोशी क्षेत्र के अब दिन बहुरेंगे तथा सदियों से बाढ़ प्राभावित लोगों को बेहतर आवागमन की सुविधा उपलब्ध होगी जिसके लिए एनडीए सरकार के द्वारा पहल तेज कर दी गई है।मधुबनी दरभंगा तथा सहरसा तक तीन जिलों को जोड़नेवाली भारतमाला परियोजना के तहत उच्चैठ भगवती स्थान से सहरसा उग्रतारा महिषी तक सड़क के भेजा से एसएच 17 बिरौल सहरसा को जोड़ने वाली सड़क में कीरतपुर प्रखंड के नीमा से गंडौल तक 25 किलोमीटर की लंबाई में तीन सौ एक करोड़ रुपए की लागत से पश्चिमी कोशी तटबंध पर बने सड़क का चौड़ीकरण ऊंचीकरण तथा सुदृढ़ीकरण किया जाएगा जिससे तीनों जिलों के बीच आवागमन की बेहतर कनेक्टिविटी मजबूत होगी तथा आनेवाले समय में कोशी जैसे विध्वंशकारी नदी से आनेवाले बाढ़ की समस्या का भी स्थाई रूप से निदान संभव होगा। स्थानीय सांसद डा गोपाल जी ठाकुर ने संसदीय कार्यालय पर आए भाजपा नेताओं तथा बुद्धिजीवियों के बीच एनडीए सरकार के द्वारा पश्चिमी कोशी तटबंध पर सड़क के लिए शुरू किए गए पहल की जानकारी देते हुए उपरोक्त बातें कही। सांसद डा ठाकुर पश्चिमी कोशी तटबंध पर बनने वाले सड़क की महत्ता को रेखांकित करते हुए कहा कि विगत वर्ष 2024 के अक्टूबर माह के अंतिम सप्ताह में आए प्रलयनकारी बाढ़ से पश्चिमी कोशी तटबंध कीरतपुर के भुभौल के पास टूट गया था जिसके कारण लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा था जबकि वे 22 अक्टूबर 2024 को केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सीआर पाटिल से भेंट कर इस संबंध में पहल करने का आग्रह किया था। जिसके जवाब में 20 जनवरी 2025 को इसकी सभी औपचारिकताओं को पूरा कर लिए जाने की सूचना दी गई थी।

निर्विरोध निर्वाचित प्रखंड अध्यक्ष को माला पहनाते राजद नेता

प्रात: किरण संवाददाता

संग्रामपुर (मुंगेर) । संग्रामपुर प्रखंड स्थित अशोक यादव के आवास पर राजद प्रखंड अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर राजद कार्यकताओं की बैठक आयोजित की गयी। जिसमें चुनाव निर्वाचन पदाधिकारी रफी उज्जमा उर्फ भोलू व सहायक निर्वाचन पदाधिकारी हिमांशू पटेल की उपस्थिति में प्रखंड अध्यक्ष पद के चुनाव का प्रस्ताव रखा गया।बैठक में मौजूद कार्यकताओं ने सर्वसम्मति से पूर्व प्रखंड अध्यक्ष मुकेश कुमार दास को दुसरी बार निर्विरोध प्रखंड अध्यक्ष के पद पर चुना। निर्विरोध चुने गये प्रखंड अध्यक्ष का कार्यकताओं ने माला पहनाकर स्वागत किया तथा अबीर गुलाल लगाकर जश्न मनाया।निर्वाचन पदाधिकारी रफी उज्जमा उर्फ भोलू ने घोषणा करते हुए कहा कि पूर्व प्रखंड अध्यक्ष मुकेश कुमार दास के दल के प्रति समर्पण भाव को देखते हुए कार्यकताओं ने उन्हें दुसरी बार भी मौका दिया है। राजद नेता सुनील सिंह ने कहा कि मुकेश कुमार दास राजद के समर्पित कार्यकर्त्ता हैं, जबकि प्रखंड अध्यक्ष ने कहा कि कार्यकताओं का स्नेह और प्यार मुझे फिर से मिला है, मैं सभी के आशा व विश्वास पर खड़ा उतरने का प्रयास करूंगा।

संक्षिप्त खबरें

पीएचडी कोर्स वर्क में नामांकन की तिथि 15 जून तक

मधेपुरा भूपेंद्र नारायण मंडल विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ. शंकर कुमार मिश्रा ने बताया कि पीएचडी कोर्स वर्क-2022 और 2023 की बची हुई सीटों पर नामांकन की तिथि बढ़ा दी गई है, अब नामांकन 15 जून तक किया जा सकता है। यूएमआइएस में नामांकन की पुष्टि के लिए सूची जमा करने की अंतिम तिथि 16 जून तय की गई है वर्ग की शुरूआत 21 जून से होगी।

प्रखंड राजद अध्यक्ष ने पार्टी के प्राथमिक सदस्यता से दिया इस्तीफा

पुरैनी (मधेपुरा) पुरैनी प्रखंड में बीते दिनों राजद के सांगठनिक चुनाव के दौरान बिना क्रियाशील एवं सक्रिय कार्यकताओं सहित नेताओं के परामर्श तथा मनमाने तरीके से दूसरे पार्टी के पदधारी नेता शिवधन शर्मा को प्रखंड राजद अध्यक्ष पद पर चुन लिया गया। जिससे प्रखंड क्षेत्र के कार्यकर्ताओं में जहां काफी आक्रोश व्याप्त है। वहीं उक्त प्रक्रिया से आहत होकर निवर्तमान प्रखंड अध्यक्ष कपिल देव सिंह निषाद ने पार्टी के प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। लिहाजा प्रखंड क्षेत्र के राजद कार्यकर्ताओं के बीच राजनीतिक सरगर्मी काफी तेज हो गई है। इस बाबत निवर्तमान प्रखंड अध्यक्ष कपिल देव सिंह निषाद ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि वर्तमान समय में राजद बिचौलियों की पार्टी बनकर रह गई है। यहां सक्रिय कार्यकर्ताओं को सम्मान मिलने की बात तो दूर उसे पूछने वाला भी कोई नहीं है। पार्टी का झंडा लेकर दूसरे दलों की गुणगान करने वाले बिचौलिए सरीखे कार्यकर्ता एवं नेताओं को पार्टी में जगह मिलने लगी है। यही वजह है कि यहां पार्टी से जुड़े क्रियाशील एवं सक्रिय कार्यकर्ताओं की अनदेखी कर बिना उसके सहमति से चंद बिचौलिए सरीखे नेताओं द्वारा अपने स्वार्थ सिद्धि के लिए जनसुराज पार्टी में महासचिव पद पर आसीन नेता को अचानक राजद का प्रखंड अध्यक्ष बना दिया गया। जो गैर लोकतांत्रिक ही नहीं बल्कि पार्टी के साथ विश्वास घात भी है।

जागरूकता अभियान के तहत जनजातीय टोलों में विशेष विकास शिविर का आयोजन 15 से 30 जून तक : डीएम

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा जागरूकता अभियान के तहत जनजातीय टोलों में विशेष विकास शिविर का होगा आयोजन। जिले में प्रधानमंत्री जन-मन योजना एवं धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान 15 जून से 30 जून 2025 तक आयोजित होगा। जिलाधिकारी तरनजोत सिंह ने जानकारी दी है कि भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा पी भी टी जी एस एवं जनजातीय टोलों में निवास करने वाले लोगों को प्रधानमंत्री जन-मन एवं प्रधानमंत्री धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत विशेष विकास शिविर का आयोजन कर सरकार की महत्वपूर्ण योजनाएं यथा- आयुश्मान कार्ड, आधार कार्ड, राशन कार्ड, प्रधानमंत्री किसान सम्मान कार्ड, प्रधानमंत्री उज्जवला गैस कनेक्शन, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, मनरेगा, मुद्रा लोन आदि सेवाओं से वंचित लोगों को शत प्रतिशत लाभ प्रदान करते हुए अच्छादित किया जाएगा।।मधेपुरा जिले में इस अभियान के सफल संचालन और आम लोगों के बीच जागरूकता को लेकर 15 जून से 30 जून 2025 तक विशेष अभियान चलाया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य आदिम जनजाति एवं अन्य जनजातीय क्षेत्रों में अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाना है ताकि जनजातीय समुदाय की समाजिक आर्थिक स्थिति में सुधार हो और केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार की विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिया जा सके, इसके लिए विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों को समन्व्य, जनसहभागिता के साथ कार्य करने का निदेश दिया गया है। सभी पंचायत स्तर के सभी कर्मियों को व्यापक प्रचार-प्रसार करने का निदेश दिया गया।

पहली बार मतदाता जागरूकता के लिए निकली स्वीप कोषांग के व्यवस्था में साइकिल रैली

प्रात किरण संवाददाता

सहरसा में लोकतंत्र को मजबूती देने की दिशा में एक नई पहल की गई है। स्वीप कोषांग के तत्वावधान में पहली बार साइकिल रैली का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य था—हर वोट जरूरी है, हर मतदाता जरूरी है। यह रैली जिलाधिकारी कार्यालय गेट से शुरू होकर शहर के प्रमुख चौक-चौराहों से गुजरते हुए वापस कार्यालय गेट पर समाप्त हुई। पूरे आयोजन में युवाओं, छात्रों और जागरूक नागरिकों की भारी भागीदारी रही। डीडीसी ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया, जबकि कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने के लिए मुख्य अतिथि के रूप में सुप्रसिद्ध गायक जय झा उपस्थित रहे। उनकी मौजूदगी ने लोगों में उत्साह और ऊर्जा का संचार किया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने शपथ ली कि वे स्वयं मतदान करेंगे और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे – ह्लकोई वोट देने से वंचित न रहे ह्व विकास आयुक्त श्री निराला ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा, ह्लऐसे कार्यक्रम न केवल जागरूकता बढ़ाते हैं, बल्कि लोकतंत्र को भी सशक्त बनाते हैं। यह एक शुरूआत है, जो आगे भी जारी रहेगी ह्व आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर मतदाता जागरूकता का यह अभियान सहरसा में नई ऊर्जा और संकल्प के साथ आरंभ हो चुका है।

दारोगा द्वारा महिला से छेड़खानी, मामले में कोर्ट ने माँगी एसएसपी से रिपोर्ट

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर ।जिले में बीते दिनों अहियापुर थाना में पदस्थापित दरोगा विपिन रंजन द्वारा अपने ही क्षेत्र की एक महिला से छेड़खानी किए जाने का मामला अब कोर्ट पहुँच गया है। मामले में सुनवाई के दौरान गंभीर रुख अपनाते हुए न्यायालय द्वारा एसएसपी मुजफ्फरपुर से रिपोर्ट की माँग की गई है। दरअसल मामला यह है कि अहियापुर थाना क्षेत्र के मुरादपुर दुल्लाह गाँव की एक महिला द्वारा दरोगा विपिन रंजन पर उसके साथ छेड़खानी व मारपीट करने के गंभीर आरोप लगाये गये। पीड़िता ने बताया कि दरोगा विपिन रंजन अक्सर उनके घर में घुसकर उनकी ईज्जत लूटने का प्रयास करते है, लेकिन डर और लोक-लज्जा के कारण वह आजतक किसी से कुछ नहीं बोल पायी। पीड़िता ने बताया कि दरोगा विपिन रंजन द्वारा उसे बार-बार अपने घर आने के लिए दबाव दिया जाता है।

गत 19 मई की रात डेढ़ बजे जब दरोगा फिर उसके घर पहुँच कर मनमानी करने लगे, तब महिला ने विरोध किया, तो दरोगा द्वारा उसके साथ मार-पीट की गई और पिस्तौल के दम पर उसकी साड़ी खिंचकर ईज्जत लूटने का प्रयास भी किया गया। पीड़िता ने बताया कि जख़्मी हालत में ही वह वहाँ से भागी और एसकेएमसीएच जाकर अपना ईलाज करायी, जब वह लौटकर अपने घर आई तो देखी कि उसके बिस्तर पर तकिये के नीचे रखे 20 हजार रुपये भी गायब है। पीड़िता ने कहा कि दरोगा विपिन रंजन द्वारा उसे शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई है। थक-हारकर महिला ने न्यायालय की शरण ली। महिला द्वारा मानवाधिकार अधिवक्ता एस.के.झा के माध्यम से दिनांक 24 मई को न्यायालय के समक्ष परिवाद दर्ज कराया गया, जिसपर सुनवाई करते हुए न्यायालय द्वारा एसएसपी मुजफ्फरपुर से रिपोर्ट की माँग की गई है। मामले के सम्बन्ध में मानवाधिकार अधिवक्ता एस. के.झा ने कहा कि यह रक्षक के भक्षक बनने का तथा मानवाधिकार उल्लंघन के अतिगंभीर कोटि का मामला है। पुलिस, जिसपर लोगों की सुरक्षा की जबावदेही है, वही ऐसी घिनौनी हरकत करें, तो लोगों का तो पुलिस-प्रशासन पर से भरोसा ही उठ जायेगा। ऐसे में लोग फरियाद लेकर कहाँ जाये, यह भी एक यक्ष प्रश्न है। विदित हो मामले में अगली सुनवाई 28 जून को होगी।

नशीली दवाओं के बाद युवाओं को होती है मीठी चाय एवं सिगरेट की तलब

प्रात किरण संवाददाता

सहरसा शराबबंदी कानून लागू होने के बाद नशे के विकल्प के रूप में युवाओं में नशीली दवाओं का चलन बढ़ता जा रहा है। खासकर खांसी की सिरप और अन्य नशीली दवाएं अब शहर से ई लेकर गांवों तक की चाय दुकानों 5 पर आसानी से उपलब्ध हैं। इन दुकानों ने अब नशेड़ियों के अड्डों का रूप ले लिया है। जानकारी के अनुसार, नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत अनेक चाय दुकानों पर नियमित रूप से नशे की लत के शिकार युवा देखे जा सकते हैं। नशे का सेवन करने वाले युवाओं का कहना है कि जैसे ही वे नशीली सिरप या टैबलेट लेते हैं, उन्हें तुरंत मीठी गरम चाय की तीव्र इच्छा होती एवं सिगरेट पीने की प्रवल इच्छा होती है। यही कारण है कि चाय दुकानों पर इन युवाओं की भीड़ लगी रहती है। स्थानीय पुलिस के अनुसार, जब्त की गई नशीली दवाएं आमतौर पर प्रतिबंधित श्रेणी में नहीं आतीं, जिससे इनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई में बाधा आती है। पुलिस का कहना है कि ये दवाएं मेडिकल दुकानों से तो खरीदी जाती हैं, परंतु उनका उपयोग नशे के रूप में होता है। कुछ मामलों में इन दवाओं की तस्करी शहर से गांवों तक होती है। युवा वर्ग इन्हें आसानी से प्राप्त कर नशे की लत का शिकार हो रहे हैं। पुलिस प्रशासन का कहना है कि समय-समय पर छापेमारी की जाती है, लेकिन जब तक जन जागरूकता नहीं बढ़ेगी, इस प्रवृत्ति पर अंकुश लगाना कठिन होगा। डॉक्टरों ने पूछने पर बताया कि लगातार नशे की लत से युवाओं की मानसिक और शारीरिक सेहत पर गंभीर असर पड़ रहा है। यदि समय रहते इस पर नियंत्रण नहीं पाया गया, तो आने वाले समय में एक बड़ी युवा आबादी स्वास्थ्य संकट में फँस सकती है।

सौरबाजार में दर्दनाक हादसा: कार की टक्कर से बुजुर्ग महिला की मौत, पति लापता, पुलिस ने शुरू की तलाश

सहरसा। सौरबाजार थाना क्षेत्र के हनुमान नगर चकला चौक के समीप एक दर्दनाक सड़क हादसे में बुजुर्ग दंपति को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। हादसे में महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके पति का शव अभी तक लापता है। यह हादसा इलाके में सनसनी का कारण बन गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बुजुर्ग दंपति सड़क किनारे खड़े थे, तभी तेज गति से आ रही एक कार ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके पति घटनास्थल से रहस्यमयी तरीके से लापता हो गए। घटनास्थल पर पहुंचकर सदर एस डी पी ओ आलोक कुमार, ट्रैफिक डीएसपी, सोनबरसा राज थानाध्यक्ष अभिनाश कुमार, सौरबाजार थानाध्यक्ष अजय पासवान ने स्थिति को नियंत्रण में लिया और शव को फिलहाल परिजन को सौंप दिया।

उदाकिशुनगंज पुलिस ने किया भारी मात्रा में प्रतिबंधित कप सिरप बरामद, एक महिला गिरफ्तार

● थाना क्षेत्र के भवानंदपुर, वार्ड संख्या 3 के गोविंद साह के घर से किया गया 1468 बोतल कप सिरप बरामद

प्रात : किरण संवाददाता

नयानगर (मधेपुरा) रविवार की संध्या उदाकिशुनगंज पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर गोविंद साह के घर से प्रतिबंधित कप सिरप के 1468 बोतल बरामद किया। मामले की जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष विनोद कुमार सिंह ने बताया कि रविवार की देर संध्या गुप्त सूचना मिली कि गोपालपुर पंचायत के भावानंदपुर गांव के वार्ड संख्या 3 के पवन साह के पुत्र गोविंद साह के घर पर भारी मात्रा में प्रतिबंधित कप सिरप का खेप पहुंचा है। गुप्त सुचना के आधार पर थानाध्यक्ष बिनोद कुमार सिंह ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक टीम गठित कर पुअनि जितेंद्र ठाकुर के नेतृत्व में पुअनि राजेश चौधरी, पीएसआई गौरव कुमार एवं अंशु कुमारी समेत पुलिस बल को शामिल किया। पुलिस एक्शन में आकर सूचक के निशानदेही पर गोपालपुर पंचायत के भवानंदपुर गांव पहुंचकर गोविंद साह के घर पर छापेमारी अभियान चलाया। जिसमें घर के लोग इधर-उधर भागने लगे। तब पुलिस ने गोविन्द साह की पत्नी रीता देवी को अपने कब्जे में लेकर घर की तालाशी करना शुरू किया। जिसमें घर के पीछे दिवाल से सटे चार प्लास्टिक की बोड़ी और कार्टून दिखाई दिया। पुलिस ने जब सभी बोड़ी और कार्टून को खोलकर देखा तो पाया कि प्रतिबंधित कप सिरप के छोटे-छोटे बोतल भारी मात्रा था। जिसे गिनती करने पर 100 एमएल के कुल 1468 बोतल पाया गया। पुलिस ने सभी प्रतिबंधित कप सिरप के बोतल को जब्त कर एक महिला तस्कर रीता देवी को गिरफ्तार कर थाना लाया। जहां पुछताछ के क्रम में गिरफ्तार महिला ने पुलिस के समक्ष बताई कि यह प्रतिबंधित कप सिरप करौती गांव के विद्यानंद यादव के पुत्र सोनू कुमार के द्वारा सप्लाय की बात कही है। उन्होंने यह भी कही हमलोग चोरी - छिपे बेचते हैं। पुलिस ने गिरफ्तार रीता देवी के बयान पर तीन लोगों को आरोपित करते हुए केस दर्ज कर लिया है। वहीं गिरफ्तार महिला तस्कर रीता देवी को सोमवार को न्यायिक हिरासत भेजा गया।

बिहार कबड्डी टीम में सहरसा की दो बेटियों का हुआ चयन, खेलप्रेमी हर्षित

राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए बिहार टीम की हुई घोषणा

प्रात किरण संवाददाता

सहरसा बिहार कबड्डी टीम में सहरसा की दो बेटियों के चयन पर खेलप्रेमी हर्षित है। बिहार कबड्डी टीम घोषित के बाद जिला कबड्डी संघ सचिव सह निगम पार्षद 31 आशिष रंजन सिंह ने जानकारी देते हुए कहा आगामी 5 से 8 जून तक आंध्रप्रदेश के मछलीपत्तनम् के मंगिनापुडी बीच पर आयोजित होने वाली 12वीं बीच नेशनल कबड्डी चैंपियनशिप के लिए महिला व पुरुष बिहार टीम की घोषणा कर दी है। पुरुष टीम की कमान मुंगेर के शांतनु सिंह जबकि महिला टीम की कमान कटिहार की नंदनी कुमारी को सौंपी गई है। बिहार राज्य कबड्डी संघ के चेयरमैन कुमार विजय सिंह, सीईओ अवधेश कुमार सिंह, सहरसा जिला कबड्डी संघ अध्यक्ष अमित कुमार, उपाध्यक्ष डॉ. आर के रवि, पंकज गुप्ता, संयुक्त सचिव तुषार कात्यायन, पूजा कुमारी, संरक्षक सुनील झा समेत संघ के पदाधिकारियों ने टीम को जीत की शुभकामनाएं दी है। महिला वर्ग से नंदनी सिंह (कप्तान, कटिहार), रिंशी कुमारी (बेगूसराय), प्रिया कुमारी (भोजपुर), पूर्णिमा प्रियदर्शनी (वैशाली), आंचल कुमारी (सहरसा), नुजहत बानो (सहरसा) कोच-सुनील कुमार, मैनेजर-अमिता सिंह शामिल है।

कोशी शिक्षा गौरव मंडन मिश्र के नाम पर सहरसा में बने केंद्रीय विश्वविद्यालय : प्रवीण आनंद

प्रात किरण संवाददाता

सहरसा कोशी क्षेत्र में उच्च शिक्षा की दयनीय स्थिति और पिछड़े, गरीब, ग्रामीण छात्रों के भारी पलायन को देखते हुए, कोशी विकास संघर्ष मोर्चा ने भारत सरकार से मांग की है कि सहरसा जिले में पंडित मंडन मिश्र केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना की जाए। संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष विनोद कुमार झा और संरक्षक एवं पूर्व जिला पार्षद प्रवीण आनंद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र प्रेषित कर यह आग्रह किया है कि सहरसा, सुपौल और मधेपुरा जिलों को शिक्षा के नक्शे पर सम्मान दिलाने हेतु एक केंद्रीय विश्वविद्यालय की घोषणा की जाए, जिसका नाम महान दार्शनिक और संस्कृत के प्रकांड विद्वान आचार्य पंडित मंडन मिश्र के नाम पर हो। उन्होंने कहा कि पंडित मंडन मिश्र जी की विद्वत्ता और शंकराचार्य जी के साथ उनके ऐतिहासिक शास्त्रार्थ की प्रसिद्धि कोशी और मिथिला की सांस्कृतिक पहचान का गौरव है। विश्वविद्यालय का नामकरण उनके नाम पर होना, भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा को सम्मान देने जैसा होगा।प्रवीण आनंद ने यह भी कहा कि कोशी क्षेत्र के हजारों छात्र आज भी उच्च शिक्षा के लिए दिल्ली, पटना, कोलकाता जैसे शहरों की ओर पलायन करते हैं। यह पलायन आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, पिछड़े समाज और ग्रामीण परिवारों पर दोहरा बोझ डालता है। उन्होंने सुझाव दिया कि सहरसा स्थित पंडित मंडन मिश्र कृषि महाविद्यालय, अगवानपुर को आधार बनाकर इस विश्वविद्यालय की स्थापना की जाए। यह न केवल प्रशासनिक दृष्टि से सहज है, बल्कि पहले से उपलब्ध संरचना के कारण इसमें शीघ्रता भी संभव है। कोशी विकास संघर्ष मोर्चा ने प्रधानमंत्री जी से अपील की है कि वे इस ऐतिहासिक मांग पर संवेदनशीलता से विचार कर कोशी को एक बड़ी शैक्षणिक सौगात दें।

सुढ़ी जाति संगठित होगा तो सीएम भी हमारा होगा और पीएम भी हमारा होगा : ज्योति

सूढ़ी समाज को अपना अधिकार पाने के लिए शक्ति दिखानी होगी: प्रमंडलीय संयोजक अनिल वैध

● समाजिक और राजनीतिक स्तर पर मजबूती के बिना समाज आगे नही बढ़ सकता : जिला संयोजक

प्रात : किरण/अभय आर्या

मुंगेर/ असरगंज ।संग्रामपुर प्रखंड क्षेत्र के ददरीजाला गांव में अखिल भारतीय सूढ़ी (वैश्य) महासम्मेलन की सफलता को लेकर राजेश साह की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गयी ।बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश महिला सेल सह संयोजक ज्योति वैध ने कही कि सूढ़ी समाज के लोग यदि एकजूट नही रहेगे तो अपने अधिकार से वंचित रहेगे । संगठन में बल है। अगर हमलोग आपस में संगठित होगे तो सीएम भी हमारा होगा और पीएम भी ।

उन्होने कहा कि बिना लड़ाई लड़े कुछ नही मिलता । आजादी भी हमें लड़ाई लड़कर ही मिली थी । हमें अपने अधिकार व हक के लिए व्यापक संघर्ष करना होगा ।जिसके बाद सरकार सूढ़ी समाज को अतिपिछड़ा वर्ग में शामिल करेगी और राजनीतिक हिस्सेदारी भी मिलेगी । वहीं प्रमंडलीय वैश्य संगठन के संयोजक अनिल वैध ने कहा कि बिहार बंटवारा के बाद समाज का भी बंटवारा हो गया ।जहां झारखंड में सूढ़ी समाज अतिपिछड़ा है , वहीं बिहार में पिछड़ा बना दिया गया । वर्तमान परिवेश में हमें अतिपिछड़ा वर्ग में शामिल होने के लिए हमें एकजुट होना होगा ।उन्होने आगे कहा कि सूढ़ी समाज पर कोई पक्ष ने ध्यान नही दिया । मगर अब सूढ़ी समाज को अपना अधिकार पाने के लिए लड़ाई लड़ना होगा । जबकि जिला संयोजक प्रो0 दिलीप कुमार रंजन ने कहा कि समाजिक और राजनीतिक स्तर पर मजबूती के बिना समाज आगे नही बढ़ सकता । सरकार अगर समय समय पर सूढ़ी समाज पर ध्यान देते तो हमारी भी सिथति बेहतर होती ।अबजब समय की मांग है सरकार हमें अतिपिछड़ा वर्ग में शामिल करे। उन्होने अगामी 08 जून को पटना के बापू सभागार में होने वांले सूढ़ी माहासम्मेलन में भारी संख्या में उपसिथत होकर इसे एतेहासिक बनाने का एलान किया । इस अवसर पर सरयुग साह, बालेश्वर साह , धर्मवीर भारती, मनीष कुमार साह शशिकांत कुमार ,रंजीत कुमार ,पप्पू साह ,विक्रम कुमार साह मुकेश कुमार साह, अविनाश साह, विपिन कुमार, बबलू साह, मिथुन साह, मणिकांता, राकेश कुमार, संजय कुमार, रामवतार साह, सुमन साह, सरवन कुमार साह, अशोक कुमार साह, अजय कुमार, कैलाश साह ,आशीष कुमार साह, महेश मंडल ,राजीव कुमार रंजन उपसिथत थे।

एसपी अजय कुमार ने बकरीद को लेकर थाना अध्यक्षों को दिया सख्त निर्देश,कहा,उपद्रवियों व शरारतीतत्वों की खैर नहीं

प्रात किरण संवाददाता

लखीसराय ! हजरत इब्राहिम की याद में मनाये जाने वाला कुबार्नी का प्रतिक बकरीद 7 जून को पूरे देश दुनिया में धूमधाम से मनाया जाएगा !इसे लेकर लखीसराय पुलिस प्रशासन भी अलर्ट व एक्टिव मोड में है !बकरीद का त्योहार शांति व सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने को लेकर जिले के सभी थानों में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई जा रही है !जिले के एसपी अजय कुमार ने बताया कि मुस्लिम भाइयों का त्योहार बकरीद को लेकर लखीसराय जिले की पुलिस प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट है !जिले के सीमावर्ती व नक्सल प्रभावित क्षेत्रों पर पुलिस की पैनी नजर है !एसपी अजय कुमार ने कहा कि अ सामाजिक तत्वों को चिन्हित कर कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जा रही है !उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि बकरीद पर्व के दौरान कोई भी उपद्रव व शांति भंग करने का काम करेगा उसे पुलिस सख़्ती से निपटेगी !ईदगाह और मस्जिदों पर पुलिस की चौकसी रहेगी !एसपी अजय कुमार ने बकरीद को लेकर लखीसराय जिले के मुस्लिम समुदाय के लोगों को बधाई व मुबारकबाद भी दी है !वैसे बकरीद को लेकर जिले में चहल-पहल देखी जा रही है !बकरीद जिसे ईद-उल -जुहा भी कहते हैं !बकरीद के नमाज की तैयारी भी ईदगाहों और मस्जिदों में की जा रही है !

जल जीवन हरियाली दिवस का किया गया आयोजन, डीएम मिथिलेश मिश्र व डीडीसी सुमित कुमार हुए शामिल

प्रात किरण संवाददाता

लखीसराय !समाहरणालय स्थित मंत्रणा कक्ष में जल जीवन हरियाली दिवस का आयोजन किया गया। जल जीवन हरियाली दिवस का आयोजन प्रत्येक महीने के प्रथम मंगलवार को किया जाता है। प्रत्येक महीने में जल जीवन हरियाली दिवस का आयोजन एक नोडल विभाग द्वारा किया जाता है। मई महीने में जल जीवन हरियाली दिवस का आयोजन जल संसाधन विभाग के द्वारा किया गया। आज के इस जल जीवन हरियाली दिवस के अवसर पर कार्यपालक अभियंता, गंगा पंप नहर,प्रमंडल मुंगेर,सूर्यगढा क्षेत्र द्वारा पेयजल संकट वाले क्षेत्रों के लिए गंगा जल आपूर्ति योजना विषय पर परिचर्चा किया गया। सर्वप्रथम कार्यपालक अभियंता मुकेश कुमार के द्वारा जिला पदाधिकारी मिथिलेश मिश्र तथा उप विकास आयुक्त सुमित कुमार को नव पौध देकर स्वागत किया गया। स्वागत उपरांत उपस्थित सभी पदाधिकारीयों को आज के परिचर्चा के विषय वस्तु से अवगत कराते हुए कार्यपालक अभियंता, जल संसाधन के द्वारा सिंचाई योजना मानिकपुर, सूर्यग्रहा नहर, मोरवे जलाशय, बन्नू बगीचा, कुंदर बराज, कजरा बराज, रामगढ़ कनाल बराज सिंचाई योजना एवं उसका कार्य, रखरखाव की जानकारी दी गई। आज के परिचर्चा में उप विकास आयुक्त सुमित कुमार, निदेशक जिला ग्रामीण विकास अभिकरण नीरज कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी विनोद प्रसाद,विशेष कार्य पदाधिकारी जिला गोपनीय शाखा ओम प्रकाश सिंह, डायरेक्टर (ठएढ) डीआरडीए नीरज आनंद के साथ अन्य जिला स्तरीय एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

जमुई के नए जिलाधिकारी नवीन ने किया पदभार ग्रहण

प्रात किरण संवाददाता

जमुई मंगलवार को नवागत जिलाधिकारी श्री नवीन ने देर शाम जमुई जिले के जिलाधिकारी के रूप में समाहरणालय परिसर अवस्थित सभा कक्ष में अपराह्न 4:00 बजे औपचारिक रूप से कार्यभार ग्रहण किया। आयोजित समारोह में निवर्तमान डीएम श्रीमती अभिलाषा शर्मा . ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया और उन्हें कार्यभार सौंपा । वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। बताते चले कि सामान्य प्रशासन विभाग ने उन्हें जमुई का जिलाधिकारी बनाया है ' उनके पदस्थापन की अधिसूचना बीते शनिवार को जारी की गई ' नवागत डीएम श्री नवीन कुमार वर्ष-2013 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी हैं। कार्यभार ग्रहण करने के बाद जिले के वरिष्ठ अधिकारियों ने नए डीएम को जिले की वर्तमान प्रशासनिक स्थिति, विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। डीएम ने कहा कि सबका साथ सबका विकास के तर्ज पर जिले में चलाई जा रही केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं का लाभ पात्रों तक पहुंचाने पर जोर दिया जाएगा। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन, शुद्ध पेयजल, जन स्वास्थ्य के साथ ही जनसमस्याओं का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण तरीके से करने पर जोर दिया। कहा कि जिले को हर हाल में समृद्ध बनाना है। उन्होंने कहा कि जिले का चतुर्दिक विकास कार्य कराना प्राथमिकताओं में है। इसके साथ ही जिले की मूलभूत समस्याओं के समाधान पर भी खास ध्यान दिया जाएगा। जिले को पिछड़ेपन की श्रेणी से बाहर करने का पूरा प्रयास किया जाएगा। जिलाधिकारी ने कहा है कि जनहित के मामलों में किसी भी तरह की ढिलाई या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक जमुई, उप विकास आयुक्त, नजारत उप समाहर्ता, जिला पंचायत राज पदाधिकारी, भूमि सुधार उपसमाहर्ता, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी समेत जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं कर्मी आदि मौजूद रहे।

जयप्रकाश नारायण एयरपोर्ट के नए टर्मिनल से शुरू हुई उड़ानें

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

बिहार की राजधानी पटना अब उन गिने-चुने शहरों में शामिल हो गया है, जिनका हवाई अड्डा अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस एक नए युग में प्रवेश कर चुका है। 3 जून 2025 से पटना के जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के नए टर्मिनल भवन से उड़ानों का संचालन शुरू हो गया है। यह न सिर्फ राज्य के बुनियादी ढांचे में एक ऐतिहासिक कदम है, बल्कि आर्थिक, सामाजिक और पर्यटन दृष्टिकोण से भी यह उपलब्धि अत्यंत महत्वपूर्ण है पटना एयरपोर्ट का नया टर्मिनल पूरी तरह से अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। यह टर्मिनल न सिर्फ यात्रियों की संख्या को झेलने की क्षमता रखता है, बल्कि इसकी डिजाइन में पारंपरिकता और आधुनिकता का अनूठा संगम देखने को मिलता है। इसके निर्माण में लगभग 1,200 करोड़ रुपये लागत आया है। इस टर्मिनल में 45 लाख यात्रियों को सालाना संभालने की क्षमता है। इस टर्मिनल की विशेषता है कि इसमें चेक-इन काउंटर, 5 एयरोब्रिज, हाई-सिक्योरिटी स्कैनिंग सिस्टम, एलईडी आधारित ऊर्जा संरक्षण तकनीक और हरित भवन प्रमाणन है।

पटना एयरपोर्ट प्रशासन ने यात्रियों के लिए एक एडवाइजरी जारी किया है ताकि वे आसानी से नए टर्मिनल तक पहुंच सकें और किसी भी असुविधा से बच सकें। नया टर्मिनल एंट्री गेट पुराने टर्मिनल से भिन्न स्थान पर है। साइन बोर्ड और डिजिटल मार्गदर्शन प्रणाली का पालन करने का निर्देश है। उड़ान समय से 2 से 3 घंटे पहले एयरपोर्ट पहुंचना है और किसी भी जानकारी के लिए 9471000714 पर संपर्क किया जा सकता है। एयरपोर्ट पर यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसको ध्यान में रखते हुए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई है। 20 पुलिसकर्मी अगले 10 दिनों तक प्रवेश और निकास दोनों द्वार पर तैनात रहेंगे। 20 अतिरिक्त ट्रैफिक पुलिस भी व्यवस्था को नियंत्रित करने में मदद करेंगे। एयरपोर्ट थानेदार को इलाके में लगातार गश्ती करने का निर्देश दिया गया है। उड़ाका निगरानी, डॉग स्क्वॉड और बैगेज स्कैनिंग व्यवस्था को अपग्रेड किया गया है।

उद्घाटन से पहले, बिहार सरकार के अपर मुख्य सचिव (कैबिनेट) डॉ. एस. सिद्धार्थ ने पटना एयरपोर्ट के नए टर्मिनल का दौरा कर तैयारियों की समीक्षा की। उनके साथ प्रमंडलीय आयुक्त, जिलाधिकारी, एसएसपी, अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक व तकनीकी अधिकारी भी उपस्थित थे। उन्होंने यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था कि यात्रियों को कोई असुविधा न हो। सभी विभाग आपसी समन्वय में कार्य करें। हर दिन सक्रिय निगरानी और फीडबैक प्रणाली हो। सभी कर्मचारियों की दक्षता और संवेदनशीलता के साथ जिम्मेदारी निभानी होगी नया टर्मिनल न केवल भौगोलिक रूप से आधुनिकता का प्रतीक है, बल्कि यह बिहार के आर्थिक विकास को भी नया पंख देने वाला है। बेहतर सुविधा और खूबसूरत वास्तुकला अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित करेगा। निवेशकों और कारोबारी यात्रियों को ज्यादा सुविधा मिलेगी। एयरपोर्ट से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से हजारों नौकरियां उत्पन्न होंगी। इंटरनेशनल कनेक्टिविटी को लेकर उम्मीद की योजनाएं भी सक्रिय हो गई हैं।

पटना एयरपोर्ट के नए टर्मिनल की डिजाइन भारतीय वास्तुकला की आत्मा को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़ती है। सौर ऊर्जा आधारित विद्युत संरचना, वर्षा जल संचयन की विशेष व्यवस्था, स्वचालित बैगेज हैंडलिंग सिस्टम, टचलेस सिक्योरिटी चेक-इन, दिव्यांगों के लिए रैंप और लिफ्ट की सुविधा और कला गैलरी में बिहार की संस्कृति को दर्शाती आंतरिक सजावट किया गया है।

नए टर्मिनल से उड़ान भरने वाले यात्रियों ने इसे दिल्ली या मुंबई एयरपोर्ट जैसा अनुभव बताया है। रांची के एक यात्री ने कहा है कि "ऐसा लग रहा है कि पटना भी मेट्रो शहरों की कतार में खड़ा हो गया है।" एक छात्रा ने कहा है कि "पहली बार पटना एयरपोर्ट पर किसी अंतरराष्ट्रीय स्तर की फील आई है।" बुजुर्गों और दिव्यांगों ने खास तौर पर बैठने और व्हीलचेयर सुविधा की सराहना किया है।

इस नए टर्मिनल की सबसे बड़ी खासियत इसका पर्यावरण के प्रति संवेदनशील होना है। एयरपोर्ट को ग्रीन बिल्डिंग रेटिंग दिया गया है। एलईडी लाइटिंग, सौर ऊर्जा, और प्राकृतिक वेंटिलेशन सिस्टम ने ऊर्जा की खपत को 30% तक घटाया है। वेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम को भी डिजिटलाइज किया गया है।

आंतरिक और बाह्य चुनौतियों से जूझता भारत

सीमावर्ती राज्यों और पड़ोसी देशों से भारत को लगातार चुनौतियां मिल रही हैं। पिछले एक दशक में भारत के पड़ोसी देश और पूर्वोत्तर राज्य सबसे बड़ी चुनौती के रूप में सामने हैं। भारत के पड़ोसी देश चीन, पाकिस्तान, बांग्लादेश, म्यांमार और श्रीलंका भारत के लिए चुनौती बने हुए हैं। पाकिस्तान और बांग्लादेश में कट्टरपंथी तेजी के साथ सक्रिय हो रहे हैं। पाकिस्तानी सेना पर कट्टरपंथियों का प्रभाव है। भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में जिस तरीके की अशांति लंबे समय से फैली हुई है, भारत को आंतरिक और बाह्य चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। पिछले कुछ वर्षों से यह चुनौतियां बढ़ती ही जा रही हैं। भारत को वर्तमान स्थिति में पाकिस्तान, चीन और बांग्लादेश से सबसे बड़ा खतरा है। हाल ही में चीन ने जिस तरह से पाकिस्तान का समर्थन किया है। उसे आर्थिक और सामरिक मदद दी है। उसके कारण भारत की चिंता बढ़ना स्वाभाविक है। पिछले एक दशक में चीन ने भारत के सभी पड़ोसी देशों के साथ बड़े-बड़े अनुबंध किए हैं। अरबों डॉलर का कर्ज भारत के पड़ोसी देशों को दिया है। सुरक्षा की दृष्टि से चीन ने भारत के पड़ोसी देशों के सामरिक महत्व के क्षेत्र में अपना प्रभाव बढ़ाया है। ऐसी स्थिति में दुनिया के देशों के बीच बढ़ता तनाव और उस पर भारत का पाकिस्तान और चीन के बीच जिस तरह का तनाव देखने को मिल रहा है, वह भारत के लिए चिंताजनक है। भारत के पूर्वोत्तर राज्य असम, मेघालय, अरुणाचल, मणिपुर अशांत राज्य हैं। विशेष रूप से मणिपुर की सीमा म्यांमार से लगी हुई है। यहां पर कुकी और मैतई के बीच पिछले दो वर्षों से हिंसक वारदात हो रही हैं। दोनों समुदायों के बीच भारी तनाव बना हुआ है। भारत का सुरक्षा बल जम्मू- कश्मीर, मणिपुर और बांग्लादेश की सीमा पर बड़ी संख्या में तैनात हैं। ऐसी स्थिति में जब तृतीय विश्व युद्ध जैसे हालात तैयार हो रहे हों, ऐसे समय पर भारतीय सेना के लिए सीमावर्ती राज्य चिंता का विषय बने हुए हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद जिस तरह की स्थिति देखने को मिल रही है। भारत के सभी पड़ोसी देश चीन के प्रभाव में हैं। भारत पड़ोसी देशों के बीच वैसा मधुर नहीं रहा, जो पिछले वर्षों में था। चीन के साथ भारत का रिश्ता देशों के बीच में बिल्कुल अलग-थलग पड़ गया है। हाल ही में पहलगाम में हुई घटना के बाद जब भारत ने पाकिस्तान का जल रोकने का निर्णय लिया तो उसके बाद चीन ने भारत को चेतावनी दी। यदि उसने पाकिस्तान का पानी शुरू नहीं किया, तो वह ब्रह्मपुत्र नदी का पानी भारत के लिए रोक देगा। ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान ने चीन के अत्याधुनिक हथियारों से उसके ऊपर हमला किया। चीन पाकिस्तान का रक्षा कवच बनकर सामने आया। जिस तरह से भारत को चीन और पाकिस्तान से लगातार चुनौती मिल रही हैं, उसके कारण भारत की चिंताएं काफी बढ़ गई हैं। 2014 में जब नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने थे। उनके शपथ ग्रहण समारोह में सेकंडों राष्ट्राध्यक्ष भाग लेने के लिए दिल्ली आए थे। 2025 में ऑपरेशन सिंदूर के बाद कोई भी राष्ट्र भारत के समर्थन में खड़ा नहीं हुआ। यह भारत के लिए चिंताजनक स्थिति है। यह भारत की विदेश नीति की विफलता भी है। भारत अपने पड़ोसी देशों के साथ अपने रिश्ते बेहतर बनाकर नहीं रख पाया। वैश्विक स्तर पर जिस तरीके से चीन के मुकाबले भारत की इमेज बनी है, वह भारत के लिए सबसे नुकसानदेह साबित हो रही है। पुरानी कहावत है, स्त्री और सत्ता ताकतवर हाथों में ही सुरक्षित रहती है। चीन इस समय एशिया का सबसे ताकतवर देश है। चीन का प्रभाव दुनिया के सभी देशों के साथ हो रहा है। कुछ मामलों में चीन की मोनोपॉली है। चीन ने हो हल्ला नहीं किया लेकिन अपने कारोबार को तथा अपनी तकनीकी को लगातार विकसित कर रहा है। भारत के पड़ोसी देशों को चीन ने पिछले एक दशक में बड़ी मात्रा में आर्थिक सहायता देकर उन्हें अपना आश्रित बना लिया है। ऐसा करके उसने भारत को चारों ओर से घेर लिया है। चीन को भारत से प्रतिस्पर्धा करनी पड़ती है।

रेखा सरकार के 100 दिन: उम्मीदों और चुनौतियों का सम्मिश्रण

रेखा गुप्ता ने 100 दिन के कार्यकाल में अपनी सधी हुई शुरूआत से इसे साबित करके दिखाया है। न केवल दिल्ली की राजनीती में उन्होनें खुद को बेहतर ढंग से स्थापित करने की कोशिश की है बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी अपने कार्यो से खुद को अग्रिम पंक्ति में खड़ी सीएम के तौर पर प्रस्तुत किया है।

हर्षवर्धन पान्डे
लेखक

20 फरवरी 2025 को रेखा गुप्ता ने दिल्ली की चौथी महिला मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण की। भारतीय जनता पार्टी की जीत के बाद 27 साल बाद दिल्ली में सत्ता परिवर्तन हुआ और रेखा गुप्ता को इस ऐतिहासिक जिम्मेदारी का नेतृत्व करने का मौका मिला। रेखा गुप्ता शालीमार बाग से पहली बार विधायक चुनी गईं। हरियाणा के जींद में जन्मी और दिल्ली में पली-बढ़ीं रेखा गुप्ता का राजनीतिक सफर दिल्लीविश्वविद्यालय के छात्रसंघ की अध्यक्ष से शुरू हुआ। वह तीन बार दिल्ली नगर निगम की पार्षद और बीजेपी महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रह चुकी हैं। उनकी नियुक्ति को भाजपा की महिला सशक्तिकरण की परिकल्पना को साधने की रणनीति के रूप में देखा गया। उन्होनें 100 दिन के कार्यकाल में अपनी सधी हुई शुरूआत से इसे साबित करके दिखाया है। न केवल दिल्ली की राजनीती में उन्होनें खुद को बेहतर ढंग से स्थापित करने की कोशिश की है बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी अपने कार्यों से खुद को अग्रिम पंक्ति में खड़ी सीएम के तौर पर प्रस्तुत किया है।

20 फरवरी 2025 को रेखा गुप्ता ने दिल्ली की मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली जिसके बाद उनकी सरकार ने 30 मई 2025 को अपने 100 दिन पूरे किए। इस अवधि में भाजपा की नेतृत्व वाली सरकार ने दिल्ली को विकसित, स्वच्छ और सुरक्षित बनाने के वादे के साथ कई पहल शुरू की। सरकार ने अपनी पहली कैबिनेट बैठक में दिल्ली में आयुष्मान भारत योजना को लागू करने की मंजूरी दी। यह योजना दिल्लीवासियों को मुफ्त इलाज की सुविधा प्रदान करती है जिससे स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच बढ़ी है। रेखा गुप्ता सरकार ने केंद्र की महत्वाकांक्षी आयुष्मान भारत योजना को दिल्ली में लागू किया जिसे पिछली आम आदमी पार्टी सरकार ने रोके रखा था। इस योजना के तहत 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा प्रदान किया जा रहा है, साथ ही राज्य सरकार द्वारा अतिरिक्त 5 लाख रुपये का टॉप-अप दिया जा रहा है। इसी प्रकार वयोवंदना योजना के अंतर्गत 70 वर्ष से अधिक आयु के 6 लाख बुजुर्गों को 10 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा सुनिश्चित किया गया। यह कदम बुजुर्गों के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं को सुलभ बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। 100 दिन में दिल्ली की सेहत सुधारने के लिए 100 दिन की सेवा में 12826 करोड रुपए का बजट दिया गया। 1139 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के निर्माण की योजना शुरू की गई। सभी सरकारी अस्पतालों में जन औषधि केंद्र बनाने का फैसला लिया गया। दिल्ली के सरकारी स्कूलों में बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने, शिक्षकों की प्रशिक्षण प्रणाली को अपडेट करने और विद्यार्थियों के लिए अधिक संसाधन उपलब्ध कराने का वादा किया गया है। इसके साथ ही दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में बुनियादी सुविधाओं का सुधार और दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया है।

रेखा गुप्ता ने सरकार की कमान संभालते ही यमुना नदी की सफाई को प्राथमिकता दी। रेखा गुप्ता ने भलस्वा लैंडफिल साइट का दौरा कर वहाँ वृक्षारोपण और सफाई की शुरूआत की। यमुना के वसुदेव घाट पर उन्होंने कैबिनेट के साथ आरती की और नदी की सफाई को अपनी सरकार की प्रमुख प्राथमिकता घोषित किया। यह कदम पर्यावरण संरक्षण और सांस्कृतिक महत्व को रेखांकित करता है। सरकार ने यमुना नदी को पुनर्जनन और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार के साथ एक एमओयू भी साइन किया जिसमें वजीराबाद बैराज से जगतपुर तक फेरी और क्रूज सेवाएं शुरू करने की योजना बनाई गई। इसी के साथ 27 नए विकेंद्रीकृत सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट्स को मंजूरी दी गई और एक समग्र अर्बन रिवर मैनेजमेंट प्लान तैयार किया गया। यह दीर्घकालिक परियोजना है जिसके ठोस परिणाम अभी सामने नहीं आ पाए हैं। यमुना नदी की सफाई और सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध जैसे कदम भी उनकी प्राथमिकताओं में हैं। हालांकि इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए दीर्घकालिक योजना और संसाधनों की आवश्यकता होगी। रेखा गुप्ता ने मॉनसून से पहले दिल्ली के प्रमुख नालों का निरीक्षण किया और अधिकारियों को सफाई के स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने बाहरी रिंग रोड को गड्ढा-मुक्त करने का लक्ष्य भी रखा जो दिल्ली की बुनियादी ढांचे की समस्याओं को हल करने की दिशा में एक प्रयास है। यमुना की सफाई और प्रदूषण नियंत्रण में प्रगति धीमी है और दिल्ली अभी भी सबसे प्रदूषित राजधानियों में अग्रणी है। सड़कों की स्थिति सुधारने, ट्रैफिक जाम को कम करने और सार्वजनिक परिवहन की सुविधा बढ़ाने के लिए नए प्रयास किए जा रहे हैं। दिल्ली में जलभराव की समस्या से निपटने के लिए सरकार ने मुंबई से अत्याधुनिक मशीनें मंगवाकर सीवर और नालों की सफाई शुरू की जिससे मिंटो ब्रिज जैसे क्षेत्रों में सुधार हुआ और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की गई। शालीमार बाग में आयुर्वेदिक झुग्गी में सीवेज प्लांट की समस्या हल हुई वहीं हैदरपुर गांव में नई नाली बनाई गई और मैक्स अस्पताल के पास खुले नाले को 34 लाख रुपये की लागत से ढका गया। ये कदम जल निकासी और स्वच्छता में सुधार ला रहे हैं लेकिन पूरी दिल्ली की तस्वीर बदलने में अभी लम्बा समय लगेगा। मई 2025 में दिल्ली में एयर क्वालिटी इंडेक्स 500 तक पहुंच गया, जो मई के महीने में अभूतपूर्व था। प्रदूषण के निवारण के लिए अभी दिल्ली को किसी दीर्घकालिक योजना की दरकार है। 100 दिवस के कार्यकाल में 16 लाख मीट्रिक टन गाद यमुना से हटाई गई और 804 करोड़ की लागत से आठ अमृत परियोजनाओं को मंजूरी सरकार के द्वारा दी गई।

घातक साबित हो सकती है सैन्य पराक्रम को लेकर की जाने वाली राजनीति

उन्होंने कहा कि कई बार डील के कॉन्ट्रैक्ट पर दस्तखत करते वक़्त ही हमें पता होता है कि ये सिस्टम कभी भी समय पर नहीं मिलेंगे। उन्होंने कहा कि - मैं कोई एक भी ऐसी योजना नहीं बता सकता हूं जो समय पर पूरी हुई हो। प्रमुख एयर चीफ मार्शल की यह टिप्पणी ऐसे समय में आयी है जब वायुसेना मोदी सरकार की आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत तेजी से स्वदेशीकरण और घरेलू क्षमता पर जोर दे रही है।

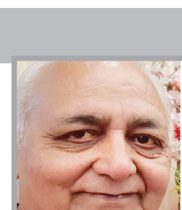

तनवीर जाफरी
लेखक

पहलगाम में हुये पाक प्रायोजित हमले के बाद भारतीय सेना की ओर से किये गये ऑप्रेशन सिन्दूर के बाद सत्ताधारी दल भारतीय सेना के शौर्य को भुनाने में लग गया है। निश्चित रूप से हमारे सैनिकों खासकर भारतीय वायु सेना ने जिस बहादुरी के साथ पाक अधिकृत कश्मीर सहित पाकिस्तान के कई आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया उससे भारतीय जनता का मनोबल भी ऊँचा हुआ है साथ ही पाकिस्तान भी अपनी औकात को समझ चुका है। परन्तु जिस तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इस सैन्य शौर्य का राजनीतिकरण करने की कोशिश की जा रही है इस पर सवाल जरूर उठाये जा रहे हैं। खासकर प्रधानमंत्री के उस चित्र को लेकर जिसमें वे सैन्य वर्दी में एक लड़ाके की भूमिका में, पृष्ठभूमि में वायुसेना के लड़ाकू विमान के साथ प्रचारित किये जा रहे हैं। उधर भारत की तरफ से कई रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व कई अन्य जिम्मेदार नेताओं द्वारा पाक अधिकृत कश्मीर को भारत में पुनः शामिल करने को लेकर सार्वजनिक रूप से बातें की जा रही हैं। और इसी बीच भारतीय वायुसेना प्रमुख ने सरकार की आँखें खोलने वाले कुछ बयान भी दिये हैं। साथ ही सरकार द्वारा शुरू की गयी अग्निवीर योजना पर भी सवाल उठाये जा रहे हैं।

पिछले दिनों सीआईआई वार्षिक बिजनेस समिट में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की उपस्थिति में भारतीय वायुसेना के प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह ने खास तौर पर स्वदेशी सैन्य परियोजनाओं की ओर इशारा करते हुए रक्षा सौदों में देरी के मामलों की ओर ध्यान दिलाया। उन्होंने कहा कि तेजस ट'1अ फाइटर जेट की डिलीवरी रुकी हुई है। जो फरवरी 2021 में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के साथ 48,000 करोड़ रुपये में हुई थी। उन्होंने कहा कि ऑर्डर किए गए 83 विमानों में से अब तक एक भी विमान हमें नहीं दिया गया है, जबकि इसकी डिलिवरी मार्च 2024 में ही शुरू होने वाली थी। तेजस ट'2 का प्रोटोटाइप अभी तक रोल आउट नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि तेजस सहित कई बड़ी डील हुई, पर अभी तक डिलीवरी का पता नहीं। प्रमुख एयर चीफ मार्शल ने रक्षा खरीद परियोजनाओं में देरी पर गंभीर चिंता जताते हुये स्वदेशी प्रोजेक्ट्स का जिक्र किया और साफ तौर से यह कहा कि हमें जो चीज आज चाहिए, वो आज ही चाहिए। युद्ध, सेनाओं को सशक्त बनाकर जीते जाते हैं। इसी तरह स्टील्थ अटउअ फाइटर का भी अभी तक कोई प्रोटोटाइप नहीं है। उन्होंने कहा कि कई बार डील के कॉन्ट्रैक्ट पर दस्तखत करते वक़्त ही हमें पता होता है कि ये सिस्टम कभी भी समय पर नहीं मिलेंगे। उन्होंने कहा कि - मैं कोई एक भी ऐसी योजना नहीं बता सकता हूं जो समय पर पूरी हुई हो। प्रमुख एयर चीफ मार्शल की यह टिप्पणी ऐसे समय में आयी है जब वायुसेना मोदी सरकार की आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत तेजी से स्वदेशीकरण और घरेलू क्षमता पर जोर दे रही है।

दूसरी तरफ सरकार द्वारा चलायी गयी अग्निवीर योजना को लेकर भी तरह तरह के सवाल उठने लगे हैं। विपक्ष तो इस योजना को लेकर शुरू से ही आक्रामक था जबकि सरकार तरह तरह के तर्क देकर इस योजना के फायदे गिनाने में लगी है। परन्तु अग्निवीर को लेकर अब जो सच्चाइयां सामने आ रही हैं वह भी भारतीय सेना के लिये चिंता बढ़ाने वाली हैं। इस समय सेना में अधिकारी रैंक के 16.71% पद रिक्त हैं। क्योंकि हर साल 60 हजार सैन्यकर्मी सेवानवृत्त भी हो रहे हैं। जबकि भर्ती का अनुपात इसके विपरीत है। कोरोना काल के दौरान ही 2 वर्ष तक सेना में भर्ती पूरी तरह बंद थी। रक्षा मंत्रालय द्वारा हाल ही में संसद की स्थायी समिति को दी गयी जानकारी के अनुसार इस समय भारतीय सेना में एक लाख से ज्यादा सैनिकों की कमी है। इस समय सेना की कुल संख्या 12.48 लाख है, जबकि एक लाख से अधिक पद खाली हैं। इसकी एक वजह अग्निवीर योजना से घटा युवाओं का रुझान माना जा रहा है। दरअसल अग्निवीर सैन्य भर्ती योजना अथवा अग्निपथ योजना 2022 में लागू की गयी थी। इसके अंतर्गत भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना में युवाओं को चार साल की अवधि के लिए अग्निवीर के रूप में भर्ती किया जाना है। इन्हीं चार वर्षों के सेवाकाल में ही 6 महीने की प्रशिक्षण अवधि भी शामिल है। 4 वर्ष की सैन्य सेवा के बाद 25% अग्नि वीरों को तो नियमित सैन्य सेवा में स्थायी रूप से शामिल किया जा सकता है परन्तु शेष अग्निवीरों को सेवा निधि पैकेज के रूप में लगभग 11-12 लाख रुपये और अनुभव प्रमाणपत्र के साथ विदा किये जाने का प्रावधान है। इस सेवा निधि पैकेज में अग्निवीर और सरकार दोनों का ही योगदान है।

इसके बावजूद अग्निवीर योजना के प्रति युवाओं के घटते रुझान का मुख्य कारण यह है कि यह योजना छोटी अवधि, लागत-प्रभावी और युवा-केंद्रित सैन्य सेवा पर जोर देती है, जबकि सामान्य सैनिकों की भर्ती लंबी अवधि की स्थायी सेवा और दीर्घकालिक लाभों पर आधारित है। अग्निवीर योजना को आधुनिक सैन्य जरूरतों और बजट प्रबंधन के लिए डिजाइन किया गया है, लेकिन यह स्थायी नौकरी की चाह रखने वाले युवाओं के बीच विवादास्पद रही है। इस योजना के अनुसार 4 साल का छोटा कार्यकाल और सीमित प्रशिक्षण सैनिकों को पूर्ण रूप से युद्ध के लिए तैयार नहीं करता, जिससे युवा इसे जोखिम भरा मानते हैं। इसके अलावा, 4 साल बाद नागरिक जीवन में पुनर्स्थापन के लिए पर्याप्त समर्थन की कमी भी एक बड़ी चिंता का विषय है। यही कारण है कि अग्निवीर भर्ती के प्रति युवाओं का रुझान विशेष रूप से उन राज्यों में कम हुआ है, जहां सेना में भर्ती पारंपरिक रूप से लोकप्रिय थी। इसका मुख्य कारण नौकरी की अनिश्चितता, पेंशन की कमी, और दीर्घकालिक भविष्य है।

हालांकि, सरकार ने हरियाणा जैसे राज्यों में अग्निवीरों के लिए सरकारी नौकरियों में आरक्षण और अन्य प्रोत्साहन देने की कोशिश की है, लेकिन यह अभी भी युवाओं के असंतोष को पूरी तरह दूर नहीं कर पाया है। यही वजह है कि हरियाणा जैसे राज्यों में, जहां पहले प्रत्येक वर्ष लगभग 5,000 युवा सेना में भर्ती होते थे, अग्निवीर योजना के बाद यह संख्या घटकर केवल 250 तक रह गई है।

भारत की अमृत-पीढ़ी को सशक्त बनाना

अमृत पीढ़ी के सभी सपनों को पूरा करना, अनगिनत अवसर पैदा करना और उनके मार्ग में आने वाली सभी बाधाओं को दूर करना सरकार का संकल्प है। पिछले ग्यारह वर्षों में भारत सरकार ने युवाओं को सशक्त बनाने के लिए पूरी लगन से काम किया है। भारत में दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी है, जिसमें लगभग 65% लोग 35 वर्ष से कम आयु के हैं। सरकार इसे देश के विकास में तीव्रता लाने और दीर्घकालिक रणनीतिक वृद्धि हासिल करने के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर के रूप में देखती है। इसका उद्देश्य युवाओं को आगे बढ़ने, अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने और भारत को भविष्य की ओर ले जाने में मदद करना है। सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक कौशल, अच्छी नौकरियां और सफल उद्यमी बनने के लिए सहयोग मिले।

शिक्षाः ज्ञान महाशक्ति का निर्माण

पिछले एक दशक में, भारत ने स्कूलों से लेकर विश्वविद्यालयों तक अपनी शिक्षा प्रणाली को मजबूत करने में तेज प्रगति की है। आईआईटी, आईआईएम और एम्स जैसे संस्थानों के बड़े सुधार और विस्तार सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण और भविष्य के लिए तैयार शिक्षा प्रदान करने के लिए सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता को दशार्ते हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020: 29.07.2020 को घोषित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 स्कूली शिक्षा के साथ-साथ तकनीकी शिक्षा सहित उच्च शिक्षा में विभिन्न सुधारों का प्रस्ताव करती है। इसका

उद्देश्य 2030 तक प्रीस्कूल से माध्यमिक स्तर तक जीईआर (सकल नामांकन अनुपात) को 100% तक बढ़ाना है जबकि व्यावसायिक शिक्षा सहित उच्च शिक्षा में जीईआर को 26.3% (2018) से 2035 तक 50% तक बढ़ाना है।

उच्च शिक्षा संस्थानः एआईएसएचई पोर्टल के अनुसार उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईआई) की संख्या में उल्लेखनीय 13.8% की वृद्धि देखी गई है, जो 2014-15 में 51,534 से बढ़कर मई 2025 तक 70,683 हो गई है। इस संख्या में विश्वविद्यालय, कॉलेज, स्टैंडअलोन विश्वविद्यालय/कॉलेज, पीएम विद्यालक्ष्मी और अनुसंधान एवं विकास संस्थान शामिल हैं।

* विश्वविद्यालय वृद्धिः विश्वविद्यालयों की संख्या 2014-15 में 760 से बढ़कर मई 2025 तक 1,334 हो गई, जो विश्व स्तरीय संस्थानों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

* कॉलेज वृद्धिः उच्च शिक्षा की बढ़ती मांग को पूरा करते हुए कॉलेजों की संख्या 2014-15 में 38,498 से बढ़कर मई 2025 तक 51,959 हो गई।

* आईआईटी की वृद्धिः 2014 में, 16 भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) थे। बाद के वर्षों में 7 नए आईआईटी के जुड़ने के साथ, मई 2025 तक कुल संख्या 23 हो गई है।

आईआईटी इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावाः 7 मई 2025 को कैबिनेट ने 5 आईआईटी (तिरुपति, पलक्कड़, भिलाई, जम्मू, धारवाड़) के लिए चरण-बी विस्तार को मंजूरी दी। साथ ही, 2025-2029 तक इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 11,828.79 करोड़ रुपये मंजूर किए गए। निर्माण पूरा होने पर, ये पांच आईआईटी 7,111 की वर्तमान छात्र संख्या के मुकाबले 13,687 छात्रों को शिक्षा प्रदान करने में सक्षम होंगे, यानी 6,576 छात्रों की संख्या में वृद्धि होगी।

आईआईटी इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावाः 7 मई 2025 को कैबिनेट ने 5 आईआईटी (तिरुपति, पलक्कड़, भिलाई, जम्मू, धारवाड़) के लिए चरण-बी विस्तार को मंजूरी दी। साथ ही, 2025-2029 तक इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 11,828.79 करोड़ रुपये मंजूर किए गए। निर्माण पूरा होनेये पांच आईआईटी 7,111 की वर्तमान छात्र संख्या के मुकाबले13,687 छात्रों को शिक्षा प्रदान करने में सक्षम होंगे, यानी 6,576 छात्रों की वृद्

आईआईटी इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावाः 7 मई 2025 को कैबिनेट ने 5 आईआईटी (तिरुपति, पलक्कड़, भिलाई, जम्मू, धारवाड़) के लिए चरण-बी विस्तार को मंजूरी दी। साथ ही, 2025-2029 तक इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 11,828.79 करोड़ मंजूर किए गए। निर्माण पूरा होने पर पांच आईआईटी 7,111 की वर्तमान छात्र संख्या के मुकाबले13,687 छात्रों को शिक्षा प्रदान करने में सक्षम होंगे, यानी 6,576 छात्रों की संख्या बढ़ जाएगी।

आईआईएमः 2014 में, 13 भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) थे। मई 2025 तक, यह संख्या बढ़कर 21 हो गई है।

* चिकित्सा शिक्षा को बढ़ावाः 2014 से, एम्स संस्थानों की संख्या 7 से बढ़कर 23 हो गई है, जो प्रभावी रूप से तीन गुना हो गई है। इसके अतिरिक्त, मेडिकल कॉलेजों की संख्या 387 से बढ़कर 2,045 हो गई है।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com
राष्ट्रीय दैनिक प्रात:किरण
पटना, बुधवार, 04 जून, 2025

पश्चिम चम्पारण के नये जिला पदाधिकारी धर्मेन्द्र कुमार ने किया पदभार ग्रहण

●जिले का समग्र विकास मेरी पहली प्राथमिकता : जिलाधिकारी

प्रात: किरण संवाददाता

बेतिया(घनश्याम) जिले के नए डीएम धर्मेन्द्र कुमार ने मंगलवार को पश्चिम चंपारण समाहरणालय पहुंच कर पदभार ग्रहण किया। नव पदस्थापित जिलाधिकारी को निवर्तमान जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय ने पदभार सौंपा। जिलाधिकारी द्वारा पदभार ग्रहण करने के उपरांत उपस्थित पदाधिकारियों से परिचय प्राप्त करते हुए जिले में क्रियान्वित विभिन्न योजनाओं/कार्यक्रमों से संबंधित जानकारी ली गयी। उन्होंने कहा कि सरकार की सभी योजनाओं का लाभ जिले के हर तबके तक पहुंचाने के लिए सभी को कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि पश्चिम चम्पारण जिले की ऐतिहासिक धरती पर आकर मैं गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। जिले के विकास के लिए सभी अधिकारियों एवं कर्मियों को पूरी ईमानदारी एवं तत्परतापूर्वक अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना होगा ताकि यह जिला और तीव्र गति से विकास के पथ पर अग्रसर हो सके। उन्होंने कहा कि विकास उनकी पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि निवर्तमान जिलाधिकारी द्वारा जो भी विकास के कार्य किये गये है उनको तीव्र गति से लक्ष्य तक पहुंचाया जायेगा। पदभार सौंपने के उपरांत निवर्तमान जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय ने कहा कि ऐतिहासिक पश्चिम चम्पारण की धरती को वे कभी भी नहीं भूलेंगे। जिले के लोगों का प्यार और स्नेह हमेशा साथ रहेगा। पश्चिम चम्पारण से मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला है। यहां के अधिकारियों कर्मियों एवं लोगों का अच्छा सहयोग मिला है। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों से कहा कि पश्चिम चम्पारण जिले को विकास के पथ पर तेजी के साथ बढ़ाने में जिस तरह से आपने सहयोग किया है, उसी प्रकार नये जिलाधिकारी को भी सहयोग प्रदान करेंगे ताकि इस जिले का समग्र विकास हो सके। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त सुमित कुमार अपर समाहर्ता राजस्व राजीव कुमार सिंह नगर आयुक्त नगर निगम बेतिया लक्ष्मण तिवारी सहित जिलास्तरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

दो फुस के घरों में लगी आग हजारों की सम्पति हुआ खाक

प्रात: किरण संवाददाता

अमनौर/स्थानीय थाना क्षेत्र के रसूलपुर पंचायत स्थित रहीमपुर गाँव मे अचानक आग लगने से दो फुस की घर जलकर हुआ खाक घटना मंगलवार की है।अग्निपीड़ित अजय बासफोर अभिनाश बासफोर ने बताया कि खाना खाकर हमलोग मजदूरी करने चले गए तपती धूप में महिला बच्चे घर मे थे।अचानक आग की लफक उठी जिसे देख आनन फानन में घर से निकले शोर मचाया।आस पास के लोग लोटा बाल्टी लेकर दौर ग्रामीणों के अथक प्रयास से आग पर काबू पाया । तबतक घर समेत सबकुछ जलकर राख हो गया।आगलगी में अनाज कपड़ा बर्तन उपस्कर समेत हजारों की समाप्ति जलने की बात बताया।

डीआईजी के रामनगर थानाध्यक्ष के निलंबन कार्यवाई से पुलिस महकमे में मचा हड़कंप

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा। बगहा में रामनगर थानाध्यक्ष पर कार्रवाई से पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है। दरअसल चंपारण प्रक्षेत्र के डीआईजी हरकिशोर राय ने कर्तव्यहीनता के आरोप में थानाध्यक्ष को निलंबित कर दिया है। थानाध्यक्ष पर खनन माफियाओं से सांठ गांठ का आरोप है। बताया जा रहा है कि विगत 12 मई को बालू खनन की सूचना पर वनपाल बृजलाल बैठा के नेतृत्व में एक टीम मौके पर पहुँची थी जहां खनन माफियाओं ने हमला कर दिया था। जिसमें आधा दर्जन वनकर्मी घायल हो गए थे। लेकिन इस मामले में 15 नामजद आरोपियों पर थानाध्यक्ष द्वारा कोई एक्शन नहीं लिया गया। लिहाजा आरोपियों से मिलीभगत के आरोप में डी आई जी ने यह कार्रवाई की है। बतादें कि रामनगर थानाक्षेत्र के गोवर्धना वन क्षेत्र अंतर्गत दोंगही नदी में बालू खनन किया जा रहा था। जिसको रोकने गए वनकर्मियों को बालू खनन कर रहे दर्जनों लोगों ने जमकर लाठी डंडे से पिटाई की थी। इस मामले में फॉरेस्टर बृजलाल बैठा के आवेदन पर 15 आरोपियों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। इस मामले में वन विभाग कार्रवाई करने को लेकर लगातार थाने के संपर्क में था। लेकिन थानाध्यक्ष की लापरवाई उजागर होते ही डीआईजी ने गंभीरता दिखाते हुए एक्शन लिया है। रामनगर थानाध्यक्ष ने कुछ दिनों पूर्व एक आरोपी के बदले बेकसूर युवक को जेल भेज दिया था। इस मामले में भी वह वरीय अधिकारियों के रडार पर थे। यह मामला अभी मानवाधिकार आयोग में चल रहा है।

संक्षिप्त खबरें

सभी प्रखंड मुख्यालय के प्रांगण में सुधा मिल्क पार्लर का हो रहा है निर्माण

छपरा। पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग के निदेश के आलोक में सभी प्रखण्डों में सुधा मिल्क पार्लर के निर्माण को लेकर कॉम्फेड को स्थल उपलब्ध कराया जा रहा है। अब तक जिला मुख्यालय (सदर छपरा प्रखंड) अन्तर्गत तीन जगहों पर सुधा मिल्क पार्लर का निर्माण किया जा चुका है। समाहरणालय परिसर में गेट नंबर 4 के पास, सारण पुस्तकालय के पास एवं सदर अस्पताल परिसर में निर्माण हो चुका है। इसके साथ ही 14 प्रखंडों - अमनौर, बनियापुर, दरियापुर, दिघवारा, इसुआपुर, जलालपुर, लहलादपुर, मांझी, मढ़ौरा, मशरख, नगरा, पानापुर, परसा एवं तरैया के ब्लॉक कैंपस में सुधा मिल्क पार्लर का निर्माण हो चुका है। एकमा, गड़खा एवं रिविलगंज प्रखंड में निर्माण प्रक्रियाधीन है। सोनपुर तथा मकेर प्रखंड अंतर्गत स्थल उपलब्ध कराने के बाद निर्माण किया जाएगा।

दो पक्षों के बीच हुई मारपीट में पैक्स अध्यक्ष समेत कुल चार लोग जखमी

माँझी। सोमवार की देर रात भोज खा कर लौटने के क्रम में माँझी थाना क्षेत्र के धनी छपरा गाँव में दो पक्षों के बीच हुई मारपीट में कौरुधौरु के पैक्स अध्यक्ष बीरेन्द्र सिंह समेत कुल चार लोग जख्मी हो गए। बाद में मारपीट की सूचना पाकर पहुँची पुलिस ने सभी घायलों को माँझी सीएचसी पहुँचाया जहाँ प्राथमिक उपचार के बाद दो घायलों को छपरा सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। इससे पहले दो युवक आपस में भीड़ गए और देखते ही देखते दोनों के परिजन आपस में भीड़ गए। पैक्स अध्यक्ष ने दूसरे पक्ष के लोगों पर दरवाजे पर पहुँचकर मारपीट करने का आरोप लगाया है। मारपीट मामले में पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में लिया है। हालाँकि खबर भेजे जाने तक किसी भी पक्ष द्वारा प्राथमिकी दर्ज नही कराई जा सकी थी। जख्मी लोगों में नरेन्द्र सिंह,योगेन्द्र सिंह तथा नितेश कुमार भी शामिल हैं।

माँझी सीएचसी आयुष्मान कार्ड के मामले में जिला रहा टॉप 2678 कार्ड बनाए गए

माँझी। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत माँझी में पात्र लाभार्थियों का आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए 26 से 30 मई तक विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान सभी आशा कार्यकताओं ने पंचायत स्तर पर कैम्प लगाकर लोगों का कार्ड बनवाया। अभियान के परिणामस्वरूप माँझी समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ने जिले में सबसे अधिक 2678 लोगों का आयुष्मान कार्ड बनाकर जिला स्तर पर पहला स्थान हासिल किया है। इस उपलब्धि पर माँझी के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. रोहित कुमार ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि आशा कार्यकताओं की मेहनत और समर्पण के कारण ही यह संभव हो सका है। उन्होंने आशा कार्यकताओं की सराहना करते हुए कहा कि सरकार की योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुँचाने में आशा अहम भूमिका निभाती हैं। उनकी वजह से ही माँझी स्वास्थ्य केंद्र आज जिले में नंबर एक स्थान पर पहुँचा है। डॉ. कुमार ने आयुष्मान कार्ड की महत्ता बताते हुए कहा कि यह योजना गरीब और कमजोर वर्ग के परिवारों के लिए वरदान है। इसके तहत हर परिवार को हर साल 5 लाख रुपये तक की स्वास्थ्य बीमा सुविधा मिलती है। इस योजना से जुड़े अस्पतालों में भर्ती होने पर कैसलेस इलाज की सुविधा भी दी जाती है। माँझी क्षेत्र में इस सफलता से स्वास्थ्य कर्मियों और ग्रामीणों के बीच उत्साह का माहौल है।

डब्ल्यूटीआई के सौजन्य से एक दिवसीय फंदारोधी कार्यशाला का आयोजन

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा। वाल्मीकिनगर स्थित वाल्मीकि विहार के सभागार में डब्ल्यूटीआई के सौजन्य से एक दिवसीय फंदारोधी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में वनकर्मियों को डब्ल्यूटीआई के विशेषज्ञ पावेल घोष ने बारीकी से एंटी स्नेयर गश्ती से जुड़ी जानकारियां दीं।बतादें की वीटीआर जंगल मे शिकारियों की टेढ़ी इजर बनी रहती है।

शिकार केलिए शिकारी तरह तरह के उपकरणों (यंत्रों) का इस्तेमाल करते रहते हैं।इनमें से सबसे खतरनाक बिजली करेंट तार के द्वारा किया जाने वाले हथियार और लैंड फुट कैचर होते हैं।लैंड फुट कैचर लोहे का बना दान्तनुमा औजार होता है जिसमे अगर जानवर का पंजा फंस जाए तो बचना मुश्किल होता है ।इसी यंत्र में गत कुछ दशक पहले नौरंगिया जंगल मे एक बाघ का पंजा फंस गया था जिसमे बाघ की मौत हो गई थी।ठीक इसी तरह चंपापुर और ठाढ़ी जंगल मे करेंट तार से एक गेंडे और तेंदुए की मौत पूर्व में हुई बताई जा रही है।

रेंजर श्रीनिवासन नवीन ने बताया कि गश्ती के दौरान वनकर्मियों की टीम द्वारा जंगल सुरक्षा के साथ साथ जानवरों के लिए बिछाए गए शिकारियों के उपकरण (यंत्र) पर पैनी नजर कैसे रखे और सावधानी बरतते हुए उस यंत्र को कैसे कब्जे में कैसे लें।

मगरमच्छ की बढ़ती तदाद गंडक नदी छोड़ नहरों डोभ नालों और तालाबों आतंक जारी

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा। बगहा में गंडक नदी से निकली कई सहायक नदियों और नहर नालों में डेरा जमाये मगरमच्छों का आतंक जारी है।आलम यह है कि मगरमच्छ गंडक नदी से भटककर रिहायशी इलाकों में प्रवेश कर रहें हैं। ये किसानों के लिए आफत और मुसीबत बन गए हैं। ऐसे में ग्रामीणों और किसानों नें इस अतिजल संरक्षित प्राणी मगरमच्छ के रिहायशी इलाकों में प्रवेश की घटना पर रोक लगाने की मांग की है, क्योंकि अक्सर मगरमच्छ लोगों पर हमला कर उनके हाथ और पैर चबा जा रहे हैं।ये दीगर बात है कि वन विभाग द्वारा किसानों को मुआवजा भी दिया जाता है। लेकिन अगर इस तरह मगरमच्छ की बढ़ती तादाद गंडक नदी का अधिवास क्षेत्र छोड़ सहायक नहरों समेत डोभ और नालों के अलावा तालाब व रिहायशी इलाकों में पहुंचेंगे तो किसी बड़े जान माल के नुकसान से इंकार नहीं किया जा सकता है।बतादें की इनके हमले की खबरे बराबर अखबारों की सुर्खियां बनती रहती है।समाजसेवी अमित कुमार सिंह ने बताया कि ग्रामीणों और किसानों के जानमाल के मद्देनजर सरकार एक योजना बनाकर इनके अधिवास क्षेत्र को सुनिश्चित करे ताकि किसान भयमुक्त वातावरण में खेत खलिहानों की देखभाल कर सके।

विश्व साइकिल दिवस पर मतदाता जागरूकता साइकिल रैली का प. चम्पारण जिले में किया गया आयोजन

बेतिया(घनश्याम) ।साइकिल चलाओ, वोटिंग बढ़ाओ! फिट भी, हिट भी, नारों के साथ निकली रैली.इस अवसर पर मंगलवार को प०चम्पारण जिले में साइकिल दिवस के अवसर पर मतदाता जागरूकता रैली का आयोजन किया गया साथ ही मतदाता शपथ का आयोजन, सेल्फी पॉइंट में सेल्फी लेकर वोट की अपील, स्वीप लोगो रंगोली के माध्यम से वोट की अपील। इस अवसर पर डी आई जी हरिकिशोर राय उप विकास आयुक्त सुमित कुमार उप निर्वाचन पदाधिकारी, नगर आयुक्त जिला जनसंपर्क सूचना पदाधिकारी रोचना माद्री जिला प्रशासन के अन्य अधिकारीगण, स्वीप के अधिकारी एवं स्वीप टीम,जिला शिक्षा पदाधिकारी तथा विभिन्न साइकिल क्लबों के वालंटियर, दिव्यांग वोटर्स, स्काउट गाइड, एन सी सी कैडेटस, रेड क्रॉस, नगर निगम के कर्मी एवं छात्र- छात्राएं एवं अन्य रैली में भाग लिए।

जलापूर्ति बंदकर नलजल प्लांट के मोटर केबिन में घरेलू सामान भरा,पेयजल ठप्प,मची त्राहिमाम

प्रात: किरण संवाददाता

बगहा। वाल्मीकिनगर पंचायत के 13 नम्बर वार्ड के जलनल ऑपरेटर द्वारा गजब का कारनामा किया गया है। जलनल के एक प्लांट को बंदकर उसके मोटर केबिन में घरेलू सामान रख स्टोर बना दिया है। सामान खराब न हो जाए इसलिए प्लांट को बंद कर दिया है। बतादे की वाल्मीकिनगर पंचायत के 13 नम्बर वार्ड जलसंसाधन विभाग का ई टाइप कॉलोनी छोटी पहाड़ी पर बसा हुआ है,जलापूर्ति के लिए जलसंसाधन विभाग के पीएचईडी इकाई से होती है।लेकिन प्लांट की साफसफाई को लेकर पिछले 4 दिनों से जलापूर्ति बंद है।इधर जलनल के दो प्लांट में से एक प्लांट के अंदर बने मोटर केबिन में ऑपरेटर द्वारा स्टोर रूम की तरह इस्तेमाल किए जाने से प्लांट को बंद कर दिया गया है।जबकि दोनों प्लांट के टँकी को भरकर एक साथ पेयजलापूर्ति किया जाना चाहिए ताकि प्लांट से दूर घरों में पानी प्रेसर से पहुंच सके।लेकिन एक प्लांट बंदकर सिर्फ बिना टंकी भरे मोटर चालूकर जलापूर्ति की जा रही है।इस कारण प्लांट से दूर कॉलोनी के तीसरी लेन के घरों में पेयजल नहीं पहुंच पा रही है।जिससे गर्मी के दिनों में पेयजल के लिए त्राहिमाम मची हुई है।समाजसेवी अमित कुमार सिंह ने बताया कि यह घोर लापरवाही और अमानवीय कृत्य है।निजी स्वार्थ के लिए भीषण गर्मी में पेयजलापूर्ति बंद करना कहीं से भी जायज नहीं ठहराया जा सकता है।इसकी जांचकर कार्यवाई होनी चाहिए।

विश्वविद्यालय में शैक्षणिक एवं वित्तीय ऑडिट हो :आरएसए

छपरा सदर। मंगलवार को आर एस ए के पदाधिकारी के द्वारा प्रेस वार्ता कर जयप्रकाश विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोलने का ऐलान किया गया। संगठन के नेताओ ने कहा कि विवि में शैक्षणिक ऑडिट एवं वित्तीय ऑडिट राज्य सरकार जल्द से जल्द कराये! जितने भी झूठ शैक्षणिक दृष्टिकोण से इन्होंने अखबार में बयान दिया है,उसका ऑडिट होना जरूरी है। जितना विश्वविद्यालय से लेकर महाविद्यालय में लूट हुआ है उसकी वित्तीय ऑडिट भी होना जरूरी है। छात्र नेताओं ने कहा कि प्रो० इरफान अली को बिहार राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम में वर्णित प्रावधानों का खुला उल्लघंन करते हुये राजनीति विज्ञान के स्नातकोत्तर विभाग का विभागाध्यक्ष बनाया गया है। नियमानुकूल ढंग से स्नातकोत्तर विभाग का विभागाध्यक्ष प्रो० केदार प्रसाद को होना चाहिये न कि प्रो० इरफान अली को इसलिये इनको अविलंब राजनीति शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष के पद से मुक्त करते हुये, रामजयपाल महाविद्यालय छपरा में भेजा जाना चाहिए इसको लेकर कुलपति को आवेदन भी दिया गया था लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। पूरे विश्वविद्यालय में नियम कानून से कोई काम नहीं हो रहा है।यह देश का यह पहला विश्वविद्यालय है जो शपथ पत्र पर छात्र-छात्राओं का परीक्षा फॉर्म भरवा रहा है। समय से अंक पत्र छात्र-छात्राओं का नहीं दिया जा रहा है। प्रवेश से लेकर परिणाम ठीक ढंग से जारी नहीं हो रहा है। इन तमाम मुद्दों को लेकर संगठन चरणबद्ध तरीके से आंदोलन प्रारंभ करेगी। पहले चरण में तीनों जिलों के मुख्यालय में पुतला दहन किया जाएगा। उसके बाद धरना,प्रदर्शन एवं अनशन के माध्यम से विश्वविद्यालय में फैले भ्रष्टाचार जातीयता के खिलाफ संघर्ष किया जाएगा। जब तक विश्वविद्यालय में नियम कानून से काम नहीं होगा एवं प्रवेश, पढ़ाई,परीक्षा और परिणाम में सुधार नहीं होंगे तब तक संघर्ष जारी रहेगा। प्रेस वार्ता में प्रमुख रूप से शिवम सिंह, द्रवेश आनंद, आदित्य सिंह, राजेंद्र कुमार, सिमरन भारती, निशु कुमारी थी।

कृष्ण भक्ति ने भगवान शिव को बनाया गोपेश्वर : चंद्रभान द्विवेदी

बाल कलाकार कृति के कृष्ण भजन पर झूमे श्रोता

रसूलपुर।भक्ति की शक्ति अपरंपार होती है।कृष्ण भक्ति ने भगवान शिव को गोपेश्वर बना दिया।अतरसन मेदूछपरा गांव में श्री राधाकृष्ण प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ में प्रवचन करते प्रसिद्ध कथावाचक पं. चन्द्रभान द्विवेदी उर्फ केन बाबा ने उक्त बातें कहीं।कहा कि भगवान कृष्ण की रासलीला भक्ति प्रेम ने भगवान शिव को गोपेश्वर नाम दे दिया।गोकुल में आज भी पहले गोपेश्वर मंदिर का ही दर्शन भक्तों को होता है।भागवत कथा के क्रम में केन बाबा ने कहा कि वाणी कभी क्षय नहीं होती ,इसलिए मानव को सोच समझ कर बोलना चाहिए और गलत नहीं बोलना चाहिए।हमारी वाणी ब्रह्माण्ड में हमेशा विद्यमान रहती है।अर्जुन- द्रौपदी स्वयंवर की संगीतमय कथा केन बाबा ने कही।कहा कि कथा श्रवण से धरती ही नहीं बल्कि कथा श्रवण करने वाले भक्तों के पूर्वज पितर की आत्मा भी अपने को धन्य मानती है।प्रवचन की समाप्ति बाद स्थानीय बाल कलाकारा कृति कुमारी के झूला लागे कदम की डारी झूले राधा नंद किशोर कजरी और महेन्द्र मिश्र रचित कृष्ण भजन गीतों की प्रस्तुति हुई जिस पर लोग झूमते नजर आये।मौके पर जजमान बने नागेंद्र यादव,मुखिया प्रतिनिधि रंजीत यादव गुड्डू ,समाजसेवी सत्यनारायण यादव आदि समेत बड़ी संख्या में महिला पुरूष भक्त श्रद्धालु उपस्थित थे।

एचआईवी एवं संबंधित स्वास्थ्य विषयों पर युवाओं में जागरूकता हेतु जिला स्तरीय प्रशिक्षण, कार्यक्रम का आयोजन

प्रात: किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। बिहार राज्य एड्स नियंत्रण समिति (इरअउर) के दिशा-निदेर्शों के अनुरूप आज दिनांक 03 जून 2025 को सारण जिला के प्रतिष्ठित राजेंद्र कॉलेज, छपरा में रेड रिबन क्लब के पियर एजुकेटर्स के लिए एक दिवसीय जिला स्तरीय क्षमतावर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कॉलेज एवं विश्वविद्यालय स्तर पर नामित रेड रिबन क्लबों के पियर एजुकेटर्स को एचआईवी/एड्स और युवा स्वास्थ्य संबंधी जैसे संवेदनशील विषयों पर जागरूक एवं प्रशिक्षित करना था, ताकि वे अपने स्तर पर युवाओं के बीच प्रभावी जागरूकता फैला सकें। कार्यक्रम का उद्घाटन राजेंद्र कॉलेज के प्राचार्य प्रो. उदय शंकर पांडे व कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. तनु गुप्ता ने संयुक्त रूप से किया। प्राचार्य ने बताया कि यह प्रशिक्षण युवाओं में न केवल एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूकता बढ़ाएंगे, बल्कि एक सशक्त, स्वस्थ एवं जागरूक युवा समाज के निर्माण में भी सहायक सिद्ध होंगे। बिहार राज्य स्वास्थ समिति से राहुल सिंह ने युवाओं को प्रशिक्षित किया और विभिन्न सत्रों में प्रशिक्षण और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की । उन्होंने एचआईवी संक्रमण के कारण, लक्षण, रोकथाम एवं उपचार, युवा वर्ग में एचआईवी की संवेदनशीलता और उससे निपटने के उपाय, सुरक्षित यौन व्यवहार, स्वैच्छिक परामर्श एवं जांच केंद्र (क्डळउ) की भूमिका आदि के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. तनु गुप्ता ने कहा कि पियर एजुकेटर्स की भूमिका, संचार कौशल एवं लीडरशिप समाज के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा । प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्रिंस कुमार सिंह, राजेंद्र कॉलेज, द्वितीय - साक्षी कुमारी, राजेंद्र कॉलेज, तृतीय - रूपेश कुमार निषाद, राजेंद्र कॉलेज, चतुर्थ - सिमरन कुमारी, जगदम कॉलेज और पंचम - सलोनी कौशिक, राजेंद्र कॉलेज के छात्र रहे। सभी चयनित छात्रों को प्राचार्य महोदय के द्वारा पुरस्कृत किया गया । कार्यक्रम में जिले के विभिन्न महाविद्यालयों से आए पियर एजुकेटर ने भाग लिया, जिसमें सचिन, रूपेश, रोबिन, निकिता, रुचि, सपना, मंजीत, अंकिता, सिमरन, राधा, स्वीटी आदि शामिल थे ।सभी प्रतिभागियों को प्रशिक्षण पश्चात प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए।

महाविष्णु यज्ञ एवं राम जानकी मूर्ति का प्राण-प्रतिष्ठा सम्पन्न

जय श्री राम के नारो से गूंज उठा भलुई गांव

नगरा सारण। मढ़ौरा विधानसभा क्षेत्र के बरदहियां पंचायत के भलूही गांव में मंगलवार को भक्ति और श्रद्धा के माहौल में महाविष्णु यज्ञ, राम-जानकी की दिव्य प्रतिमा और शिवलिंग की प्राण-प्रतिष्ठा विधिपूर्वक सम्पन्न हुई।इस धार्मिक अवसर पर भव्य जलभरी शोभा यात्रा का आयोजन किया गया,जिसमें हजारों की संख्या में महिला- पुरुष श्रद्धालु उत्साहपूर्वक शामिल हुए। गांव की गलियों से लेकर मंदिर परिसर तक शंखनाद,मंत्रोच्चार और जयकारों की गूंज सुनाई दी.यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। सिर पर कलश लिए महिलाएं जय कारे की साथ चल रही थी। इस पावन अवसर पर तकिया पंचायत के मुखिया सह भाजपा नेता तथा मढ़ौरा विधानसभा से संभावित विधायक प्रत्याशी शैलेश कुमार यादव भी श्रद्धालुओं के बीच मौजूद रहे, उन्होंने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक कार्यक्रम समाज में सद्भाव, समर्पण और संस्कृति के मूल मूल्यों को जीवंत रखते हैं।इस कार्यक्रम में राहुल राय, अभिषेक कुमार, विशाल राय, धर्मेंद्र राय, रंजन राय, विनोद राय, मैनजय राय, सुरेंद्र राय, दीपक कुमार, चंदन कुमार, प्रदीप कुमार समेत कई अन्य श्रद्धालु और समाजसेवी शामिल हुए। यह कार्यक्रम ग्रामीणों की मेहनत और सामूहिक भागीदारी से आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

बच्चे मां-बाप व गुरू का सदैव सम्मान करें: चित्राली उपाध्याय

● अमनौर के मानपुर में आचार्य के वैदिक मंत्रोच्चारण से गूंज उठा अरना कोठी

प्रात: किरण संवाददाता

भेल्दी। विवेक की खोज है सत्संग।रामचरित मानस जिन्दगी जीने के तरीके सिखाते हैं।भगवान का नाम जीवन को धन्य कर देती है।बिना श्रद्धा के परमात्मा का दर्शन असंभव है। उक्त बातें सारण की सनातनी चित्राली ने अमनौर प्रखण्ड के मानपुर अरना कोठी में चल रहे नौ दिवसीय श्री रूद्र महायज्ञ के चौथे दिन श्रद्धालु श्रोताओं के बीच प्रवचन करते हुए कहीं।उन्होंने कहा कि हर घर में कथाएं होगीं तो आपके बच्चे सांस्कारिक होगें।ध्यान रहे मां-बाप व गुरू से बढ़कर इस संसार में कोई दूसरा नहीं है इसलिए सभी बच्चे अपने मां-बाप व गुरू का सदैव सम्मान करें?उन्होनें आगे कहा कि प्रभु श्रीराम अगर ज्ञान है तो सीता शक्ति स्वरूपा हैं।भगवान के द्वारा रचित माया प्रकृति है।महान पुण्य संचित होने पर मानव जीवन प्राप्त होता है।मानव जीवन मिलने पर मानव का होना,मोक्ष की इच्छा जागना और महापुरुषों का सत्संग मिलना काफी दुर्लभ है।शांति ढूंढने के लिए परमात्मा की शरणागति में जाना होगा।उन्होंने कहा कि बिनु सत्संग विवेक न होई राम कृपा बिनु सुलभ न सोई।बिना सत्संग के विवेक होने वाला नहीं है।सत्संग सम्मेलन को यूपी अयोध्या के संत परमेश्वराचार्य जी महाराज,साध्वी अंजली,रेमता चार्य जी महाराज,आचार्य प्रवीण मिश्रा पत्रकार राजेश उपाध्याय ने संबोधित किया।पूरी रात श्रद्धालुओं ने रासलीला का भरपूर आनंद लेते हुए भक्ति भाव में सराबोर हो गए।इसके पूर्व संत परमेश्वराचार्य जी रेमता चार्य जी महाराज,राजेश उपाध्याय व सनातनी चित्राली को सम्मानित किया गया।

चुनाव में मंडल अध्यक्षों की जिम्मेवारी महत्वपूर्ण एवं अहम्भूमिका रहेगी : दीपक प्रकाश

छपरा कार्यालय। भारतीय जनता पार्टी पूर्वी एवं पश्चिमी मंडल अध्यक्षों एवं महामंत्रियों की महत्वपूर्ण बैठक मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी के मुख्य कार्यालय पर आयोजित हुई। जिसमें मुख्य अतिथि एवं वक्ता झारखंड के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं भाजपा बिहार प्रदेश सह प्रभारी व राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश ने मंडल अध्यक्ष एवं महामंत्रियों को बुथ सशक्तिकरण का मंत्र दिया तथा मंडल अध्यक्षों और महामंत्रियों से कहा कि चुनाव में आप सब की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण एवं अहम्-होती है। आप सबको बूथ स्तर तक पार्टी को मजबूत बनाना जिससे एन डी ए गठबंधन के प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित हो सके। आप अपना बुथ जीते तो आपने चुनाव जीत लिया, इसलिए बुथ जितना अति आवश्यक है। बुथ स्तर पर बुथ सशक्तिकरण के सभी अधूरे कार्यों को अभिलंब पूरा करना है। सभी मंडल अध्यक्ष पूर्ण रूपेण आगामी दो-तीन महीने पार्टी के लिए समर्पितों हो कर कार्य करें। आज की बैठक की अध्यक्षता जिला उपाध्यक्ष श्रीनिवास सिंह ने किया ।संचालन जिला महामंत्री विवेक कुमार सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन महामंत्री निरंजन शर्मा ने किया तथा आगत सभी अतिथियों का स्वागत महामंत्री धर्मेंद्र शाह ने किया। आज की इस महत्वपूर्ण बैठक में भारतीय जनता पार्टी के सभी मंडल अध्यक्षों के साथ जिला उपाध्यक्ष कृष्णा राम, जिला मंत्री राजीव कुमार सिंह ,रंजन यादव, कोषाध्यक्ष अभय कुमार सिंह ,बलवंत सिंह, सारण पश्चिमी उपाध्यक्ष चैतेंद्रनाथ सिंह, रमाशंकर शांडिल्य, प्रवक्ता राजेश फैशन,भरत मांझी, मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र चौहान,रिंकू सिंह,अनूप यादव, संस्कार कुमार, चंदन सोनी,त्रिलोकी नाथ सिंह, धनंजय सिंह,नीरज कुमार, अभिषेक कुमार,सर्वेश्वर सिंह, मंटु बाबा, रामानंद सिंह,भुलन जी, हरेश्वर सिंह, शुभम वर्मा सहीत सभी मंडल अध्यक्ष मंडल महामंत्री एवं पदाधिकारी उपस्थित थे।

सफलता का परचम लहराने में बेटे से कम नहीं है बेटियां

प्रात : किरण संवाददाता

बिक्रमगंज (रोहतास) आज बिटिया हर क्षेत्र में बेटों से कहीं आगे निकल रही है इस बात को चरितार्थ कर चुकी है धारुपुर गांव के शिक्षक रह चुके त्रिलोकी सिंह के पोती तथा कमलेश सिंह की पुत्री कनिष्का सिंह ने। धारूपुर निवासी त्रिलोकी सिंह के बड़े पुत्र कमलेश सिंह की पुत्री ने यह जेई एडवांस (आईआईटी)में अपना सफलता का परचंभ लहरा कर न सिर्फ अपने गांव और बिक्रमगंज नगर बल्कि जिले का नाम रोशन किया है। बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि के धनी कनिष्का सिंह ने मैट्रिक की परीक्षा में 97 प्रतिशत अंक पाया था तो वही इंटरमीडिएट में भी 90% अंकों से सफलता की परचम लहरा चुकी है।

बता दे कि पिता कमलेश सिंह जहां सहायक मंडल अभियंता के तौर पर चक्रधरपुर में कार्यरत है तो वही माता एसबीआई लाइफ मे कार्यरत है। इस संबंध में जानकारी देते हुए कमलेश सिंह के भाई कार्मेंद्र सिंह ने बताया कि कनिष्का बचपन से ही कुशाग्र बुद्धि की थी और आईआईटी में उसकी सफलता से नसिर्फ परिवार बल्कि क्षेत्र में हम लोग का मान सम्मान बढाई है। इसकी सफलता पर सिर्फ परिवार ही नहीं बल्कि नगर परिषद बिक्रमगंज को गर्व है। बातचीत के क्रम में कनिष्का सिंह ने बताया कि अपनी सफलता का श्रेय वह अपनी मां तथा छोटे भाई को दी तो वही अपने शिक्षकों को भी उन्होंने सफलता के लिए श्रेय दिया।

अंचल कार्यालय में निगरानी विभाग की कार्रवाई

दाखिल खारिज के नाम पर 20 हजार घूस लेते राजस्व कर्मचारी गिरफ्तार

प्रातः किरण संवाददाता

पटना :- गोपाल विद्यार्थी जिले के बिक्रम अंचल कार्यालय में पटना निगरानी विभाग की टीम ने अंचल के राजस्व कर्मचारी सोनू कुमार को 20 हजार घूस लेते हुए गिरफ्तार कर लिया।

जिसके बाद अंचल कार्यालय में हड़कंप मच गया। इधर सोनू कुमार को टीम ने गिरफ्तार का पटना ले गई है। दरअसल बिक्रम प्रखंड के अराप गांव निवासी रवि शंकर कुमार के अराप मौजा में 9 कट्ठा जमीन को लेकर पिछले 7 महीने से विवाद चल रहा था। जहां रविशंकर कुमार ने पहले विवाद को लेकर पालीगंज अनुमंडल के डीसीएलआर को आवेदन दिया उसके बाद हाई कोर्ट में आवेदन किया। जहां पटना हाई कोर्ट के आदेश पर फैसला रविशंकर कुमार के पक्ष में आया। वही रिपोर्ट को लेकर विक्रम अंचल कार्यालय को आदेश दिया गया था। जिसके बाद बिक्रम अंचलाधिकारी स्वयं प्रभा ने रिपोर्ट के लिए अपने कर्मचारी सोनू कुमार को आदेश दिया था लेकिन कब्जा और रिपोर्ट बनाने के नाम पर राजस्व कर्मचारी सोनू कुमार रविशंकर कुमार को 3 महीने से दौड़ा रहा था साथ ही काम करने के एवज में 20 हजार रुपये की मांग की ।जिसके बाद रविशंकर कुमार ने इसकी शिकायत पटना निगरानी विभाग को किया तो वहीं टीम ने कार्रवाई करते हुए राजस्व कर्मचारी को रंगेहाथ 20हजार घूस लेते हुए बिक्रम अंचल कार्यालय से गिरफ्तार कर लिया।

इधर पूरे मामले पर पटना निगरानी विभाग के पुलिस उपाधीक्षक अभिजीत कौर ने बताया कि बिक्रम अराप गांव निवासी रविशंकर कुमार के लिखित शिकायत पर टीम का गठन किया गया तथा मंगलवार को विक्रम अंचल कार्यालय में शिकायत को लेकर राजस्व कर्मचारी सोनू कुमार को 20 हजार घूस लेते की गिरफ्तार किया गया है फिलहाल निगरानी विभाग की टीम गिरफ्तार राजस्व कर्मचारी से पुलिस पूछताछ कर रही है।

मुख्यमंत्री से जदयू नेत्री की मुलाकात ने काराकाट में चुनावी हलचल को किया तेज

प्रात : किरण संवाददाता

काराकाट (रोहतास) बिहार विधानसभा का चुनावी पारा धीरे-धीरे अंगड़ाई लेने लगा है। जिसको लेकर सियासी गलियारों की हलचलें भी तेज होने लगी है। जहां विभिन्न पाटीर्यों के बीच चुनावी उठा-पटक का दौर शुरू हो गया है। सियासत की शतरंजी चालें अब पटल पर आने लगी हैं। जिस लेकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी बिहार की चुनावी रणनीति में अपनी शतरंज की चाल से विपक्षी इंडिया महागठबंध को एनडीए गठबंधन के साथ उन्हें चुनावी मात देने की तैयारी में जुट गए है।

वही एनडीए गठबंधन विरोधियों पर सियासी हमले कर उनकी धार को कमजोर करने में लगे है। इसी कड़ी में रोहतास जिला का काराकाट विधानसभा क्षेत्र में इस बार सियासी हलचल तेज हो गई है। जिसका मुख्य कारण जदयू के लिए समर्पित जदयू नेत्री अरुणा देवी का काराकाट विधानसभा से जदयू की सीट से चुनाव लड़ने की अटकलों को एक नया रूप देता नजर आ रहा। क्योंकि बताया जा रहा है लगातार काराकाट विधानसभा क्षेत्र से बीजेपी प्रत्याशियों की महागठबंधन के हाथों हार का सामना करना पड़ रहा है। जिससे काराकाट क्षेत्र के जनता के मूड से स्पष्ट होता है कि काराकाट की जनता एनडीए गठबंधन से भाजपा प्रत्याशी को छोड़ जदयू प्रत्याशी को देखना चाहती है।

जो काराकाट विधानसभा चुनावी समीकरण को तैयार करने लिए बताया जा रहा है कि बिहार के विकास पुरुष मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जदयू की ईमानदार-जुझारू और कर्मनिष्ठ जदयू नेत्री अरुणा देवी को अपने पटना आवास पर बुलाकर उन्हें सम्मानित करते हुए काराकाट विशेष चुनाव तैयारी पर चर्चा की।

जिस मुलाकात की फोटो इन दिनों सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रहा है। हालांकि संदर्भ में जदयू नेत्री अरुणा देवी ने बताया कि इस चुनाव में विकास पुरुष आला कमान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का जो फरमान होगा उसके मै काराकाट विधानसभा क्षेत्र के जनता की प्यार के साथ करने लिए दिल से समर्पित रहूंगी।

डीएम ने डॉ.अंबेडकर समग्र सेवा अभियान की प्रगति के संबंध में की समीक्षात्मक बैठक आयोजित

प्रातः किरण संवाददाता

आरा। जिलाधिकारी, भोजपुर तनय सुल्तानिया की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में डॉ. अंबेडकर समग्र सेवा अभियान की प्रगति के संबंध में समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। समीक्षा के क्रम में जिलाधिकारी ने सर्वप्रथम सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों से महादलित टोलों में आयोजित विशेष शिविर में प्राप्त आवेदनों एवं उनके निष्पादन की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी अपने-अपने प्रखंड अंतर्गत विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए पोर्टल पर प्राप्त सभी आवेदनों का शत-प्रतिशत निष्पादन अविलंब सुनिश्चित करें।इसके साथ ही जिलाधिकारी ने सभी विभागों के जिला स्तरीय नोडल पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने विभाग से संबंधित प्राप्त आवेदनों की सतत निगरानी करें एवं समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी विकास पदाधिकारियों से आधारभूत संरचना निर्माण कार्यों, जैसे कि मुख्यमंत्री पक्की गली-नाली योजना, मुख्यमंत्री टोला संपर्क योजना, हर घर नल-जल योजना, सामुदायिक भवन सह वर्कशेड निर्माण योजना एवं मॉडल टोला निर्माण की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। साथ ही संबंधित विभागों के नोडल पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि वे आपसी समन्वय के माध्यम से टोलों की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति सुनिश्चित करें।इस बैठक में उप विकास आयुक्त श्रीमती गुंजन सिंह, अपर समाहर्ता, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला पंचायती राज पदाधिकारी, डीआरडीए निदेशक, जिला सूचना एवं जनसंपर्क पदाधिकारी, सभी अंचलाधिकारी, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, सभी पंचायती राज पदाधिकारी, सभी कार्यपालक पदाधिकारी, नगर निकाय,सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

भोजपुर समाहरणालय में विश्व साइकिल दिवस पर स्वीप कोषांग भोजपुर द्वारा साइकिल रैली का आयोजन

प्रातः किरण संवाददाता

भोजपुर। समाहरणालय परिसर में विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर स्वीप कोषांग भोजपुर द्वारा एक साइकिल रैली का आयोजन किया गया। इस रैली का मुख्य उद्देश्य शहर में लोगों को विधान सभा आम निर्वाचन ,2025 में वोट डालने के लिए प्रेरित करना था।रैली का आयोजन सुबह 6:30 बजे भोजपुर समाहरणालय के मुख्य द्वार से शुरू हुआ। रैली में लगभग 100 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जिनमें छात्र, शिक्षक, स्थानीय नागरिक और विभिन्न संगठनों के सदस्य शामिल थे। रैली शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए पुनः भोजपुर समाहरणालय में समाप्त हुई।उद्देश्य:रैली का मुख्य उद्देश्य लोगों को विधान सभा आम निर्वाचन ,2025 में वोट डालने के लिए प्रेरित करना था।रैली में लोगों की अच्छी भागीदारी देखने को मिली। प्रतिभागियों ने उत्साह के साथ साइकिल चलाकर रैली में हिस्सा लिया और विधान सभा आम निर्वाचन ,2025 में वोट डालने के लिए प्रेरित भी किया।

इस रैली के माध्यम से विधान सभा आम निर्वाचन ,2025 में वोट डालने के लिए प्रेरित करना था।भोजपुर समाहरणालय में आयोजित यह साइकिल रैली एक सफल आयोजन रहा। इस रैली ने विधान सभा आम निर्वाचन ,2025 में वोट डालने के प्रति जागरूकता के बारे में जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

रेलवे स्टेशन से रेल टिकट बिक्री करने वाला दलाल गिरफ्तार

डेहरी ऑन सोन (रोहतास) रेलवे ने गुप्त सूचना पर निरीक्षक प्रभारी डेहरी ऑन सोन रामविलास राम के निर्देश में अनुग्रह नारायण रोड स्टेशन स्थित आरक्षण कार्यालय में तत्काल आरक्षण के समय प्रधान आरक्षी बृजभूषण मिश्रा, आरक्षी अभिमन्यु सिंह, सभी रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट डेहरी ऑन सोन एवम निरीक्षक प्रभारी। सीआईबी गया जी चंदन कुमार सहायक उप निरीक्षक अनिल कुमार चौधरी आरक्षी दीपक कुमार ओझा सभी रेलवे सुरक्षा बल अपराध आसूचना शाखा गया के द्वारा संयुक्त रूप से छापेमारी कर अनुग्रह नारायण रोड स्टेशन स्थित आरक्षण कार्यालय से एक टिकट दलाल प्रिंस कुमार उम्र 22 वर्ष पिता अशोक राय ग्राम जोखारी थाना जम्होर जिला औरंगाबाद को रेलवे के अवैध टिकटों के कारोबार के जुर्म में गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से 8480 रुपए का तत्काल टिकट बरामद हुआ जिसे मौके की सभी कार्रवाई कर रेलवे सुरक्षा बल सुब पोस्ट डेहरी ऑन सोन लाकर उचित कानूनी कार्रवाई करते हुए अग्रिम कार्रवाई वास्ते माननीय रेलवे न्यायालय गया के समक्ष अग्रसारित किया जाएगा।

रालोमा ने विधानसभा चुनावी आगाज का किया जनसंपर्क

नोखा (रोहतास) राष्ट्रीय लोक मोर्चा पार्टी के नेता सच्चिदानंद सिंह ने प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांव में पहुंच लोगों से जनसंपर्क किया। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि समाज में शिक्षा का जनाधार बहुत ही महत्वपूर्ण है। क्योंकि बगैर शिक्षा के कुछ नहीं हो सकता है। साथ ही बताया कि आगामी होने वाली विधानसभा चुनाव का पारा अब धीरे धीरे अपने सियासी रंग में रंग रहा हैं। जिस चुनाव को लेकर सभी जनता को बिहार के विकास के लिए एकजुट होना हैं। ताकि बिहार में कभी अब जंगल राज न आ सके। इसलिए बिहार के विकास के लिए लोगों को अभी से अपने मूड को सेट कर बिहार में एनडीए के नेतृत्व में पुनः एक बार सरकार बनाए।मौके पर देवानंद राम, कृष्ण कुमार, जयप्रकाश चंद्रवंशी, मंगल सिंह चंद्रवंशी, जितेंद्र कुमार सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

जनता दरबार में न्याय हक में लोगों को मिलेगी निष्पक्ष इंसाफ : एसडीएम

प्रात : किरण संवाददाता

बिक्रमगंज (रोहतास) अनुमंडल पदाधिकारी प्रभात कुमार ने अपने नए कार्य के दायित्व को संभालते हुए मंगलवार को अपने कार्यालय कक्ष में जनता दरबार में फरियादियों की समस्याएं सुनीं। जिसमें आम नागरिकों की समस्याओं को सुनने एवं उनके आवेदनों को प्राप्त कर लोक साक्षात्कार किया गया। दरबार में प्राप्त आवेदनों के अविलंब निष्पादन के लिए संबंधित विभागीय अधिकारियों को एसडीएम ने निर्देशित भी किया। अपने पदभार ग्रहण के पहले दिन आयोजित जनता दरबार के संबंध में प्रभात कुमार ने बताया कि राशन कार्ड समस्या, 3 डिसमिल जमीन समस्या के आलवे कुछ विवादित जमीनी मामलों से जुड़े फरियादियों ने अपनी समस्या को रखा।

जिसका निपटारा अविलंब किया जायेगा। एसडीएम ने विभिन्न विभागों के कर्मचारियों को भी हिदायतें देते हुए कहा कि वे जनता की समस्याओं को मौके पर ही हल करें। साथ ही वह अनुमंडल क्षेत्र के अन्य लंबित मामलों को चिन्हित कर जल्द उसका निष्पादन किया जायेगा। यदि कोई भी विभागीय अधिकारी जनहित कार्य के प्रति भ्रष्टाचार में संलिप्त पाए जायेंगें तो उनके उपर हर हाल में सख्त कार्रवाई होगी। क्योंकि जनहित में इंसाफ दिलाना ही जनता दरबार का मुख्य उद्देश्य है।

8 जून को नव संकल्प महा सभा में उमड़ेगा जन सैलाब:-लोजपा

प्रातः किरण संवाददाता

आरा में होने वाली लोजपा रामविलास का नव संकल्प महासभा की तैयारी जोरो पर है।आरा परिषदन में कार्यक्रम की तैयारी का जायजा लेने पहुंचे कार्यक्रम प्रभारी डॉक्टर अभिषेक सिंह ने जिले के पार्टी पदाधिकारियों से विस्तृत जानकारी ली तथा एक प्रेस वार्ता की।प्रेस वार्ता के दरम्यान कार्यक्रम प्रभारी डॉक्टर अभिषेक ने मीडिया को बताया कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री श्री चिराग पासवान जी 8 जून को आरा के रमना मैदान स्थित खेल के मैदान में आयेगे तथा पार्टी द्वारा आयोजित नव संकल्प महासभा कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। श्री चिराग पासवान जी युवाओं का आई कॉन है,युवा बिहारी चिराग पासवान जी को सुनने के लिए पूरे शाहाबाद के लोग आयेंगे।नव संकल्प महासभा में लाखों की संख्या में उमड़ेगी जन सैलाब। जिला अध्यक्ष राजेश्वर पासवान ने प्रेस को बताया कि भोजपुर में हमारे सभी प्रकोष्ठों के पदाधिकारी गण दिन प्रति दिन जन संपर्क कर कार्यक्रम में आने के लिए आग्रह कर रहे है। आरा का इतिहास पुराना रहा है,आरा में हमेशा कार्यक्रम ऐतिहासिक रहा है आगे भी रहेगा।

प्रेस वार्ता में शामिल परशुराम पासवान प्रदेश अध्यक्ष अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ, डॉक्टर अजय प्रदेश अध्यक्ष चिकित्सा प्रकोष्ठ,सुरेंद्र आजाद प्रदेश सचिव,यादव रामसकल सिंह भोजपुरिया प्रदेश कार्य समिति सदस्य, प्रो विजय कुमार सिंह प्रदेश कार्य समिति सदस्य,विकास सिंह जिला अध्यक्ष छात्र प्रकोष्ठ,प्रमोद पासवान,राजेश शाहू,अरविंद ओझा,संतोष पासवान,शाहनवाज बलि खान,श्याम कुमार मनु,प्रेमचंद यादव ,संजीव चौधरी ,प्रकाश कुमार आदि थे।

महायज्ञ के तीसरे दिन पूजन और हवन

ईश्वर अद्वितीय है, आप भरोसा रख के देखो: श्री श्यामसुंदर जी महाराज

प्रात : किरण संवाददाता

अगिआंव. प्रखंड के अगिआंव स्थित कैनाल पथ पर आयोजित श्री सूर्य नारायण प्राणप्रतिष्ठात्मक महायज्ञ के तीसरे दिन विद्वान पंडितों के मुखारविंदू से के पूजन और हवन शुरू किया गया. इसके साथ ही यज्ञशाला का परिभ्रमण शुरू किया गया. तीसरे दिन भी बाबा के भक्तों की भीड़ कम नहीं हुई हालांकि थोड़ी वर्षा जरूर हुई लेकिन बाबा के भक्तों के उत्साह के आगे बारिश का पानी फीका पड़ गया था. महायज्ञ में काशी से चलकर आए यज्ञाचार्य जगद्गुरु स्वामी श्री पुरुषोत्तमाचार्य जी महाराज जी ने यज्ञ की परिभाषा के साथ शामिल होने पर मिलने वाले लाभ के बारे भक्तों को अवगत कराया. व्यवस्थापक स्टार क्लब के अध्यक्ष माननीय श्री मनोज कुमार सिंह ने बताया कि आस पास के गांव से आ रहे लोगों के लिए विशेष सुविधा है किन्ही व्यक्ति को यदि समस्या है तो हमने हेल्प डेस्क भी बनवाया है. बता दे की यह महायज्ञ का आयोजन आगामी 7 जून की शाम में हवन के साथ पूणार्हुति एवं भंडारा के पश्चात ब्राह्मण संत की बिदाई की जाएगी. कथा वाचक श्यामसुंदर जी महाराज अपने निर्धारित समय पर वाचन करते हुए बताते है कि ईश्वर अद्वितीय है ,आप विश्वास करके देखिए ,आपके सभी बिगड़े कार्य बन नहीं जाते तो कहना. कथा के माध्यम से महाराज जी अनुशासन, गृह जीवन, संतान सुख आदि समस्याओं को हल करने और उसका निवारण के लिए बताते है तभी तो हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ जमा होती है. इसके बाद आधुनिक गृहस्त जीवन से संबंधित कथा का भी वाचन भी किया. भक्त भी बड़े ही ध्यान से उनको पूरे तीन घंटा इत्मीनान से बैठकर सुने है. वहीं कमिटी के माध्यम से भक्तों की हर तरह सुविधा जैसे लाइटिंग, पेय जल, महिला पुरुष प्रसाधन केंद्र, रेस्ट रूम, गेस्ट रूम, सीसीटीवी कैमरा से मॉनिटरिंग, पूछ ताछ के लिए मदद काउंटर आदि प्रदान की गई है.

कमिटी स्टार क्लब के द्वारा दी जा रही हर तरह की सुविधाएं: - महायज्ञ के आयोजन में स्टार क्लब के सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान है इसके बाद ग्रामवासियों का भी भरपूर सहयोग है. स्टार क्लब के अध्यक्ष मनोज सिंह, उपाध्यक्ष शंकर यादव सचिव संजय शर्मा, योगिंद्र पंडित, सरयू सिंह ,रामनारायण शर्मा , मणिकांत सिंह, रविकांत सिंह, रमाकांत सिंह, अप्पू शर्मा, नवीन सिंह, तलकेश्वर सोनी, आनंद कुमार सिंह उर्फ गुड्डू सिंह, पहाड़ी सिंह, संतोष सिंह ,रमेश पासवान , मुन्ना पंडित के द्वारा दूर से आ रहे भक्त श्रद्धालुओं की सुविधाएं दी जा रही है. इसके बाद इनके द्वारा नियुक्त वॉलिंटियर का भी सहयोग है. हर भीड़ वाली जगह पर एक वॉलिंटियर मौजूद है.

यज्ञस्थल पर रखा गया सभी देवी देवताओं को मूर्तियां:- पहली बार यज्ञस्थल पर सभी देवी देवताओं की मूर्तियां सुसज्जित ढंग से रखा गया है . इसके तहत समुद्र मंथन, की तस्वीरें, भगवान गणेश, शंकर जी, पार्वती जी, सीता राम जी ,राधे कृष्ण जी, विश्वकर्मा जी, ताड़िका सहित कुल 52 देवी देवताओं की मूर्तियां बनकर पोखर के किनारे सजाया गया है।

रिटायर्ड बीएमपी जवान की हुई हत्या

प्रात : किरण संवाददाता

काराकाट(रोहतास) : काराकाट थाना क्षेत्र अंतर्गत जमुआ बाल पर रिटायर्ड बीएमपी के हवलदार 70 वर्षीय अंबिका पांडेय पिता स्व.जानकी पांडेय की हत्या सोमवार की रात में अरूण पांडेय के हाता में कर दी गई है । घटना की जानकारी लोगों को मंगलवार को दोपहर 1 बजे हुई है । घटना की सूचना पर पुलिस वहां पहुंच कर मामले की छानबीन कर रही है । एसडीपीओ बिक्रमगंज कुमार संजय ने बताया कि हत्या का कारण स्पष्ट नहीं है । परिजन अरूण पांडेय और उसके पुत्र विकेश पांडेय द्वारा हत्या किए जाने का आरोप लगा रहे है, अभी दोनों फरार है ।इन लोगों के गिरफ्तारी के बाद हीं कुछ स्पष्ट हो पायेगा । उन्होंने बताया कि मृतक अक्सर यहां आते थे और पिता पुत्र से बातें करते थे ।

कभी-कभी तो रात में भी यहीं सो जाते थे । परिजनों के अनुसार सोमवार को सुबह 10 बजे घर से खाना खाकर निकले थे । जब दूसरे दिन सुबह तक वापस घर नहीं लौटे तो परिजन खोजबीन शुरू की ।लोग हाते में आये तो देखा कि खून से लथपथ उनका शव पड़ा है । इस संबंध में पुलिस को सूचना दिए । पुलिस वहां पहुचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है । पुलिस मामले छानबीन कर रही है ।

जिला प्रवक्ता बनाये जाने पर दी बधाई

प्रात : किरण संवाददाता

बिक्रमगंज(रोहतास) : भारतीय जनता पार्टी जिला रोहतास के अध्यक्ष संतोष पटेल ने अपने जिला प्रवक्ताओं की सूची जारी की। उनमें ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष तथा रोहतास जिले के 20 सूत्री सदस्य नवीन चंद्र शाह को जिला प्रवक्ता के रूप में चयन किया गया है, जो दल के अनेक दायित्व का निर्वहन श्रद्धा एवं निष्ठा पूर्व के कर चुके हैं। उनमें काराकाट लोक सभा के संयोजक, दिनारा विधानसभा के प्रभारी, मंडल प्रभारी, मंडल अध्यक्ष, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष कई कार्यक्रम के प्रभारी इत्यादि। जिले तथा बिहार के प्रदेश पदाधिकारी ने इनके मनोनीत होने पर अपने-अपने विचार व्यक्त किया। व्यापार प्रकोष्ठ के संयोजक राजू गुप्ता ने इन्हें कर्मठ एवं होनहार कार्यकर्ता बताया। हम के जिला अध्यक्ष कमलेश पासवान ने अपने बधाई संदेश में इनके चयन को उचित बताया। तथा प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में पेयजल व्यवस्था में लगे नवीन चंद्र शाह को कुशलतापूर्वक कार्य करने के लिए भी बधाई दी। संस्कृति प्रकोष्ठ के संयोजक राकेश शर्मा ने कहा कि 9 जून 2024 को प्रधानमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में भी सम्मिलित हुए थे। बधाई देने वालों में हम के जिला अध्यक्ष कमलेश पासवान, जिला के महामंत्री प्यारेलाल ओझा, विशाल आनंद, जिला के उपाध्यक्ष सत्येंद्र सिंह, सुनीता गुप्ता, मंडल अध्यक्ष नागेश्वर कुशवाहा, मंडल उपाध्यक्ष नवनीत शाह, राकेश रंजन, अशोक पांडेय, पिंटू, अवधेश, पूर्व प्रधानाचार्य बनारसी ठाकुर, शिक्षक रमाकांत सिंह, मुखिया राजेंद्र प्रसाद गुप्ता आदि थे।

सूढी अधिकार महासम्मेलन को सफल बनाने के लिए चलाया गया जनसंपर्क अभियान

8 जून को पटना के बापू सभागार में आयोजित होगा महासम्मेलन

भोजपुर सूढी समाज बापू सभागार पहुंचने का लिया संकल्प : आलोक अंजन

अभय आर्या

आरा। अखिल भारतीय सुढी (वैश्य) संगठन के तत्वाधान में आगामी 8 जून को पटना में आयोजित होने वाले सूढी (वैश्य) अधिकार सम्मेलन को सफल बनाने के लिए मंगलवार जिले के विभिन्न गांव में जनसंपर्क अभियान चलाया गया। इसके बाद आरा शहर के एमपी बाग में एक बैठक का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता अखिल भारतीय सूढी (वैश्य) संगठन भोजपुर के जिला अध्यक्ष आलोक अंजन उर्फ छोटे ने किया। अध्यक्ष के अलावे जिला सचिव कृष्ण मुरारी गुप्ता, उपाध्यक्ष सोनू गुप्ता, पप्पू गुप्ता, विकास गुप्ता ,पुतुल गुप्ता,मनोज कुमार,अजय आकाश,दीपू कुमार,रजनीश कुमार,राजू कुमार साह,,कमलेश कुमार (तुनु)आदि ने सघन दौरा करते हुए अपने समाज के भिन्न-भिन्न गांव में दौरा किया। जिस- जिस गांव में समाज के लोगों के साथ दौरा हुआ, उस गांव के सुढी समाज के लोगों में गजब सी उत्साह देखने को मिला। सभी लोगों ने अपनी-अपनी व्यवस्था से 8 जून को बापू सभागार पहुंचने का दृढ़ संकल्प लिया और अपने आसपास के गांव में किसी-किसी गांव में एक घर है दो घर है। अपने समाज के लोग उन लोगों को भी ले जाने का वचन दिया। इस दौरान फतेहपुर, पीरो, सिकरहटा, पवना, खुटहां, मोपती, सहार, ननउर इत्यादि गांवों में जनसंपर्क अभियान चलाया गया। सभी लोगों से 8 जून को बापू सभागार में पटना में पहुंचने का आग्रह किया है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है सुंडी समाज को अति पिछड़ा में शामिल करना, राजनीतिक भागीदारी सुरक्षा कानून लागू करना, बोर्ड का गठन करना, राजनीतिक उत्थान, सामाजिक उत्थान इत्यादि विभिन्न मांगों को लेकर हम लोग 8 जून को पटना के बापू सभागार में एकजुटता का परिचय देंगे। भोजपुर जिला से लगभग हजारों की संख्या में सढ़ी समाज के लोग बापू सभागार भरने का काम करेंगे।

8 जून को पटना चलें अभियान को ले मधुबनी में लगातार जनसभा जारी

अभय आर्या

मधुबनी। जिला अंतर्गत बेनीपट्टी प्रखंड के नगवास गांव (अरेर) में प्रस्तावित 08 जून बापू सभागार पटना सम्मेलन हेतु आयोजित कार्यक्रम में शामिल हो कर अपने बंधुओं को भारी से भारी संख्या में पहुंच ह्सूड़ी अधिकार महासम्मेलनह्व को सफल बनाने की अपील बतौर प्रमंडल संयोजक किए।लोगों का उत्साह देख लगता है कि समाज द्वारा आयोजित आज तक की सभी रिकॉर्ड उस दिन ध्वस्त हो जाएंगे, समाज एक नया इतिहास बनाने की ओर अग्रसर है।कार्यक्रम का संचालन संजीव हाथी जी द्वारा किया गया।अध्यक्षता श्री गौड़ी राउत जी किए। कार्यक्रम में श्री नरेंद्र नायक,श्री संतोष पूर्वे, श्री सुमन नायक ,श्री रामबहादुर राउत सहित कई स्वजाति उपस्थित रहे। संयोजक भोला राउत को बनाया गया।

जिलाधिकारी ने जिले के संबंधित अधिकारियों को जनता के समस्या को दूर करने के दिया निर्देश

नव नियुक्त जिलाधिकारी ने पहले दिन सभी जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ की बैठक

प्रातः किरण संवाददाता

गया, जिला पदाधिकारी गया शशांक शुभंकर गया द्वारा आज समाहरणालय सभागार में जिला स्तरीय पदाधिकारियों के साथ एक संक्षिप्त परिचय प्राप्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार की अनेको कल्याणकारी योजनाएं एवं जन सरोकार से जुड़ी योजनाओं को आमजनों तक लाभ पहुँचाने में पूरी मदद करें। हर सोमवार को जिला स्तरीय पदाधिकारियों के साथ समन्वय बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमे किन्ही विभाग को दुसरे विभाग से किसी प्रकार की समन्वयन की आवश्यकता पड़ने पर उसे समाधान करवाया जा सके। डीएम का जनता दरबार में आने वाले मामले को पूरी प्राथमिकता से उचित समाधान करवाये है। इसके अलावा सी डब्लू जी सी,एमजीसी,, ऑन-गोइंग वर्क इत्यादि के अनुपालन पर विशेष बल दिया जाएगा। हर शुक्रवार को डीएम का जनता दरबार होता है, इसके अलावा हर दिन जो आमजन मिलने आते हैं उनसे भी मामलों को सुना जाएगा। आने वाले सभी मामलों को अच्छे से संबंधित विभाग निष्पादित करे। कोई मामला को 10 दिनों से ज्यादा लंबित नहीं रखे हैं। अच्छे से काम करे ताकि ज्यादा से ज्यादा लाभ आमजनों को मिल सके। जिला स्तरीय पदाधिकारी हर सप्ताह कमसे कम दो दिन फील्ड विजिट भी करे, किसी टोले में गाँव में जाकर लोगो से संवाद करे, उनसे योजनाओं के लाभ के बारे में जानकारी भी ले। उन्होंने पथ निर्माण, पीएचडी स्वास्थ्य, ग्रामीण कार्य विभाग, पंचायती राज विभाग, कल्याण विभाग सहित सभी विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी को कहा कि आप सभी पदाधिकारी सप्ताह में 02 दिन 02-02 घंटे का शेड्यूल तैयार करे और उसे अपने कार्यालय में प्रदर्शित करवाते हुए लोगो से मिले और उनको समस्या को निदान करे। इस बैठक में उप विकास आयुक्त, नगर आयुक्त, अपर समाहर्ता गण, वरीय उप समाहर्ता गण, जिला स्तरीय पदाधिकारी गण, जिला जन सम्पर्क पदाधिकारी, सिविल सर्जन, विभिन्न विभागों के अभियंता गण उपस्थित थे।

गया जिले में नये जिलाधिकारी शशांक शुभंकर ने प्रभार ग्रहण किया

जिलावासियों, जन प्रतिनिधियों, मीडिया प्रतिनिधियों एवं अन्य संगठनों से अनुरोध किया कि वे जिला प्रशासन को सकारात्मक एवं रचनात्मक सहयोग दें गया जी। गया जी में नये जिलाधिकारी शशांक शुभंकर ने मंगलवार को प्रभार ग्रहण किया है। इस अवसर पर जिला पदाधिकारी ने कहा कि ज्ञान एवं मोक्ष की भूमि गया (गयाजी) में जिलाधिकारी के रूप में पदस्थापित होने पर उन्हें काफी प्रसन्नता है। पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों की टीम के साथ गया (गयाजी) के विधि व्यवस्था एवं शांति व्यवस्था तथा विकास कार्य के लिए कार्य करेंगे। जिलाधिकारी ने कहा कि जिले के अंतिम पायदान तक के वासियों को सरकार की कल्याणकारी एवं विकासात्मक योजनाओं का लाभ पहुंचाने का कार्य करेंगे। जिलावासियों, जन प्रतिनिधियों, मीडिया प्रतिनिधियों एवं अन्य संगठनों से अनुरोध किया कि वे जिला प्रशासन को सकारात्मक एवं रचनात्मक सहयोग दें।

जनता दरबार में पहले दिन नये जिलाधिकारी द्वारा 23 आवेदकों की समस्याओं को सुना गया

■ समस्या निदान हेतु उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया

गया। दैनिक जनता दरबार में शशांक शुभंकर, जिलाधिकारी, गया द्वारा आज 23 लोगों के समस्याओं का निदान हेतु संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए हैं। पुश्तैनी भूमि पर अतिक्रमण हटवाने से संबंधित मामला निष्पादन हेतु जिलाधिकारी महोदय द्वारा अपर समाहर्ता राजस्व को निर्देश दिया गया है। भूमि विवाद से संबंधित मामले को जिलाधिकारी द्वारा समस्या निष्पादन हेतु अनुमण्डल पदाधिकारी शेरघाटी को निर्देशित किया गया है।आवेदक द्वारा बताया गया कि जमाबंदी में नाम सुधारने से संबंधित मामला निष्पादन हेतु जिलाधिकारी द्वारा अपर समाहर्ता राजस्व को निर्देश दिया गया है।अन्य आवेदनों को भी संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को समस्या निदान हेतु उन्होंने आवश्यक दिशा निर्देश दिए हैं।

जगजीवन महाविद्यालय शिक्षक संघ का हुआ विस्तार, हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमार को बनाया गया उपाध्यक्ष

प्रातः किरण संवाददाता

गया जी।गत माह 20 मई को शिक्षक संघ का चुनाव होने के बाद उसकी पहली बैठक नहीं हो पाई थी। जगजीवन महाविद्यालय की परंपरा रही है कि शिक्षक संघ चुनाव के लिए सिर्फ दो पदों के लिए मतदान किया जाता है जिसमें अध्यक्ष एवं सचिव प्रमुख हैं। शेष तीन पदों के लिए पहली आम सभा की बैठक में उपस्थित नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं सचिव के द्वारा नामित किया जाता है। दिनांक 3 जून 2025 को आम सभा की पहली बैठक में उपाध्यक्ष पद के लिए हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमार को नामित किया गया है। वहीं संयुक्त सचिव एवं कोषाध्यक्ष के लिए क्रमशः मनोविज्ञान विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. राजीव रंजन एवं गणित विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. धर्मेंद्र कुमार को नामित किया गया है। उपाध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमार ने कहा कि संघ के सामने कई ऐसे बुनियादी मुद्दे हैं जिनका समाधान निकट भविष्य में किया जाना अति आवश्यक है। पहली बात तो यह है कि संघ का पंजीकरण करवाना है ताकि संघ की व्यापक मान्यता मिल सके। दूसरा, संघ की नियमित बैठक होती रहे जिससे अकादमिक परिवेश के निर्माण में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक अपनी भूमिका का कुशल निर्वहन कर सकें। संयुक्त सचिव डॉ. राजीव रंजन ने कहा कि शिक्षक संघ के लिए लिखित नियम का होना जरूरी था। इसके लिए पांच सदस्यीय कमेटी बनाई गई थी जिससे चुनाव से संबंधित एवं चुनाव के बाद शिक्षकों के हित में कोई भी निर्णय संघ के नियम के मुताबिक लिया जा सके। आज की आमसभा की पहली बैठक में निवर्तमान सचिव रसायन विज्ञान विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. रश्मि कुमारी का भी सम्मान किया गया है। डॉ. रश्मि कुमारी ने अपने कार्यकाल में किए गए कार्यों का विवरण प्रस्तुत किया है वर्तमान शिक्षक संघ के पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी हैं। इसके साथ ही एक सलाहकार समिति का भी गठन किया गया है जिसके संयोजक जंतु विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. आचार्य शंकर को बनाया गया है। इस समिति में छह सदस्य और हैं जिनमें मनोविज्ञान विभाग की अध्यक्ष डॉ. अनुरानी, रसायनशास्त्र विभाग की सहायक प्राध्यापक डॉ. रश्मि कुमारी, गणित विभाग के अध्यक्ष आदि थे।

वृक्ष बी द चेंज संस्था के विद्यार्थियों ने रचा इतिहास 2025 की जेईई एडवांस परीक्षा में 8 छात्रों ने हासिल की सफलता

प्रातः किरण संवाददाता

गया जी।गया जी जिला के मानपुर पटवाटोली स्थित वृक्ष बी द चेंज संस्था निरंतर गरीब एवं वंचित वर्ग के छात्रों को निःशुल्क गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रही है। यह संस्था विशेष रूप से आइ आईटी-जी एवं नीट जैसी कठिन प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में छात्रों की मदद करती है। इस वर्ष 2025 की जेईई एडवांस परीक्षा में संस्था के कुल 28 छात्रों ने भाग लिया है जिसमें से 8 छात्रों ने आईआईटी के लिए विशेष सफलता अर्जित की है, एवं अन्य छात्र एन आईटी के लिए सफल हुए, जो कि क्षेत्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। यह सफलता संस्था के शिक्षकों की मेहनत, छात्रों की लगन एवं स्थानीय समाज के सहयोग का प्रतिफल है। संस्था से जुड़े सभी शिक्षकों, गैर-शिक्षकीय कर्मियों एवं विद्यार्थियों को जिला अध्यक्ष प्रकाश राम पटवा (व्यवसाय एवं उद्योग प्रकोष्ठ जदयू) तथा मगध बुनकर कल्याण सेवा समिति की ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई है। पटवा ने कहा -मुझे अत्यंत गर्व है कि वृक्ष बी द चेंज जैसी प्रेरणादायक संस्था मेरे अपने गांव पटवाटोली, मानपुर से संचालित हो रही है। यह संस्था न केवल शिक्षा के क्षेत्र में अलख जगा रही है, बल्कि सामाजिक जागरूकता और समावेशी विकास की एक सशक्त मिसाल बन चुकी है। वंचित और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों को निःशुल्क गुणवत्ता-पूर्ण शिक्षा प्रदान कर यह संस्था उनके भविष्य को नई दिशा दे रही है। इस संस्था से जुड़ना मेरे लिए गर्व और सौभाग्य की बात है। मैं संस्था के समस्त शिक्षकों, स्वयंसेवकों, और विद्यार्थियों को बधाई देते हुए इसके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना करता हूं।और अंत में यह कहता हूं किपढ़ाई पैसे से नहीं, पैशन से होती है। जब किसी के अंदर सीखने का जज्बा, मेहनत करने का जुनून और कुछ कर दिखाने की लगन होती है।

कौशल कुमार ने एफ कैट जॉब किया हासिल, करना चाहते हैं देश की सेवा

प्रातः किरण संवाददाता

गया जिला के बेलागंज प्रखंड के स्व सुरेश यादव के पुत्र कौशल कुमार ने एफ कैट जॉब किया हासिल। करना चाहते है देश की सेवा। कौशल कुमार ने बताया 167 नंबर लाकर मैंने एफ कैट जॉब हासिल किया है वही उन्होंने बताया इससे पहले भी मैं बिहार पुलिस जॉब में था और मेहनत लगातार करता रहा रात 12:01 बजे तक मैं पढ़ाई करता था उसी का परिणाम है कि मुझे देश की सेवा करने का मौका मिला। वहीं उन्होंने बताया पिताजी के गुजर जाने के बाद माताजी भाई-बहन एवं गुरु ने मुझे सपोर्ट किया।उन्होंने बताया मैं 9,10 की पढ़ाई बुद्ध कोचिंग में किया जो अभी चांद चौरा में है। इस कोचिंग के डायरेक्टर रवि सर ने हमें बहुत सहयोग किया मैं इनके मार्गदर्शन पर चला और जॉब हासिल किए।

वही बुद्धा कोचिंग के डायरेक्टर रवि कुमार सिंह ने बताया कौशल कुमार हमारे कोचिंग का छात्र रह चुका है और यह बेहद मेहनती बच्चे है इन्होंने काफी मेहनत करके यह जॉब हासिल किया है मुझे बेहद खुशी है कि मैं इनका गुरु हूं।वहीं उन्होंने बताया यह जब भी फ्री होते हैं हमारे कोचिंग में कुछ वक्त बच्चों को देते हैं ताकि बच्चे कुछ सीख सकें।

ट्रांसफर पोस्टिंग को लेकर शिक्षक सेवक संघ के लोगों ने किया बैठक

शेरघाटी। ट्रांसफर पोस्टिंग को लेकर शिक्षा सेवकों ने स्थानांतरण को लेकर मंगलवार को प्रखंड संसाधन केंद्र में बैठक की गई जिसमें बार बार स्थानांतरण किए जाने पर रोष प्रकट गया। शिक्षा सेवक संघ के प्रखंड अध्यक्ष राम पुकार मांझी ने कहा कि कमजोर वर्ग से आने के वरीय अधिकारियों द्वारा परेशान किया जाता है। संघ के सदस्यों ने कहा कि शिक्षक जो 40 से 50 हजार वेतन लेते हैं। वे 15 वर्षों से एक स्थान पर जमे हैं। जबकि अल्प वेतन लेने वाले हम शिक्षा सेवक को 2022 में स्थानांतरण किया गया। तीन वर्ष के अंदर दूसरी बार फिर स्थानांतरण किए जाने के लिए सूची मांगी गई है। सदस्यों ने कहा तबादला के नाम पर आर्थिक दोहन भी कुछ लोगों से किया जाता है। फिलहाल तबादला के लिए ऐच्छिक स्थान मांगा गया है लेकिन उसके बढ़ अधिकारी अपने अनुसार तबादला कर देते हैं। सेवकों ने कहा कि हमलोग विभाग और सरकार का हर आदेश का अनुपालन कर रहे हैं और करेंगे लेकिन काम के अनुसार वेतन वृद्धि भी आवश्यक है। हमलोगों का मांग है कि जिस जगह के लिए हमारी बहाली हुई है। वहां वापस कर दिया जाए। डीपीओ माध्यमिक शिक्षा सह साक्षरता द्वारा की जा रही स्थानांतरण की प्रक्रिया पर रोक लगाई जाए। बैठक में रामजी भुईयां, सुरेन्द्र प्रभाकर, दीपक कुमार, संतोष चौधरी, सिकंदर कुमार, कैलाश भुईयां, रानी कुमारी, आशा देवी सहित 97 शिक्षा सेवक शामिल हुए।

बकरीद को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित

शेरघाटी।अनुमंडल कार्यालय सभागार भवन में मंगलवार को अनुमंडल पदाधिकारी मनीष कुमार के नेतृत्व में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई की बैठक के दौरान ईद-उल-जहां यानी बकरीद को लेकर विभिन्न जगहों पर विधि व्यवस्था बनाए जाने को लेकर चर्चा की गई उक्त बैठक के दौरान शेरघाटी एसपी शैलेंद्र सिंह अंचलाधिकारी उषा कुमारी शेरघाटी थाना अध्यक्ष अजीत कुमार के अलावा कॉमर्स के पुलिस पदाधिकारी वहां चला अधिकारी भी शामिल थे वहीं कई गण्यमान्य लोग भी शामिल थे।

सड़क हादसे में एक महिला के मौत, तीन घायल

शेरघाटी।थाना क्षेत्र के चेरकी-शेरघाटी मुख्य मार्ग खंडेल गांव के निकट तेज रफ्तार नियंत्रित बस ने ऑटो सवार लोगों को मारी टक्कर उक्त घटना में कई लोग हुए घायल वहीं सड़क हादसे में एक महिला की हुई मौत जानकारी के मुताबिक सभी ऑटो सवार लोग शेरघाटी की तरफ से गया जा रहे थे। तभी तेज रफ्तार बस ने ऑटो में टक्कर मार दिया जिससे ऑटो पर सवार एक महिला पूजा कुमारी पति संजय पाल गम्हरिया की मौत हो गई जबकि आधा दर्जन लोग घायल हो गए घायल में रत्ना देवी बोधगया के रहने वाली है जबकि तीन अन्य घायल निजी अस्पताल में चले गए है।

वहीं घटना की जानकारी मिलते ही शेरघाटी थानाध्यक्ष अजित कुमार ने दलबल के साथ मौके पर पहुचकर सड़क जाम कर रहे लोगो को शांत कराया और जाम को हटाया वही इस घटना के बाद स्थानीय लोगों ने बस को पकड़ कर शेरघाटी थाने को सौंप दी लेकिन चालक को हिरासत में लिया गया लेकिन बस को भी जब्त कर लिया गया है।

लोकसभा के नेता राहुल गांधी गया आगमन के लिए वरिष्ठ लोगों के साथ बैठक आयोजित हुई

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी।जननायक राहुल गांधी के गया एवं राजगीर 6 जून को आगमन को लेकर आज दिनांक 03जून को 02, 30बजे कांग्रेस मुख्यालय राजेन्द्र आश्रम के सभागार में गया जिला कांग्रेस कमिटी के जिला अध्यक्ष संतोष कुमार के अध्यक्षता में एक अहम बैठक बुलाई गई है। कांग्रेस के पदाधिकारीगण कांग्रेस कमिटी के सभी पूर्व अध्यक्षगण पूर्व प्रत्याशीगण, सभी प्रकोष्ठ के पदाधिकारिगन सभी प्रखंडों के अध्यक्ष एवं कार्यकताओं कार्यक्रम में भव्य तैयारी करने का संकल्प लिया और विशेष तौर पर माई बहन मान योजना, हर घर झंडा अभियान, सामूहिक चौपाल पर चर्चा किया गया है।, इस कार्यक्रम तैयारी के बैठक मे जिला कार्यकारी अध्यक्ष सहाबुद्दीन रहमानी, उदय मांझी,, कैलाश पाल, डॉ शशि शेखर, सुमंत कुमार, रामउदय प्रसाद, डॉ गगन मिश्रा, , युगल किशोर,, रंजीत सिंह,विशाल सिंह, डॉ पिंकी कुमारी, डा देविका सरियार,

डॉ कुमारी गीता ,धर्मेंद्र निराला, अजय सिंह, विधा शर्मा, बुद्ध सेवक ,अमित सिंह,रंजीत कुमार सिंह, दामोदर गोस्वामी, प्रदीप कुमार शर्मा ओंकार शक्ति, सुनैना रानी अंजनी, शांति देवी, मदीना खातून, देविका सरियार,शौकत निशात,शिव कुमार चौरसिया, मोह्हमद अजहरउद्दीन,धीरेन्द्र सिंह राजकपूर,, कैलाश यादव, बबलू कुमार, राजीव कुमार,नीलम वर्मा,नवल किशोर शर्मा,संजय कुमार,डाउली झा, खालिद अमीन, शिवनाथ पासवान,शशि किशोर शिशु, धर्मवीर सिंह, जगदीश यादव, ललन दास, शाहिल गुप्ता, नरायण कुमार, ओम निराला, शांति देवी, मदीना खातुन, लालसा देवी, कमलेश चंद्रवंशी, अशोक प्रसाद भारती सहित सभी प्रकोष्ठ के पदाधिकारीगण बैठक मे उपस्थित हुये है

आर्म्स एक्ट में दोषी को तीन साल की सजा

औरंगाबाद। व्यवहार न्यायालय औरंगाबाद में एसीजेएम -चार न्यायधीश प्रदीप चंद्रा ने नवीनगर थाना कांड संख्या 56/10, ट्रायल संख्या -768/25 में निर्णय पर सुनवाई करते हुए अभियुक्त को सजा सुनाई है, सहायक अभियोजन पदाधिकारी रणबीर ने बताया कि प्राथमिक अभियुक्त जितेन्द्र चंद्रवंशी रघुनाथगंज नवीनगर को आर्म्स एक्ट की धारा 25(1-बी)ए में तीन साल की सजा और एक हजार रुपए जुमार्ना लगाया है, तथा धारा 26 में दो साल की सजा और एक हजार रुपए जुमार्ना लगाया है, दोनों सजाएं साथ साथ चलेगी, अभियुक्त नबीनगर थाना कांड संख्या -55/10 में भी अभियुक्त था,अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि प्राथमिकी सूचक पुलिस अवर निरीक्षक कन्हैया सिंह थानाध्यक्ष नवीनगर 26/03/10 को सुबह में नबीनगर थाना कांड संख्या -55/10 के अभियुक्त को गिरफ्तार करने रघुनाथ गंज शस्त्र बलों के साथ छापेमारी कर रहे थे तो अभियुक्त को घर से गिरफ्तार कर तलाशी में खाट के तकिया के नीचे एक देशी पिस्तौल और कुछ गोलियां बरामद किया गया, अभियुक्त से उससे सम्बन्धित दस्तावेज मांग किया गया तो अभियुक्त ने कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया तब विधिवत जप्ति सुची बनाकर पिस्तौल और गोली जप्त किया गया,इस वाद में चार्जशीट -14/05/10 को आई थी, अभियुक्त पर 18/05/10 को संज्ञान लिया गया था, अभियुक्त पर आरोप गठन 18/05/23 को हुई थी आज निर्णय पर अभियुक्त को दोषी पाते हुए सजा सुनाई गई है,

स्थाई लोक अदालत के अध्यक्ष ने पदभार ग्रहण किया

औरंगाबाद। जिला विधिक सेवा प्राधिकार औरंगाबाद में स्थाई लोक अदालत के अध्यक्ष पद का पदभार पूर्व प्रधान जिला जज अशोक राज ने ग्रहण किया, अधिवक्ता सतीश कुमार स्नेही ने बताया कि स्थाई लोक अदालत बोर्ड औरंगाबाद के अध्यक्ष ने विधिक सेवा प्राधिकार का निरीक्षण कर अभिलेखो की जानकारी ली, और जन कल्याण के कार्य सुगमता से करने में विश्वास जताया,इस अवसर पर प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार औरंगाबाद न्यायधीश दिवान फहद खां उपस्थित थे,स्थाई लोक अदालत के अध्यक्ष के पदभार ग्रहण करने पर लोक अभियोजक पुष्कर अग्रवाल, स्पेशल पीपी कुमार योगेन्द्र नारायण सिंह, शिवलाल मेहता, परवेज अख्तर,जिला विधिज्ञ संघ औरंगाबाद के अध्यक्ष विजय कुमार पाण्डेय महासचिव जगनरायण सिंह, अधिवक्ता संघ अध्यक्ष संजय कुमार सिंह महासचिव सिद्धेश्वर विधार्थी, सहित अन्य ने बधाई दी है,

केंद्रीय मंत्री प्रतिनिधि के नेतृत्व में बोधगया टोल प्लाजा आम जनता की सुविधा हेतु अनेक महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की

प्रातः किरण संवाददाता

गया ।हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (से०) का एक प्रतिनिधिमंडल पार्टी के सांसद प्रतिनिधि रोमित कुमार के नेतृत्व में बोधगया स्थित एनएच-22 टोल प्लाजा के प्रबंधक एवं पदाधिकारियों से मुलाकात हेतु गया है।

प्रतिनिधिमंडल में शेरघाटी अनुमंडल प्रतिनिधि मो. टुटु खान, सदर अनुमंडल प्रतिनिधि इंजीनियर नंदलाल मांझी, पार्टी के जिलाध्यक्ष नारायण प्रसाद मांझी, प्रदेश सचिव अनिल यादव, वरीय नेता असद परवेज, संतोष सागर, एवं राकेश कुमार शामिल थे।

इस बैठक का उद्देश्य टोल प्लाजा के चालू होने के बाद स्थानीय जनता को हो रही समस्याओं को लेकर अधिकारियों से संवाद करना था। प्रतिनिधिमंडल ने आम जनता की सुविधा हेतु अनेक महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की, जिस पर संबंधित अधिकारियों ने जनहित में सकारात्मक आश्वासन दिया और आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिलाया है।उल्लेखनीय है कि बोधगया टोल के शुरू होने के पश्चात स्थानीय निवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। इस विषय को लेकर दर्जनों समाजसेवियों एवं क्षेत्रीय जनता ने सांसद एवं केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी से मिलकर स्थिति से अवगत कराया था। मंत्री जी के निदेर्शानुसार यह प्रतिनिधिमंडल संबंधित अधिकारियों से प्रत्यक्ष संवाद हेतु नियुक्त किया गया है।

कुर्था पुलिस ने एक शराबी को किया गिरफ्तार

कुर्था (अरवल) पुलिस अधीक्षक डॉ0 इनामुल हक मैगनु के निर्देश पर अवैध शराब कारोबारीयो एवं शराबियों के खिलाफ चलाए जा रहे छापेमारी अभियान के तहत कुर्था थाने की पुलिस ने शराब के नशे में एक शराबी को गिरफ्तार पर जेल भेज दी। इस संबंध में कुर्था अपर थानाध्यक्ष शमशेर आलम ने बताया कि कुर्था खेमकरण सराय गांव निवासी स्वर्गीय रामेश्वर पासवान के 37 वर्षीय पुत्र विजय पासवान जो शराब के नशे में धुत था जिसे कुर्था थाने लाया गया जहां ब्रेथ एनालाइजर से जांच के बाद शराब पीने की पुष्टि हुई इसके बाद न्यायालय भेजा गया। इस मौके पर अपर थानाध्यक्ष के अलावे पीटीसी राजीव कुमार,समेत कई पुलिसकर्मी शामिल थे।

नगर आयुक्त द्वारा पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत सोलर सिटी के रूप में डेवलप करने का प्लान को ले की गई समीक्षा

बिजली बचत, लाभ और जागरूकता के लिए दिए गए दिशा निर्देश

प्रात : किरण संवाददाता

गया जी।नगर निगम कार्यालय में मंगलवार को पीएम सूर्य घर मुक्त बिजली योजना के अंतर्गत नगर आयुक्त कुमार अनुराग व साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के नोडल शाखा के साथ समीक्षा बैठक की गई। नगर आयुक्त द्वारा समीक्षा बैठक में निगम शहरी क्षेत्र में बिजली की बचत व सोलर सिटी के रूप में डेवलप करने का प्लान को लेकर विस्तृत रूप समीक्षा के साथ संबंधित शाखा के पदाधिकारियों को कई दिशा निर्देश दिए गए।

नगर आयुक्त कुमार अनुराग ने बताया कि आज बिजली विभाग के साथ केंद्र सरकार की योजना पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना को हर घर लगाने हेतु समीक्षा की गई। इस योजना का उद्देश्य सोलर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देना एवं जीवाश्म ईंधन के उपयोग को कम करना है। इसे लगाने के लिए सरकार की ओर से स्किम के तहत सब्सिडी भी दी जा रही है। नगर आयुक्त ने बताया कि सभी विधुत शाखा, नक्शा बनाने वाले व होल्डिंग से संबंधित शाखा को निर्देशित किया गया है कि सोलर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए लोगों को जागरुक करने के साथ सोलर पैनल लगाते हुए उन्हें प्रेरित करना है। जिससे ज्यादा लोगों को लाभ मिल सकें। इसके लिए पार्षदों से भी सहयोग लिया जाएगा। ताकि अपने अपने वार्ड सोलर पैनल का लाभ लें सकें। इसके अलावा इस योजना का सभी लोग लाभ लें सके, इसके लिए नक्शा शाखा, होल्डिंग से संबंधित शाखा व विधुत शाखा को भी अधिक से अधिक संख्या में लोगों प्रेरित करने के लिए भी निर्देशित किया गया है। साथ ही टास्क भी दिए गए हैं।

पांच साल में पैसा वापस, 25 साल तक मुफ्त जला सकते हैं बिजली

कार्यपाल अभियंता (शहरी) प्रेम कुमार प्रवीण ने बताया कि पीएम सूर्य घर मुफ्त योजना बहुत ही लाभदायक है। जो भी लागत लगेगी वह पांच साल में वापस हो जाएगा। इसके बाद 25 साल तक मुफ्त बिजली का उपभोक्त कर सकते हैं। ज्यादा होने पर विभाग को बेच सकते हैं। इस योजना के तहत मुफ्त बिजली के लिए सब्सिडी की राशि पर घर की छत पर सोलर पैनल लगाया जाएगा। इसके अलावा विभागीय वेबसाइट - पीएमसूर्यघर. जीओभी.आईएन पर जाना होगा। वेबसाइट के खुलने पर दिए स्टेप के अनुसार जानकारी देते हुए अप्लाई करना होगा। सारी प्रक्रिया के बाद कंपनी आपके घर पर सोलर पैनल लगा देगी और बिजली उत्पादन शुरू हो जाएगा। बताया कि इस योजना के तहत एक से लेकर तीन किलोवाट तक सब्सिडी दी जा रही है।एक किलोावाट वाला सोलर पैनल लगाने की कीमत 60 हजार रुपया और सब्सिडी 30 हजार मिलेगी। इसी तरह दो वाट पर एक लाख 20 हजार रुपए कीमत पर 60 हजार सब्सिडी और तीन केवी की लागत मूल्य एक लाख 80 हजार और 78 हजार सब्सिडी वापस लगेगा। तीन किलोवाट से ऊपर लागत मूल्य बढ़ती जाएगी लेकिन सब्सिडी 78 हजार ही मिलेगी।

अखिल भारतीय तेली महासभा की मगध प्रमंडलीय बैठक सम्पन्न

प्रात : किरण संवाददाता

औरंगाबाद। अखिल भारतीय तेली महासभा की प्रमंडलीय बैठक शेरघाटी प्रखंड के महमदपुर गांव में आयोजित किया गया।अखिल भारतीय तेली महासभा के वरिष्ठ सदस्य राजेंद्र प्रसाद गुप्ता के अध्यक्षता में आयोजित बैठक का संचालन युवा अध्यक्ष संदीप कुमार द्वारा किया गया।मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे प्रदेश अध्यक्ष डॉ राम बहादुर प्रसाद गुप्ता की गरिमामई उपस्थिति रही। आगत अतिथियों को आयोजक द्वारा अंग वस्त्र एवं पुष्प हार देकर सम्मानित किया गया।संबोधन के क्रम में प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि वर्तमान परिदृश्य में तेली साहू समाज द्वारा राजनीतिक भागीदारी के लिए अपनी भूमिका का निर्वहन करने के लिए कृत संकल्पित है। ऐसी स्थिति में आज जिस प्रकार से तेली साहू समाज सहित वैश्य समाज के लोगों पर कुठाराघात किया जा रहा है उससे निजात पाने के लिए वैश्य सुरक्षा आयोग का गठन जरूर किया जाना चाहिए जिससे वैश्य समाज के सभी लोगों को सुरक्षा की गारंटी दी जा सके।

जिससे वे अमन चैन के साथ अपने व्यापार को बढ़ावा देकर देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत कर सकें।बहु चर्चित चिर प्रतीक्षित मांग तेल घाणी बोर्ड जिस प्रकार से भाजपा शासित राज्यों में क्रियान्वित होकर मूर्त रूप हो रही है।बिहार सरकार में भी तेल घाणी बोर्ड का गठन कर तेली समाज के लोगों को कल्याण किया जाना चाहिए हालिया समय में विधान सभा चुनाव होने वाली है ऐसी स्थिति में जितनी तेली समाज की भागीदारी है उस हिसाब से संबंधित दल के लोग टिकट का बंटवारा करें जिससे साहू समाज के लोग विधानसभा पहुंचकर अपने देश सहित सामाजिक हित बात कर सकें। विशिष्ट अतिथि शिवहर जिला अध्यक्ष डॉ रामधार साहू, वैशाली जिला अध्यक्ष ललन साहू,प्रदेश युवा महामंत्री पिंटू साहू, डॉ प्रदीप गुप्ता संतोष गुप्ता,राजेश कुमार प्रमोद साहू,राजकुमार साहू, रौशन साहु प्रदेश मीडिया प्रभारी सुरेश विद्यार्थी ने भी साहू समाज के वर्तमान दशा एवं दिशा पर चर्चा किया। मौके पर अजय साहू विजय साहू परमेश्वर साहू,सूरज साहू सुबेदार मेजर डीके गुप्ता सहित अन्य उपस्थित थे।

एक महीने बाद हड़ताल से लौटे राजस्व कर्मचारी, सरकार को जताया आभार

■ सरकार ने माना राजस्व कर्मचारी का कार्य है मुश्किल भरा

कुर्था (अरवल) लगभग एक महीने के हड़ताल के बाद कल दो जून को राजस्व कर्मचारियों के संघ में विधिवत हड़ताल समाप्त करने का औपचारिक ऐलान किया। इस संबंध में कुर्था राजस्व कर्मचारी राजाधिराज विष्णु ने बताया कि राजस्व विभाग के अधिकारियों और संयुक्त संघर्ष मोर्चा के पदाधिकारीयों के बीच सोमवार को सकारात्मक वार्ता हुई जिसमें विभाग ने राजस्व कर्मचारियों की कई मांगे मान ली है। जिसमें वेतन वृद्धि पर सचिव द्वारा यह माना गया कि आज के परिवेश में राजस्व कर्मचारी का काम काफी मुश्किल है सभी दक्ष पढ़े लिखे कर्मचारी विभाग के पास हैं इस पर अन्य राज्यों की तुलना करते हुए लेवल 4 या 5 देने की अनुशंसा पर सहमति हुई। अब राजस्व कर्मचारी के पद को सहायक राजस्व अधिकारी के रूप में बदला जाएगा तथा राजस्व कर्मचारियों की सहायता के लिए एक राजस्व सहायक भी नियुक्त होंगे जो राजस्व कर्मचारी के सहयोगी के रूप में कार्य करेंगे।गृह जिला की मांग पर सचिव ने कहा कि गृह जिला सेवा के अंतिम साल में मिलेगा लेकिन जिला चयन हेतु तीन जिलों का विकल्प राजस्व कर्मचारियों को दिया जाएगा। हालांकि राजस्व कर्मचारियों के अनिश्चितकालीन हड़ताल के बाद सरकार के प्रधान सचिव से हुई वार्ता के बाद राजस्व कर्मचारी पूरी तरह से संतुष्ट दिखे वहीं उन्होंने राज्य सरकार को राजस्व कर्मचारियों की मांगे पूरी करने पर आभार जताया है।

संक्षिप्त खबरें

पानी में डुबने से एक किशोर की मौत

कुशेश्वरस्थान(दरभंगा)। थाना क्षेत्र के बिसुनिया पोखर के निकट पानी से भरे गढ्ढे में डुबने से एक किशोर की मौत हो गई। मृतक किशोर की पहचान नगर पंचायत वार्ड नंबर 11 के धोबलिया गांव निवासी महेश्वर सदा के 13 वर्षीय पुत्र सोनू कुमार के रूप में किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सोनू कुमार दो तीन साथियों के साथ उक्त गढ्ढे में मछली पकड़ रहे थे। इसी दौरान वह गहरे पानी में चला गया और पानी में डुब गया। उसके साथ में मछली पकड़ रहे अन्य किशोरों ने उसे डुबते हुए देख कर हल्ला किया। जबतक लोग पहुंचे और उन्हें पानी से निकाला तब तक सोनू की मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना पर पहुंचे पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए डीएमसीएच भेज दिया। सोनू की मौत की खबर मिलते ही स्वजनों में कोहराम मच गया। सीओ गोपाल पासवान ने घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आपदा प्रबंधन विभाग से मिलने वाले सहायता राशि परिजन को दिया जायेगा।

आपसी विवाद में महिला घायल पीड़िता ने थाने में दिया आवेदन

मसौढ़ी।आपसी विवाद को लेकर एक पक्ष के लोगों ने द्वारा दूसरे पक्ष की एक महिला को मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया. घायल महिला का इलाज अनुमंडलीय अस्पताल में कराया गया।घायल महिला ने स्थानीय थाना में राजबल्लभ मांझी व उसकी पत्नी जिरा देवी के खिलाफ नामजद लिखित आवेदन देकर न्याय की गुहार लगायी है. घायल महिला थाना क्षेत्र के तिनेरी गांव निवासी सोखन मांझी की पत्नी मानती देवी ने स्थानीय थाना में आवेदन में कहा कि सोमवार की लगभग आठ बजे रात्रि में अपने घर के पास बैठे थे,उसी समय राजबल्लभ मांझी व उसकी पत्नी जिरा देवी आई और भद्दी-भद्दी गाली गलौज करने लगा. मना किया तो उनलोगों ने मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया.थानाध्यक्ष अनिल कुमार ने बताया कि मामला को जांच करते हुए कार्रवाई की जा रही है.

लोजपा रा के नव-संकल्प महासभा सफल बनाने को ले चला जनसंपर्क अभियान

अरवल । आगामी 8 जून 2025 को आरा के वीर कुंवर सिंह स्टेडियम रमना मैदान में लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के द्वारा आयोजित नव-संकल्प महासभा को सफल बनाने के लिए लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास पंचायतीराज प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्षा इंदिरा कुमारी एवं लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के जिलाध्यक्ष सत्येन्द्र रंजन के नेतृत्व में कलेर प्रखंड के रूपसागर बिगहा , अमीर बिगहा ,कलेर , मधुश्रवां चौकी , बेलसार , दुगार्पुर सहित दर्जनों गांवों में जनसंपर्क अभियान चलाया गया । जिलाध्यक्ष सत्येन्द्र रंजन एवं लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास पंचायतीराज प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्षा इंदिरा कुमारी ने जनसंपर्क अभियान के दौरान लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केन्द्रीय खाध प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान के हाथों को मजबूत करने के लिए अपने कार्यकताओं के साथ - साथ निवेदन पूर्वक नव - संकल्प महासभा कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया ।

जो पार्टी हक देगी, सुढ़ी समाज उसके साथ जाएगी: शोभनाथ गुप्ता

प्रात: किरण अभय आर्या

रोहतास/डेहरी। अखिल भारतीय सुढ़ी (वैश्य) संगठन बिहार के बैनर तले डेहरी के सभागार में प्रेस वार्ता की गई। जिसमें जिला प्रभारी शोभनाथ गुप्ता ने कहा कि आगामी आठ जून को पटना के बापू सभागार में सुढ़ी (वैश्य) समाजिक एकता, राजनैतिक भागीदारी, शैक्षणिक और बिहार के अति पिछड़ा वर्ग में शामिल करने की मांगों को लेकर सम्मेलन आयोजित की जा रही है। बताया कि हमारा समाज बिहार के 15 विधानसभा में निर्णायक भूमिका में है। वर्तमान में एक आंकड़े के अनुसार हमारे वर्ग के लगभग मतदाताओं की संख्या 40 लाख है। आबादी के हिसाब से बिहार सरकार और राजनैतिक पार्टी को हक देना होगा। जो भी पार्टी हमारे हक दिलाने और राजनैतिक भागेदारी देने का काम करेगी, हमारा संगठन उनके साथ खड़ा होगा। हमारा समाज आर्थिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़ा हुआ है। लोगों को उनका हक मिल रहा है। मौके पर शोभनाथ गुप्ता, अंबुज साहू, सुनील कुमार गुप्ता, संजीव कुमार उर्फ गुड्डू, विशाल देव, शोभनाथ कुमार, रंजीत कुमार, संजीव शौडिक, कुमार, अंबुज साहू आदि थे।

खगड़िया से राजगीर स्पेशल ट्रेन को अलौली से चलने की उठी मांग

अलौली से चलने वाली दोनों पैसेंजर ट्रेन अनियमित विलंब समस्या समाधान हेतु खगड़िया रेलवे जंक्शन पर अतिरिक्त रेल पटरी, लाइन, एवं प्लेटफार्म बढ़ाने की जरूरत : किरण देव यादव

प्रात किरण संवाददाता

अलौली। खगड़िया से राजगीर स्पेशल ट्रेन का परिचालन अलौली से करने की मांग फरकिया मिशन देश बचाओ अभियान के संस्थापक अध्यक्ष किरण देव यादव ने रेल मंत्री, मुख्यमंत्री, प्रबंधक हाजीपुर एवं समस्तीपुर, जिलाधिकारी नवीन कुमार से किया है। उक्त मांगों को लेकर दैनिक यात्री फरकिया वासियों ने एकजुटता का इजहार किया एवं ट्रेन को विलंब से चलने पर आक्रोश व्यक्त किया। पंच सरपंच संघ के जिला अध्यक्ष किरण देव यादव ने कहा कि भीषण ग्रीष्मकाल में यात्रियों का अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने हेतु एवं यात्री सुविधा बनाए रखने हेतु राजगीर से खगड़िया रेल परिचालन स्पेशल ट्रेन का 3 जून से शुरूआत हुई है। खगड़िया से राजगीर के लिए 2:00 बजे अपराह्न मंगलवार, बुधवार एवं शनिवार को सप्ताह में तीन दिन रवाना होना है। समाजसेवी किरण देव यादव ने कहा कि दो पैसेंजर ट्रेन 11:00 एवं 1:00 अलौली से खुलने का समय है किंतु काफी विलंब से आगमन प्रस्थान होने पर फरकिया वासियों को काफी कठिनाइयां होती है। ट्रेन का अलौली आगमन प्रस्थान काफी बिलंब से होता है। पैसेंजर को काफी कठिनाइयां होती है। लंबी इंतजार करना पड़ता है। ट्रेन आकर जाती भी है तो बिशनपुर, कोठिया ढाला, कुतुबपुर के निकट बहुत देर तक ट्रेन को रोकी जाती है। अंततः फरकियावासी रोड से ही यात्रा करना श्रेयस्कर समझते हैं। अनियमित बिलंब ट्रेन परिचालन से फरकिया वासियो को ट्रेन चलने की उपयोगिता एवं उद्देश्य पूरा नहीं हो पा रहा है। फिर ट्रेन चलाने का क्या औचित्य है ? जहां तक जानकारी है कि ट्रेन विलंब का मुख्य कारण खगड़िया में रेलवे लाइन व्यस्त रहने, पटरी व प्लेटफॉर्म का कमी है। उत्तरी भाग का रेलवे स्टेशन स्थल पर दो पटरी रेल लाइन निर्माण होना चाहिए था जिससे 4 5 6 प्लेटफॉर्म निर्माण हो सकता था। उसके बाद उत्तरी रेलवे जंक्शन भवन का निर्माण होना चाहिए था। किंतु भवन बनाकर रेल लाइन को ब्लॉक कर दिया गया। इंजीनियर की अग्रसोची व अनुभव की लापरवाही को दर्शाती है। रैक पॉइंट पश्चिमी ढाला से पश्चिम बनाने की जरूरत है। श्री यादव ने कहा कि वैकल्पिक तौर पर अलौली खगड़िया राजगीर ट्रेन समय पर चलेगी तो फरकियावासी लाभ उठा पाएंगे। वहीं 11:00 एवं 1:00 वाली पैसेंजर ट्रेन को सुबह शाम चलाने की जरूरत है तभी फरकिया वासी ट्रेन का सदुपयोग कर पाएंगे। अन्यथा रेल विभाग द्वारा समय सारणी परिचालन ढाक का तीन पात साबित हो रही है। श्री यादव ने कहा कि मांग पूरी नहीं होगी तो फरकिया वासी खगरिया रेलवे जंक्शन के समक्ष आक्रोषपूर्ण प्रदर्शन करेगी, जिसका जिम्मेदार रेल विभाग की होगी।

चेन पुलिंग करने वाले 522,महिला डिब्बे में यात्रा करने वाले 1588 पुरुष यात्री लिए गए हिरासत में

प्रात किरण संवाददाता

हाजीपुर/पूर्व मध्य रेल द्वारा बिना पर्याप्त कारण अवैध रूप से चेन पुलिंग करके रेल गाड़ियों को जहां-तहां रोकने वालों के खिलाफ नियमित कार्रवाई की जाती रही है । इसी क्रम पूर्व मध्य रेल के सुरक्षा बलों द्वारा ऑपरेशन ह्यासमय पालनह्य के तहत ऐसे लोगों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है ताकि ट्रेनें अनावश्यक रूप से विलंब ना हो । ऑपरेशन ह्यासमय पालनह्य के तहत पिछले माह के 16.05.2025 से 31.05.2025 तक रेलवे सुरक्षा बल की टीम द्वारा पूर्व मध्य रेल के विभिन्न रेलखंडों में बिना उचित कारण के चेन पुलिंग करने के आरोप में 522 लोगों को हिरासत में लिया गया । इन लोगों के विरूद्ध रेल अधिनियम की धारा 141 के तहत कार्रवाई की गई । ऑपरेशन ह्यासमय पालनह्य के तहत इस दौरान सर्वाधिक 238 लोग दानापुर मंडल में पकड़े गये जबकि समस्तीपुर मंडल में 112, सोनपुर मंडल में 72, धनबाद मंडल में 51 तथा पं. दीन दयाल उपाध्याय मंडल में 49 लोगों को हिरासत में लिया गया । इसी तरह महिलाओं की सुरक्षा के मद्देनजर ऑपरेशन ह्यमहिला सुरक्षाह्य के तहत महिला कोच में यात्रा करने वाले पुरुष यात्रियों के खिलाफ भी धर-पकड़ अभियान चलाया गया । ऑपरेशन ह्यमहिला सुरक्षाह्य मे तहत पिछले माह के 16.05.2025 से 31.05.2025 तक रेलवे सुरक्षा बल की टीम द्वारा पूर्व मध्य रेल के विभिन्न रेलखंडों पर महिला कोच में यात्रा करने के आरोप में रेल अधिनियम की धारा 162 के तहत 1588 पुरुष यात्रियों को हिरासत में लिया गया । इनमें सर्वाधिक 856 लोग दानापुर मंडल में जबकि सोनपुर मंडल में 306, धनबाद मंडल में 185, पं. दीन दयाल उपाध्याय मंडल में 127 तथा समस्तीपुर मंडल में 114 पुरुष यात्रियों को हिरासत में लिया गया ।

रहिका थाना क्षेत्र में बंदूक की नोक पर 15 लाख की लूट

मधुबनी/जिला के रहिका थाना क्षेत्र के आकासपुरा गांव में बीते रात्रि बेखौफ बदमाशों ने एक ही परिवार के दो भाइयों सुरेश चौधरी और दिनेश चौधरी के घर में पिस्टल की नोक पर डकैती की घटना को अंजाम देकर 15 लाख के आसपास की स्वणाभूषण ,मोबाइल की लूट की । डकैती के दौरान अपराधियों ने घर के वृद्ध महिला पुलिस सहित चार लोगों के साथ मारपीट किया । घटना घटना रात के तकरीबन एक से डेढ़ बजे के आसपास की है । पीड़ितों के द्वारा घटना की जानकारी पुलिस को दी गई जिसके बाद सदर डीएसपी राजीव कुमार और थाना प्रभारी रबिंद्र कुमार दलबल के साथ पहुंच कर आसपास के क्षेत्र में चांमबिन शुरू कर दिया है ।

हत्या के जूर्म में उम्रकैद व पचपन हजार रुपये अर्थदंड की सजा

प्रात किरण संवाददाता

दरभंगा। सिविल कोर्ट दरभंगा के प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश संतोष कुमार पांडे की अदालत ने सुनिल कुमार राय की हत्या के जूर्म में विपिन राय को उम्रकैद और पचपन हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है ।नगर थाना क्षेत्र के मिश्रा टोला निवासी अरुण राय के पुत्र विपिन राय को भारतीय दंड विधान संहिता की धारा 302में आजीवन कारावास और पचास हजार रुपये अर्थदंड और 27शस्त्र अधिनियम में तीन वर्ष की कारावास और पांच हजार रुपये अर्थदंड की सजा मंगलवार को सुनाई है ।अदालत ने गत 30मई को जूर्मि विपिन राय को दोषी ठहराया था और सजा की अवधि निर्धारण केबिंदु पर सुनबाई और निर्णय के लिए 3 जून की तिथि निर्धारित किया था ।अभियोजन पक्ष की ओर से अपर लोक अभियोजक विष्णु कांत चौधरी ने बहस किया ।ए पी पी श्री चौधरी के सहयोगी अधिवक्ता मनीष कुमार सिन्हा ने बताया कि मृतक सुनील कुमार राय के पिता मिश्रटोला नागमन्दिर निवासी राम प्रकाश राय ने 30 दिसंबर 18 को डीएमसीएच में बेंता पुलिस पदाधिकारी के समक्ष बयान देकर आरोप लगाया था कि उसका बेटा सुनील कुमार राय बाजार समिति में काम करता था ।वहीं सूचक मिश्रटोला नाग मंदिर के निकट चाय की दुकान चलाता था। घटना के दिन 9:00 बजे रात में उनका पुत्र सुनील कुमार राय उसके दुकान पर आया और बैठ गया। उसी समय आरोपी विपिन राय, चंदन राय, अमर कुमार, सुरेंद्र राय सहित 11 आदमी दुकान पर आए और पुरानी विवाद को लेकर मेरे पुत्र को भला बुरा कहने लगा। सुनील ने मना किया और जब सुनील कुमार राय नाग मंदिर के निकट पहुंचा तो विपिन राय अपने सहयोगी मोहम्मद आरजू से रिवाल्वर लेकर उसके पुत्र के सिर में गोली मार दिया ।इसकी प्राथमिकी नगरथानाकांड सं.259/18 दर्ज हुई ।कोर्ट में इस केश का बिचारण सत्रवाद सं. 238/19 के तहत प्रारंभ हुआ ।अपने बयान में सूचक ने कहा कि कुछ दिन पूर्व विपिन राय उसके पुत्र को जान से मारने की धमकी भी दिया था ।जख्मी को इलाज के लिए डीएमसीएच ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एपीपी श्री चौधरी ने बताया कि अनुसंधानक ने न्यायालय में आरोप पत्र समर्पित किया ।मामले में 18 अक्टूबर 2019 को भादवि की धारा 302 एवं 27 आर्म्स एक्ट में आरोप गठन किया गया ।न्यायालय में वाद बिचारण के दौरान अभियोजन पक्ष से आईओ शिवकुमार राम,चिकित्सक विजय प्रताप सिंह समेत कुल 11 गवाहों की गवाही कराई गई ।शुक्रवार को कोर्ट ने उभय पक्षों का बहस सुनने के पश्चात आरोपी विपिन राय को भादवि की धारा 302(मानव हत्या) और आर्म्स ऐक्ट की धारा 27 में ठहराया है। वहीं दोषी को सजा अवधि निर्धारण क बिंदु पर सुनवाई पश्चात विपिन कुमार राय को उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। सभी सजायें साथ-साथ चलेगी।

हनुमान मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर निकाली गई कलश यात्रा

शेरघाटी। शहर के गोपालपुर कस्बा स्थित वार्ड नंबर 11 में पांच दिवसीय श्री श्री 108 हनुमान मंदिर प्राण प्रतिष्ठा सह महायज्ञ को लेकर मंगलवार को भव्य कलश यात्रा निकाली गई. जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया. यज्ञाचार्य के नेतृत्व में विधिवत पूजा अर्चना के बाद शंखनाद के साथ कलश यात्रा का शुभारंभ किया गया. यज्ञ स्थल से 251 महिलाएं सिर पर कलश लेकर पलेहत कुटी पहुंचे. जहां विधिवत जल पूजन के बाद कलश में जल भर कर कलश यात्री पलेहत आदि गांव का भ्रमण करते हुए पुनः यज्ञ स्थल पहुंचे. जहां वैदिक मंत्रोच्चार वशंखनाद के साथ मुख्य कलश को यज्ञ स्थल में स्थापित किया गया. इस दौरान कलश यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं द्वारा रहे हर-हर महादेव, जय श्री राम, जय बजरंग बली, जय माता दी, आदि देवी देवताओं के जयकारों से पुरा क्षेत्र गुंजायमान रहा. वहीं मुख्य कलश के स्थापना के बाद ध्वनि तोरण से निकलने वाले वैदिक मंत्रोच्चार व शंखनाद की गुंज से पुरा कस्बा भक्तिमय हो गया. इस मौके पर नगर पर्षद के उपमुख्य पार्षद तारकेश्वर उर्फ भोला चौधरी ने कहा कि ऐसे अनुष्ठान से आध्यात्मिक शक्ति बढती है. वहीं वैदिक मंत्रोचारण व हवन से वातावरण को शुद्ध होती है. 3 जून को जल यात्रा के बाद मंडप प्रवेश व अग्नि मंथन तथा महाआरती का आयोजन किया गया. जबकि 4 जून से दैनिक पूजन, संगीतमयी सुंदर कांड पाठ एवं संध्या आरती इसके दूसरे दिन 5 जून को हनुमत प्राण प्रतिष्ठा पुजन हवण होगा. इसके बाद दो दिनों तक अखंड हरी कीर्तन के उपरांत संपूर्ण हवन के बाद यज्ञ की पूणार्हुति की जाएगी. पांच दिवसीय यज्ञ को लेकर गोपालपुर एवं शेरघाटी शहरी क्षेत्र व आस पास के गांवों में उत्साह का माहौल है.

महिला संवाद से गाँव-गाँव में बदलाव की बही बयार

महिला सशक्तिकरण व स्वावलंबन की दिखी झलक : डीपीएम

प्रात किरण संवाददाता

जमुई /को जिला अंतर्गत जमुई सदर, लक्ष्मीपुर, खैरा, सिकंदरा, ई.अलीगंज, झाझा एवं चकाई प्रखंड में महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन पहले की तरह निरंतर जारी रहो इस कार्यक्रम के माध्यम से बिहार के गाँव-गाँव में बदलाव की बयार और महिला सशक्तिकरण व स्वावलंबन की झलक देखने को मिल रही है महिलाएं निःसंकोच, बिना झिझक अपनी भाषा में सरकार तक अपनी बातों को पहुँचाने के लिए अपनी आवाज को बुलंद कर रही हैं महिला संवाद कार्यक्रम बिहार सरकार की पहल है, जो ग्रामीण विकास विभाग के तत्वाधान में जीविका दारा आयोजित किया जा रहा है ' जीविका द्वारा संपोषित 22 ग्राम संगठन के द्वारा यह कार्यक्रम प्रतिदिन सुबह एवं शाम में आयोजित किये जा रहे हैं कार्यक्रम में ग्रामीण महिलाओं की गाँव के विकास, बच्चों की शिक्षा एवं उनके अधिकार तथा महिलाओं के अधिकारों के प्रति एकजुटता, सामाजिक कुरीतिओं के उन्मूलन , ऋण की राशि का सही सदुपयोग एवं जीविका समूह से जुड़कर जीवन में बदलाव एवं खुशहाली आदि पर चर्चा एवं संकल्प ले रही हैं जीविका के जिला परियोजना प्रबंधक श्री संजय कुमार ने बताया कि जिले में महिला संवाद कार्यक्रम के आयोजन को पूरे 47 दिन बीत चुके हैं इस कार्यक्रम में दो लाख ज्यादा महिलाओं की सहभागिता हो चुकी है, जिसमें जीविका से जुड़ी महिलाओं की संख्या 1 लाख 87 हजार 921 रही, जबकि अन्य ग्रामीण महिलाओं की संख्या 17 हजार 741 की रही उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में जो महिलाएं समूह से नहीं जुड़ी हुई हैं, उन्हें भी जीविका के समूह से जोड़ने का काम किया जा रहा है इस कार्यक्रम के माध्यम से अभी तक महिलाओं की ओर से 23 हजार से ज्यादा आकांक्षाएं आ चुकी हैं जमुई सदर प्रखंड में आयोजित महिला संवाद कार्यक्रम में महिलाओं ने सामूहिक रूप से लठाने नदी में पुल बनाने की मांग को रखो महिलाओं का कहना था की नदी पर पुल बन जाने से आवागमन की सुविधा आसन हो जाएगी वही महिलाओं ने लाथाने गाँव में उत्क्रमित विद्यालय की भी मांग की सोनो प्रखंड के तेरुखा गांव के वार्ड नंबर 11 की महिलाओं के द्वारा तेरुखा लेकर बैजडीह गांव तक सड़क के दोनों किनारे पौधा लगाने की आकांक्षा व्यक्त की लक्ष्मीपुर प्रखंड के ककनचोर गाँव में आयोजित महिला संवाद कार्यक्रम में महिलाओं ने कोरबाकुरा वार्ड नंबर 4 में सामूहिक शौचालय की मांग को रखा चकाई प्रखंड के नावाडीह पंचायत के भावनडीह गाँव सिलपरी वार्ड नंबर-6 की महिलाओं ने बीमार पशुओं की देखभाल हेतु कम-से-कम महीने में एक बार पशु चिकित्सा शिविर लगाने की आकांक्षा व्यक्त की महिला संवाद कार्यक्रम में महिलाओं द्वारा व्यक्त आकांक्षा, सुझाव, समस्या को मोबाइल एप में दर्ज किया जा रहा है इस पर कार्य निष्पादन के लिए स्थानीय प्रशासन एवं संबंधित विभाग को आकांक्षाएँ स्थानांतरित की जा रही हैं मंगलवार को जमुई सदर प्रखंड में चाँद जीविका महिला ग्राम संगठन,आदर्श ग्राम संगठन, ई.अलीगंज में साहिल ग्राम संगठन, राधा रानी ग्राम संगठन, चकाई में विकास ग्राम संगठन, झाझा में गुरूद्वारा ग्राम संगठन, सरहुल ग्राम संगठन, राज ग्राम संगठन, अनजानी जीविका महिला ग्राम संगठन, खैरा में तुलसी, दुर्गा, श्री गणेश, सृष्टि जीविका महिला ग्राम संगठन द्वारा सहित लक्ष्मीपुर, सिकंदरा, सोनो में महिला संवाद कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया महिला संवाद कार्यक्रम में जागरूकता वाहन के माध्यम से सरकार की योजनाओं पर आधारित वीडियो फिल्म दिखाया जा रहा है. योजना का लाभ लेकर सशक्त हुई महिलाओं का अनुभव भी सुना जा रहा है।

विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन द्वारा जागरूकता रैली का किया गया आयोजन

डीएम मिथलेश मिश्र ने स्कूली बच्चों तथा दिव्यांग व्यक्तियों को हरी झंडी दिखाकर रैली का किया शुभारंभ

प्रात किरण संवाददाता

लखीसराय ! विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन, लखीसराय द्वारा मतदाता जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली का शुभारंभ जिला पदाधिकारी मिथिलेश मिश्र के द्वारा गांधी मैदान, लखीसराय से स्कूली बच्चों को तथा समाहरणालय परिसर लखीसराय से दिव्यांग व्यक्तियों को हरी झंडी दिखाकर किया गया। विधानसभा आम निर्वाचन 2025 को ध्यान में रखते हुए वोट फोर अर्थ, वोट फोर डेमोक्रेसी थीम पर विश्व साइकिल दिवस 3 जून से विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून तक त्रि दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान चलाया जाना है । इस रैली का उद्देश्य युवा, महिला, दिव्यांग, मतदाताओं में मतदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना, स्वस्थ जीवन शैली और पर्यावरण के प्रति जागरूकता को मतदान से जोड़ना, एवं ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में रैलियों के माध्यम से व्यापक संदेश देना एवं निर्वाचन प्रक्रिया में भागीदारी ,मतदाताओं में जागरूकता फैलाना और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में उनकी भागीदारी को प्रोत्साहित करना है। सैकड़ों स्कूली बच्चों एवं दिव्यांग व्यक्तियों ने साइकिल के माध्यम से साइकिल चलाओ वोटिंग बढ़ाओ एवं फिट भी वोटर हिट भी नारे के साथ मतदान के महत्व का संदेश दिया। कार्यक्रम में उप विकास आयुक्त सुमित कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी सह स्वीप नोडल विनोद प्रसाद, वरीय उपसमाहर्ता सह स्वीप नोडल सुश्री प्राची कुमारी, उप निर्वाचन पदाधिकारी श्री राहुल कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी यदुवंश राम,सहायक निदेशक दिव्यांगजन सशक्तिकरण कोषांग लखीसराय रुपेश कुमार सहित अन्य पदाधिकारी, कर्मी एवं आम नागरिक भी उपस्थित थे।

इंफोसिस फाउंडेशन ने सामाजिक नवप्रवर्तकों को समर्थन देने के लिए आरोहण पुरस्कार की शुरूआत

दुगार्पुर। इंफोसिस फाउंडेशन ने अपने आरोहन सोशल इनोवेशन अवाड्र्स के चौथे संस्करण की घोषणा की है, जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और पर्यावरणीय स्थिरता में प्रौद्योगिकी-आधारित समाधान विकसित करने वाले इनोवेटर्स को समर्थन देने के लिए 2 करोड़ रुपये देने का संकल्प लिया गया है। पुरस्कार के तहत 18 वर्ष और उससे अधिक आयु के भारतीय नागरिकों को 24 अप्रैल से 15 जून के बीच आरोहन वेबसाइट पर वीडियो प्रविष्टियों के माध्यम से पूरी तरह कार्यात्मक प्रोटोटाइप या पूर्ण परियोजनाएं प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया है। विजेताओं को वास्तविक दुनिया के प्रभाव, मापनीयता और समर्पण के आधार पर चुने गए प्रत्येक को 50 लाख रुपये तक का पुरस्कार मिल सकता है। इंफोसिस फाउंडेशन के ट्रस्टी सुमित विरमानी ने उन परिवर्तनकताओं को सशक्त बनाने के महत्व पर प्रकाश डाला जो वंचित समुदायों में सार्थक सुधार ला सकते हैं।

मुंगेर जिले में बेलगाम हो गए हैं शराब माफिया पुलिस ले देकर मामला करते हैं रफा दफा

प्रात: किरण संवाददाता

हवेली खड़गपुर (मुंगेर) । मुंगेर जिले में इन दोनों शराब माफिया और तस्कर वेलगाम हो गए हैं नित्य दिन जहां देसी शराब का खेप आदिवासी क्षेत्र से मुंगेर जमालपुर बरियारपुर धरहरा संग्रामपुर टेटिया बंमबर तारापुर असरगंज आदि प्रखंडों में धड़ल्ले से शराब की बिक्री हो रही है। उत्पाद विभाग और पुलिस विभाग इन शराब माफिया से माहवारी वसूल कर और शराब भिजवाया करते हैं। पुलिस और उत्पाद विभाग ऐसे ही लोगों को गिरफ्तार करते हैं जो उन्हें माहवारी के रूप में बख्शीश नहीं देते हैं। बिहार सरकार अगर इसकी सच्चाई जानना चाहती है तो पुलिस पदाधिकारी और उत्पाद विभाग के अधिकारियों के निजी संपत्ति की गोपनीयता से जांच कर जब देखेगी तो शराबबंदी से अभी तक में पुलिस विभाग और उत्पाद विभाग के अधिकारियों ने अकूत संपत्ति जमा किया है। इन अधिकारियों की जांच राज्य सरकार ईडी या फिर अन्वेषण ब्यूरो द्वारा करते हैं तो सच्चाई जान सकती है। शाम ढलते ही हवेली खड़गपुर बस स्टैंड मुजफ्फरगंज बाजार और जमालपुर के आदर्श नगर थाना क्षेत्र के दौलतपुर जमालपुर रामपुर कॉलोनी सदर बाजार बालीपुर केशवपुर फरीदपुर जांगिड़ जगदीशपुर रामचंद्रपुर और फूलका में बेचकर करोड़पति बन रहे हैं। वही ईस्ट कॉलोनी क्षेत्र में भी शराब माफिया का बोलबाला है हर चौक चौराहे एवं गलियारों और चिन्हित दुकानों में शराब मिल जाती है। खासकर शाम ढलते ही शराब माफिया और तस्कर शराब की बिक्री करने में जुट जाते हैं। सबसे ज्यादा शराब की बिक्री रविवार बुधवार और शुक्रवार को होती है ।लाल पानी के नाम से प्रसिद्ध शराब बिक्री एवं खरीदारी के लिए एक विशेष रूप से ग्रुप संचालित है। अगर शराब तस्करों तक पुलिस पहुंच भी गई तो मोटी रकम लेकर मामला रफा दफा करने में कोई कसर नहीं छोड़ती है। सूत्रों ने बताया कि इस अवैध धंधे में अधेड़ उम्र वाले युवा महिलाएं भी शामिल हैं ।मुंगेर जिले का 09 प्रखंडों में शराब की बिक्री धड़ले से की जाती है। जिस पर लगाम लगाने में पुलिस विभाग और उत्पाद विभाग नाकाम हो रही है आखिर नाकामी के पीछे क्या कारण है या स्पष्ट हो जाता है कि पुलिस और आबकारी विभाग की मिली भगत से माहवारी उगाही कर चोरी छिपे शराब बिक्री करते हैं। हवेली खड़गपुर प्रखंड के मुजफ्फर गंज हाट पर पंचायत भवन के बगल में कुछ लोगों द्वारा शराब बिक्री की जाती है जहां पुलिस की गाड़ी खड़ी रहने के बावजूद भी शराब लोग पीते हैं और खरीदते भी हैं मुजफ्फर गंज के ही मलिनिया बगीचा के नाम से विख्यात जगह में एक विदेशी शराब का तस्कर जो फोन पर ही शराब की डिलीवरी करते हैं जो कई बार शराब की डिलीवरी में पकड़े जाने के बाद जेल भी जा चुके हैं मोटरसाइकिल से शराब की डिलीवरी घर पर जाकर दिया जाता है।

राज्य के विकास में आधी आबादी की भागीदारी को ले सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं से कर रही है संवाद

प्रात किरण संवाददाता

लखीसराय । राज्य के विकास में आधी आबादी की भागीदारी सुनिश्चत करने के उद्देश्य से बिहार की सरकार इन दिनों ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं से संवाद कर रही है ' जिसे महिला संवाद कार्यक्रम से जाना जा रहा है ' महिला संवाद कार्यक्रम ग्रामीण विकास विभाग के तत्वाधान में जीविका द्वारा पिछले 18 अप्रैल से आयोजित है ' महिला संवाद कार्यक्रम के आयोजन के पचास दिन पुरे हो गए हैं ' इन पचास दिनों में राज्य के हर गाँव में राज्य सरकार द्वारा महिला स्वावलंबन एवं सशक्तीकरण हेतु चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं से महिलाओं को लघु फिल्मो के माध्यम से रूबरू कराया जा रहा है ' ऑडियो-वीडियो की प्रस्तुति, मननीय मुख्यमंत्री का संदेश-पत्र एवं सूचनात्मक लीफलेट्स के माध्यम से विभिन्न योजनाओं की सफलता एवं उसकी आवश्यकता से महिलाएं जागरूक हो रही हैं और योजनाओं का लाभ लेने के लिए अपनी इच्छा एवं आकांक्षा व्यक्त कर रही हैं इस कार्यक्रम में सरकार की योजनाओं एवं आरक्षण से लाभान्वित महिलाएं एवं छात्राएं अपनी सफलता की गाथा साझा कर रही हैं और सरकार को गाँव में नई योजनाओं के संचालन एवं सुविधाओं के विस्तार हेतु सलाह भी दे रही हैं मंगलवार को लखीसराय जिला के बड़हिया, पिपरिया एवं सूर्यगढ़ा में 10 ग्राम संगठनों द्वारा महिला संवाद आयोजित किया गया ' प्रति कार्यक्रम ढाई सौ से अधिक जीविका दीदियों एवं अन्य महिलाओं ने अपनी सहभागिता एवं राज्य के विकास में अपनी प्रतिवद्धता दिखाई और अपने गाँव-टोला से जुड़े मुद्दों व सुझावों को खुलकर रखा ' जिसे सुचिवद्द करते हुए एप में भी प्रविष्टि की गई मंगलवार को लखीसराय जिला अंतर्गत बड़हिया, पिपरिया और सूर्यगढ़ा प्रखंड में महिला संवाद कर्यक्रम का आयोजन जारी रहा ' सूर्यगढ़ा प्रखंड में भाग्यवती जीविका महिला ग्राम संगठन द्वारा छोरा राजपुर गाँव में , हरियाली ग्राम संगठन द्वारा बुधौली बंकर गाँव में, सरस्वती ग्राम संगठन द्वारा मदनपुर गाँव में, लवली ग्राम संगठन द्वारा उरेन गाँव में, ओम ग्राम संगठन द्वारा कसवां गाँव में, पार्वती ग्राम संगटन द्वारा रामपुर गाँव में , बड़हिया में सरस्वती ग्राम संगठन दवारा गिरिधरपुर गाँव में एवं सृष्टि ग्राम संगठन दवारा अंजनी घाट गाँव में तथा पिपरिया प्रखंड में सरस्वती जीविका महिला ग्राम संगठन द्वारा रामचन्द्रपुर गाँव एवं पार्वती जीविका महिला ग्राम संगठन द्वारा पिपरिया महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया महिला संवाद कार्यक्रम में ग्रामीण एवं महिलाओं के विकास के लिए विभिन्न प्रकार के विषयों पर चर्चा हो रही है ' जिनमे शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, वृद्धा पेंशन, सिंचाई, सड़क, स्वच्छता, सुरक्षा, आजीविका, आवागमन , सरकारी योजनाओं का क्रियान्वयन, गाँव में ही रोजगार की उपलब्धता, आंगनवाडी केन्द्रों का विकास एवं उद्योग-धंधा स्थापित करना आदि है ' इन सब विषयों से संबंधित इच्छाओं एवं आकांक्षाओं को ही सुचिवद्द करते हुए सम्बंधित विभाग को समाधान के लिए उपलब्ध कराया जा रहा है महिला संवाद कार्यक्रम सिर्फ महिलाओं को ही नहीं बल्कि समाज के हर वर्ग के बीच बिहार के विकास और विकसित बिहार की परिकल्पना को साकार करने के जज्बे को प्रसारित कर रहा है ' महिलाओं के साथ ही गाँव की बहु झबेटियां और अब तो पुरुच वर्ग भी संवाद कार्यक्रम के माध्यम से राज्य के विकास में अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर रहा है

मसौढ़ी जेल में कैदियों द्वारा शराब और गांजा पीने का वीडियो वायरल, जेल प्रशासन पर उठे सवाल

मसौढ़ी !अनुमंडल जेल से एक सनसनीखेज वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें कुछ कैदी शराब और गांजा का सेवन करते हुए दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में कैदी न सिर्फ खुलेआम शराब पीते दिख रहे हैं, बल्कि गांजे का भी धुआं उड़ाते नजर आ रहे हैं ।इस वायरल वीडियो ने बिहार की जेल व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं ।गौरतलब है कि बिहार में शराबबंदी कानून लागू है और न सिर्फ शराब का सेवन,बल्कि इसका भंडारण और बिक्री भी पूरी तरह प्रतिबंधित है ।ऐसे में सुरक्षा के घेरे में रहने वाले जेल परिसर में नशे की ये सामग्री आखिर पहुंच कैसे रही है ? यह एक गंभीर जांच का विषय है ।जैसे ही यह वीडियो सामने आया, पूरे पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। हालांकि अभी तक इस वीडियो की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है कि यह कब और किस तारीख का है ।जब इस वीडियो को लेकर उपकारा मसौढ़ी के जेल अधीक्षक और जेलर से प्रतिक्रिया मांगी गई, तो उन्होंने इसे पुराना वीडियो बताकर अपना पल्ला झाड़ लिया और कहा कि इसका वर्तमान में जेल प्रशासन से कोई संबंध नहीं है ।लेकिन वीडियो में स्पष्ट रूप से कैदियों को कहते हुए सुना जा सकता है कि वे उपकारा मसौढ़ी में बैठकर शराब और गांजा पी रहे हैं,जिससे यह जाहिर होता है कि वीडियो मसौढ़ी उपकारा का ही है। यह सीधे-सीधे जेल नियमों और कानूनों का उल्लंघन है। अब बड़ा सवाल यह उठता है कि जेल के भीतर इतनी सख्त सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद शराब और गांजा आखिर कैसे पहुंच रहा है ? क्या इसमें जेल प्रशासन की मिलीभगत है या सुरक्षा व्यवस्था में कोई बड़ी चूक? इन सवालों का जवाब तलाशना अब जरूरी हो गया है ।इस पूरे मामले को जेल आईजी ने गंभीरता से लेते हुए उच्चस्तरीय जांच के आदेश दिए हैं। यदि निष्पक्ष जांच हुई, तो निश्चित रूप से दोषियों की पहचान हो सकेगी और इस बात का खुलासा होगा कि आखिर जेल में नशे की सामग्री किस रास्ते से पहुंची और इसमें कौन-कौन लोग जिम्मेदार हैं। फिलहाल जेल प्रशासन की भूमिका पर सवाल खड़े हो रहे हैं और आम जनता में भी इस घटना को लेकर आक्रोश है। लोग जानना चाहते हैं कि जब

रोहित शर्मा ने साथी खिलाड़ियों को बांटे बैट, कर्ण शर्मा रह गए खाली हाथ

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस को रविवार को आईपीएल 2025 क्वालीफायर 2 मुकाबले में पंजाब किंग्स से हार का सामना करना पड़ा। हार के बाद मुंबई के पूर्व कप्तान और ओपनर बल्लेबाज रोहित शर्मा ने अपनी किट साथी खिलाड़ियों में बांट दी जिसमें बैट, जर्सी आदि थे। हालांकि इस दौरान कर्ण शर्मा अनलकी रहे क्योंकि उन्हें बैट नहीं मिल सका। दरअसल रोहित शर्मा ने कई खिलाड़ियों को बल्ला गिफ्ट में दिया जिसमें सलामी बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो का नाम भी शामिल है। इस दौरान कर्ण शर्मा जब रोहित से बल्ला लेने के लिए पहुंचे तो रोहित ने उन्हें मना करते हुए कहा कि किट बैग पूरा खाली हो गया है। हालांकि उसमें बैट थे लेकिन वह उन्होंने अपने लिए रखे थे और कर्ण खाली हाथ रह गए। हालांकि उन्होंने खिलाड़ी को निराश नहीं किया और उन्हें अपने ऑटोग्राफ वाली जर्सी दी। मुंबई इंडियंस द्वारा शेयर वीडियो में रोहित शर्मा ने कहा, 'अब मेरे पास बैट नहीं है। 6 बैट ले लिए यार सबने। पूरा भरा हुआ था बैग। मेरा बैग खाली हो गया।' रोहित शर्मा ने आईपीएल 2025 में काफी अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने 15 मैचों में 418 रन बनाए। इस दौरान उनका औसत 29.86 का रहा। उन्होंने आईपीएल 2025 में चार अर्धशतक लगाए।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने शूटआउट में उरुग्वे को हराया, अब अर्जेंटीना से मुकाबला

रोसारियो (अर्जेंटीना) (एजेंसी)। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने चार देशों के टूर्नामेंट के अपने पांचवें मुकाबले में नियमित समय में 2-2 से ड्रा के बाद हुए शूटआउट में उरुग्वे को 3-1 से हराया। खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम की उप-कप्तान हिना ने (10वें) और लालरिनपुई ने (24वें) मिनट में मैच की शुरुआत में गोल दागे। गीता, कनिका और लालथंतलुगी ने शूटआउट में गोलकर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की। भारत ने 10वें मिनट हिना के गोल से शानदार शुरु की, इसके बाद लालरिनपुई ने 24वें मिनट में गोलकर बढ़त को दोगुना कर दिया। हाफटाइम तक भारत के पास 2-0 की बढ़त थी। उरुग्वे ने अंतिम क्वार्टर में इनेस डी पोसादास ने 54वें मिनट और इसके बाद मिलग्रोस सीगल ने 57वें मिनट बाद गोल करके स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। इसके बाद मुकाबला शुटआउट में चला गया। शूटआउट में गीता, कनिका और लालथंतलुगी ने भारत के लिए लगातार तीन गोल किए।

श्रीहरि नटराज ने 200 मीटर फ्रीस्टाइल में सर्वश्रेष्ठ भारतीय समय निकाला

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपियन श्रीहरि नटराज ने 20वीं सिंगापुर राष्ट्रीय तैराकी चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों की 200 मीटर फ्रीस्टाइल में सर्वश्रेष्ठ भारतीय समय निकालकर स्वर्ण पदक जीता।

तोक्यो और पेरिस ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले इस 24 वर्षीय खिलाड़ी ने रविवार को सिंगापुर स्पोर्ट्स स्कूल में 1.48.66 सेकंड का समय निकालकर सजन प्रकाश के 2021 में निकाले गए 1.49.73 सेकंड के समय को पीछे छोड़ा। नटराज ने इससे पहले 100 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में रजत पदक जीता था। तैराकी में किसी समय को राष्ट्रीय रिकार्ड तभी माना जाता है जब उसे राष्ट्रीय तैराकी चैंपियनशिप में हासिल किया गया हो। इसलिए अन्य प्रतियोगिताओं में दर्ज समय को सर्वश्रेष्ठ भारतीय समय कहा जाता है।

पीवी सिंधू दूसरे दौर में, सेन और प्रणय इंडोनेशिया ओपन से बाहर

जकार्ता (एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने मंगलवार को यहां संघर्षपूर्ण जीत दर्ज करके इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाई, लेकिन लक्ष्य सेन और एचएस प्रणय पहले दौर में हारकर बाहर हो गए।

सिंधू ने महिला एकल में अपनी चिर प्रतिद्वंद्वी जापान की नोजोमी ओकुहारा को एक घंटे 19 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में 22-20, 21-23, 21-15 से हराया। सिंधू ने मैच के बाद कहा, 'पहले दौर में जीत हासिल करना महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे निश्चित तौर पर मेरा हौसला बढ़ेगा। मैं पहले दौर में हारती रही हूं, इसलिए इस तरह के मैच जीतना मेरे लिए बहुत उपयोगी और महत्वपूर्ण है।

सेन ने एक घंटे और पांच मिनट तक चले पुरुष एकल मुकाबले में दुनिया के नंबर दो खिलाड़ी चीन के शि यू क्यू से 11-21 22-20 15-21 से हारने से पहले कड़ी चुनौती पेश की। भारत के इस 23 वर्षीय खिलाड़ी ने पीठ की चोट से उबरकर वापसी की। चोट के कारण वह पिछले सप्ताह मलेशिया ओपन में मैच के बीच से हट गए थे लेकिन यहां उन्होंने टुकड़ों में अच्छा प्रदर्शन किया।

पहला गेम आसानी से गंवाने और दूसरे गेम में 11-17 से पीछे होने के बाद सेन ने जोरदार वापसी की। उन्होंने एक मैच प्वाइंट बचाया और 22-20 से गेम जीतकर मुकाबला निर्णायक गेम तक खींच दिया। लेकिन इसके बाद वह अपनी लय बरकरार नहीं रख पाए। पुरुष एकल में एचएस प्रणय भी इस 1,450,000 डॉलर इनामी टूर्नामेंट से बाहर हो गए। उन्हें इंडोनेशिया के अल्वी फरहान से 17-21, 18-21 से हार का सामना करना पड़ा। सिंधू और ओकुहारा के बीच गलतियों से भरा मैच रोमांचक रहा, जिसमें काफी गेम प्वाइंट और मैच प्वाइंट मिले। सिंधू ने पहला गेम 22-20 से जीता।

भारतीय खिलाड़ी ने इस दौरान एक गेम प्वाइंट बचाया और महत्वपूर्ण क्षणों में आक्रामक शॉट लगाए। दूसरे गेम में सिंधू ने शुरुआत में दो अंकों की मामूली बढ़त हासिल की, लेकिन इंटरवल तक वह 7-11 से पीछे थीं। उन्होंने वापसी की और जोरदार क्रॉस-कोर्ट स्मैश के साथ दो मैच प्वाइंट हासिल किए। लेकिन सिंधू ने लगातार गलतियां की जिसका फायदा उठाकर ओकुहारा 20-20 से बराबरी पर आ गई। जापानी खिलाड़ी ने आखिरकार दूसरा गेम 23-21 से जीत लिया।

निर्णायक गेम में ब्रेक तक सिंधू 11-9 से आगे थीं और फिर उन्होंने लगातार विनर्स लगाते हुए आठ मैच प्वाइंट हासिल किए और पांचवें मैच प्वाइंट को भुनाकर अगले दौर में प्रवेश किया। सिंधू महिला एकल के अगले दौर में जगह बनाने वाली एकमात्र भारतीय खिलाड़ी रही। अब उनका मुकाबला थाईलैंड की छठी वरीयता प्राप्त पोर्नपावी चोचिवोंग से होगा। मालविका बंसोड़ इंडोनेशिया की पुत्री कुसुमा वर्दानी के खिलाफ महिला एकल मैच के बीच में ही रिटायर हो गईं।

भारतीय खिलाड़ी जब 21-16 16-15 से आगे चल रही थीं तब वह कोर्ट पर फिसलने के कारण चोटिल हो गईं और उन्हें कोर्ट छोड़ना पड़ा। अनुपमा उपाध्याय कोरिया की किम गा इयुन से सीधे गेम में 15-21, 9-21 से जबकि रक्षिता रामराज थाईलैंड की सुपानिडा से 21-14, 15-21, 12-21 से हार गईं।

आईपीएल विजेता टीम पर नोटों की बारिश

विजेता पर बरसे पैसे, उपविजेता भी नहीं जाएगा खाली हाथ, इन अवॉर्ड्स से भी मिलेंगे लाखों

अहमदाबाद (एजेंसी)। हर बार की तरह इस बार भी खिताब की विजेता टीम पर नोटों की बारिश होगी। पिछले आईपीएल से ज्यादा पैसा इस बार मिलेगा। पिछले वर्ष भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने कोलकाता नाइट राइडर्स को 20 करोड़ रुपये इनाम के तौर पर दिए थे। वहीं, उपविजेता सनराइजर्स हैदराबाद को 12.5 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि मिली थी। इस बार भी बीसीसीआई अपना खजाना खोलेगा। आईपीएल का 18वां सत्र का समापन हो गया।

इस सीजन की शुरुआत कोलकाता नआइट राइडर्स–आरसीबी की टक्कर से हुई थी

इस सीजन की शुरुआत आरसीबी और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच मैच से हुई थी। आरसीबी और पंजाब का प्रदर्शन इस सीजन शानदार रहा है। पंजाब जहां ग्रुप चरण में शीर्ष पर रही, वहीं आरसीबी ने दूसरे स्थान पर रहकर लीग स्टेज का अंत किया। आरसीबी की टीम का रिकॉर्ड इस सीजन घर से बाहर शत प्रतिशत रहा है। अहमदाबाद में आरसीबी और पंजाब की टीमें एक बार 2021 में भिड़ी थी जिसमें पंजाब ने जीत दर्ज की थी। हालांकि, क्वालिफायर-1 मुकाबले में आरसीबी ने पंजाब को हराया था। अब यह देखने वाली बात होगी कि मंगलवार को कौन सी टीम बाजी मारती है।

पिछले वर्ष बीसीसीआई ने दिए थे 20 करोड़

हर बार की तरह इस बार भी खिताब की विजेता टीम पर नोटों की बारिश होगी। पिछले वर्ष भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने कोलकाता नाइट राइडर्स को 20 करोड़ रुपये इनाम के तौर पर दिए थे। वहीं, उपविजेता सनराइजर्स हैदराबाद को 12.5 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि मिली थी। इस बार भी बीसीसीआई अपना खजाना खोलेगा।

आईपीएल में खर्च होने वाली रकम को लेकर लीग हमेशा चर्चा में रहती है। टीमों को मिलने वाली इनामी राशि के अलावा कई और अवॉर्ड भी दिए जाते हैं। इनमें ऑरेंज कैप, पर्पल कैप, फेयर प्ले अवॉर्ड जैसे अवॉर्ड शामिल हैं। हम आपको इन सभी अवॉर्ड और उसमें दी जाने वाली इनामी राशि के बारे में बता रहे हैं। आइए जानते हैं विजेता से लेकर उपविजेता तक को कितने रुपये मिलेंगे।

फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच 5 लाख रुपये

- **आईपीएल ऑरेंज कैप** -यह अवॉर्ड पूरे आईपीएल सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज को दिया जाता है।
- **फेयर प्ले अवॉर्ड -यह** अवॉर्ड उस टीम को दिया जाता है जिसने पूरे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा अनुशासन के साथ खेला है ।
- मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर- उस खिलाड़ी को यह अवॉर्ड दिया जाता है जो पूरे आईपीएल सीजन में बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में बेहतरीन रहा हो।
- **आईपीएल पर्पल कैप** -इस अवॉर्ड का विजेता वह गेंदबाज होता है जिसने आईपीएल के पूरे सीजन में सबसे अधिक विकेट लिए हैं।
- **इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन - यह** अवॉर्ड सीजन में उभरते सितारे को दिया जाता है। विजेता को 10 लाख रुपये का चेक दिया गया।

जोकोविच की फ्रेंच ओपन में 100वीं जीत

लंदन (एजेंसी)। नोवाक जोकोविच ने फ्रेंच ओपन 2025 में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने ब्रिटेन के कैमरन नॉरी को चौथे दौर में 6-2, 6-3, 6-2 से हराकर इस टूर्नामेंट में अपनी 100वीं जीत दर्ज की। इस उपलब्धि के साथ जोकोविच फ्रेंच ओपन में 100 जीत हासिल करने वाले केवल दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं, पहले खिलाड़ी राफेल नडाल हैं, जिनके नाम 112 जीत दर्ज हैं।

इस जीत के साथ जोकोविच लगातार 16वें साल फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। अब उनका सामना क्वार्टर फाइनल में जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा, जो टैलन ग्रिकस्पूर के चोट के कारण रिटायर होने के बाद अगले दौर में पहुंचे हैं।

जर्मन टेनिस खिलाड़ी एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने लगातार चौथी बार इस टूर्नामेंट के अंतिम आठ में प्रवेश किया है।

केन विलियमसन ने फिर से ठुकराया केंद्रीय अनुबंध, पहले भी कर चुके हैं ऐसा

वेलिंगटन (एजेंसी)। पूर्व कप्तान केन विलियमसन ने फिर से न्यूजीलैंड क्रिकेट के साथ केंद्रीय अनुबंध ठुकरा दिया है और संभवतः अगले महीने जिम्बाब्वे के दो टेस्ट मैचों के लिए ब्लैक कैप्स के दौरे से चूक जाएंगे। विलियमसन ने पिछले साल भी केंद्रीय अनुबंध स्वीकार नहीं करने का फैसला किया था, ताकि वे टी20 और दुनिया भर की अन्य लीगों में खेलने के लिए स्वतंत्र रह सकें। इसके बजाय उन्होंने पिछले साल एक आकस्मिक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए और 2024 में न्यूजीलैंड के 13 टेस्ट मैचों में से 9 में खेले जिसमें उन्होंने 1,000 से अधिक रन बनाए।

विलियमसन मंगलवार को न्यूजीलैंड क्रिकेट द्वारा जारी 20 अनुबंधित खिलाड़ियों की सूची में अनुपस्थित थे। डेवोन कॉनवे, फिन एलन, टिम सीफर्ट और लॉकी फर्ग्यूसन भी थे जो विदेशों में टी20 लीग में खेल रहे हैं। उनसे फिर से एक आकस्मिक अनुबंध पर हस्ताक्षर करने की उम्मीद है। ऑलराउंडर मुहम्मद अब्बास और जैक फाउलकेस, विकेटकीपर मिच हे और स्पिनर आदि अशोक को पहली बार अनुबंधित किया गया है। टिम साउथी, जो रिटायर हो चुके हैं, ईश सोढ़ी, एजाज पटेल और जोश क्लार्कसन की अनुपस्थिति में ऐसा पहली बार हुआ है।

विलियमसन वर्तमान में इंग्लिश काउंटी चैंपियनशिप और टी20 ब्लास्ट में मिडिलसेक्स के लिए और द हंड्रेड में लंदन स्पिरिट के लिए खेल रहे हैं। जुलाई के अंत और अगस्त की शुरुआत में न्यूजीलैंड के जिम्बाब्वे से खेलने के दौरान उनके काउंटी

प्रतिबद्धताओं की उम्मीद है। पिछले महीने लंदन में एक समाचार सम्मेलन में विलियमसन ने कहा कि एक आकस्मिक अनुबंध पर उनका भविष्य बस प्रगति पर है और न्यूजीलैंड क्रिकेट ने इसके साथ बहुत अच्छा काम किया है और मैं पूरे समय भाग्यशाली रहा हूं।अनुबंधित 20 खिलाड़ियों को पिछले साल के घरेलू और अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन के आधार पर रैंक किया गया था। न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुख्य कार्यकारी स्कॉट वेनिंक ने कहा, मिच, मुहम्मद, आदि और जैक के साथ अनुबंध हमारे सिस्टम के माध्यम से आने वाली अविश्वसनीय प्रतिभा को दर्शाता है। इन खिलाड़ियों ने दिखाया है कि वे उच्चतम स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं और ब्लैक कैप्स का प्रतिनिधित्व करने की उनकी भूख रोमांचक है।

विश्व चैम्पियन डी गुकेश की मैग्नस कार्लसन क्यूँ है इतनी खास !

स्टावेंगर (एजेंसी)। नॉर्वे शतरंज 2025 के छठे राउंड में विश्व शतरंज को उस पल का गवाह बनने का मौका मिला, जिसका इंतज़ार लंबे समय से था। भारत के 18 वर्षीय विश्व चैम्पियन डी गुकेश ने विश्व नंबर 1 मैग्नस कार्लसन को क्लासिकल फॉर्मेट में पहली बार हराकर...

स्टावेंगर (निकलेश जैन) नॉर्वे शतरंज 2025 के छठे राउंड में विश्व शतरंज को उस पल का गवाह बनने का मौका मिला, जिसका इंतज़ार लंबे समय से था। भारत के 18 वर्षीय विश्व चैम्पियन डी गुकेश ने विश्व नंबर 1 मैग्नस कार्लसन को क्लासिकल फॉर्मेट में पहली बार हराकर इतिहास रच दिया।

मैच में शुरुआत से कार्लसन बेहतर स्थिति में नज़र आ रहे थे और उन्होंने अधिकांश समय दबाव बनाए रखा। लेकिन जैसे-जैसे समय कम होने लगा कार्लसन नें कई गलत चाले चली और जब खेल बेहतर से कार्लसन के लिए बराबर था उन्होने 52वीं चाल पर घोड़े की चाल से भारी भूल कर दी । गुकेश ने तुरंत सटीक चालों से जवाब देते हुए अपना हाथी को देकर कार्लसन का हाथी और घोडा दोनों मारते हुए स्थिति को अपने पक्ष में मोड़ लिया। अंततः 62 चालों के बाद कार्लसन को हार माननी पड़ी।

खेल के बाद कार्लसन गुस्से में दिखाई दिए और उन्होंने टेबल पर जोर से मुक्का मारा, जिससे मोहरे गिर गए। पर उन्होने तुरंत ही खुद पर काबू पाते हुए गुकेश को जीत की बधाई दी और अपने व्यवहार के लिए क्षमा मांगी वह बिना किसी से बात किए सीधे स्थान छोड़कर चले गए।

दूसरी ओर गुकेश ने बहुत शांत और विनम्र प्रतिक्रिया दी मैंने ऐसा जीतने की उम्मीद नहीं की थी, लेकिन जब मौका मिला तो मैंने उसे अपनाया। वैसे मैंने भी अपने करियर में कई बार टेबल पर हाथ मारा है, उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा।

आनंद ने 'पीढ़ियों की टक्कर' में फॉस्टिनो ओरो को 2-0 से हराया

पिएत्रासांता (इटली) (एजेंसी)। इटली के पिएत्रासांता स्थित ला वर्सिलियाना में आयोजित ऐतिहासिक मुकाबले 'पीढ़ियों की टक्कर' में भारत के पाँच बार के विश्व चैम्पियन विश्वनाथन आनंद ने अर्जेंटीना के 11 वर्षीय बाल प्रतिभा फॉस्टिनो ओरो को 2–0 से पराजित किया। मुकाबला एकतरफा रहा, लेकिन ओरो ने अपने प्रदर्शन में अनुशासन और आत्मविश्वास दिखाया। आनंद ने पहला मुकाबला सफेद मोहरों से और दूसरा काले मोहरों से जीतते हुए लगातार दबाव बनाए रखा। उद्घाटन समारोह में दोनों खिलाड़ी पारंपरिक घोड़ागाड़ी में बैठकर कार्यक्रम स्थल पहुँचे। इसके बाद 'चेस रोड्स' महोत्सव की शुरुआत हुई, जिसमें 40 दुर्लभ और ऐतिहासिक शतरंज बोर्डों की प्रदर्शनी का शुभारंभ आनंद, ओरो, विश्व प्रसिद्ध संगीतकार आंद्रे बोचेली और ला वर्सिलियाना फाउंडेशन की अध्यक्ष पाओला रोवेलिनी ने संयुक्त रूप से किया। मुख्य मुकाबले में आनंद ने पहले गेम में राय लोपेज ओपनिंग से खेलते हुए 40वीं चाल में ओरो की गलती का फायदा उठाकर 57 चालों में जीत हासिल की। दूसरे गेम की शुरुआत फीडे अध्यक्ष आर्कडी द्वोर्कोविच ने की, जहाँ आनंद ने फ्रेंच डिफेंस खेलते हुए 37वीं चाल की चूक का लाभ उठाकर 48 चालों में दूसरा मुकाबला भी अपने नाम किया।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के ऑन करें
www.pratahkiran.com | epaper.pratahkiran.com
@Pratahkiran | @Pratahkiran

संक्षिप्त समाचार

वेदांतु के छात्र दक्ष ने कर्नाटक में पहला स्थान हासिल किया

बेंगलूरू। जेईई परीक्षा की तैयारी करवाने वाला भारत का अग्रणी शिक्षा संस्थान वेदांतु, जेईई एडवांस्ड 2025 में अपने छात्रों के असाधारण प्रदर्शन की गर्व से घोषणा करता है। साल दर साल शीर्ष रैंक और लगातार समान नतीजों के साथ, यह साल उच्च गुणवत्ता, व्यक्तिगत और परिणाम-केंद्रित शिक्षा प्रदान करने में वेदांतु की निरंतर सफलता की पुष्टि करता है। उत्कृष्ट उपलब्धि प्राप्त करने वालों में बैंगलोर के दक्ष तायलिया भी शामिल हैं, जिन्होंने गणित में पूरे 120 अंक प्राप्त कर अखिल भारतीय स्तर पर 15वाँ स्थान प्राप्त किया है और कर्नाटक राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। वेदांतु के 3 वर्षीय दीर्घावधि बैच के छात्र दक्ष का अटूट अनुशासन, प्रतिबद्धता और प्रक्रिया में विश्वास वास्तव में प्रेरणादायक रहा है। इसके अलावा वेदांतु परिवार को गौरवान्वित करने वाले गोरखपुर के प्रखर सिंह भी हैं, जिन्होंने लॉन्ग टर्म बैच में अखिल भारतीय 92वीं रैंक हासिल की है - जो केंद्रित प्रयास, दृढ़ता और विशेषज्ञ-निर्देशित मार्गदर्शन का परिणाम है।ये उपलब्धियाँ अकेली नहीं हैं।

इम्युनिटी को प्राकृतिक तरीके से बढ़ाना चाहते हैं तो रोजाना खाएं बादाम, हल्दी और अदरकः डॉ. रोहिणी

भोपाल। देशभर में कोविड और फ्लू के मामले एक बार फिर बढ़ रहे हैं। ऐसे में अपनी इम्युनिटी को मजबूत और संतुलित बनाए रखना बहुत ज़रूरी हो गया है। संक्रमण की इस मौसमी लहर के साथ खांसी, जुकाम, पाचन की परेशानी और कमजोरी जैसी दिक्कतें भी आम हो गई हैं। एमबीबीएस और न्यूट्रीशनिस्ट डॉ. रोहिणी पाटिल बताती हैं कि यदि आप अपने रोज़ के खानपान में बादाम, हल्दी और अदरक जैसे पोषक तत्वों से भरपूर सुपरफूड्स को शामिल करें, तो इम्युन सिस्टम को मज़बूती मिलती है और आप बेहतर सेहत बनाए रख सकते हैं। आइए जानते हैं डॉ. रोहिणी किन-किन सुपरफूड्स को रोज़मर्रा के आहार में शामिल करने की सलाह देती हैं, ताकि इस संक्रमण के मौसम में आपका शरीर सुरक्षित रह सके- कैलिफोर्निया बादामः ड्राय फ्रूट्स में बादाम को राजा कहा जाता है और कैलिफोर्निया बादाम खास तौर पर सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माने जाते हैं। इनमें 15 ज़रूरी पोषक तत्व होते हैं, जैसे हेल्दी फैट, प्रोटीन, जिंक, मैग्नीशियम, एंटीऑक्सिडेंट्स और विटामिन ई। ये न केवल दिल को सेहत का ख्याल रखते हैं, बल्कि शरीर में ऊर्जा बनाए रखने में भी मदद करते हैं। फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया भी रोज़ाना बादाम खाने की सलाह देती है, जिससे आपकी इम्युनिटी बेहतर हो सकती है और समग्र स्वास्थ्य में सुधार आ सकता है। साथ ही, कैलिफोर्निया बादाम त्वचा को स्वस्थ बनाए रखने और वजन संतुलित करने में भी मदद करते हैं, क्योंकि इनमें प्राकृतिक रूप से पेट भरने का गुण पाया जाता है। हल्दीः हल्दी अपने सूजन-रोधी और एंटीऑक्सिडेंट गुणों के लिए जानी जाती है। यह इम्युनिटी को मजबूत करती है और संक्रमण से लड़ने में मदद करती है। इसलिए फ्लू के मौसम में हल्दी को अपने भोजन में ज़रूर शामिल करें। अदरक पाचन को बेहतर बनाती है, सूजन को कम करती है और इसमें जबरदस्त जीवाणुरोधी गुण होते हैं। मौसम बदलने के दौरान होने वाली सर्दी-जुकाम और गले की खराश से राहत दिलाने में यह बेहद असरदार है। लहसुन में एलिसिन जैसे तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं और संक्रमण से लड़ते हैं। फ्लू के मौसम में इसका सेवन काफी फायदेमंद माना जाता है।

ये कुल्लू कौन है? जिसे खोजने के लिए इंजीनियर ने रखा इनाम; 130 जगह चस्पा कराए पोस्टर

प्रयागराज, एजेंसी। देशी कुत्ते कल्लू को बंदरों ने ऐसा काटा कि जल निगम के इंजीनियर पुष्कर गोयल नौ दिनों से व्यथित हैं। व्यथा ऐसी कि उसको ढूंढने वाले को उन्होंने दस हजार रुपये इनाम देने की घोषणा तक कर दी है। इसके लिए ना केवल प्रयागराज शहर भर में उन्होंने 130 स्थानों पर पोस्टर चस्पा कराए हैं बल्कि अपने फतेहपुर कार्यालय से छुट्टी लेकर कल्लू को ढूंढने में लगे हैं। इंजीनियर के इस कुल्लू प्रेम की खूब चर्चा हो रही है। उधर, इंजीनियर पुष्कर कुल्लू को ढूंढने के लिए दिन-रात एक किए हुए हैं। तीन वर्ष पहले पुष्कर झूंसी के कटका कार्यालय में कार्यरत थे।

टॉयलेट खुद साफ करें गुरुकुल स्कूलों के छात्र, आईएएस अधिकारी के निर्देश पर बवाल

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना में एससी गुरुकुल स्कूलों के छात्रों के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग ने इस मुद्दे पर संज्ञान लेते हुए राज्य के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को नोटिस जारी किया है। आयोग ने आईएएस अधिकारी डॉ. वी एस आलागु वर्षिणी के खिलाफ की गई शिकायत पर 15 दिनों के भीतर कार्रवाई रिपोर्ट मांगी है।

तेलंगाना सोशल वेलफेयर रेसिडेंशियल एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन्स सोसायटी की सचिव डॉ. आलागु वर्षिणी एक ऑडियो क्लिप को लेकर विवादों में घिर गई हैं। इस वायरल क्लिप में उन्होंने निर्देश दिया कि गुरुकुल स्कूलों के छात्रों से शौचालय और हॉस्टल के कमरे साफ करवाए जाएं। यह घटना करीब एक सप्ताह पुरानी बताई जा रही है।

ऑडियो में वह कहती हैं, उन्हें (छात्रों को) कमरे की सफाई करनी चाहिए ... वे अपने शौचालयों की सफाई क्यों नहीं कर सकते ... ये छात्र पॉश परिवारों से नहीं हैं, जहां जैसे ही वे जाते हैं और बैठते हैं, भोजन मेज पर आ जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि छात्रों को आत्मनिर्भर बनाना जरूरी है, क्योंकि स्कूल छोड़ने के बाद उन्हें अपने दैनिक कार्य स्वयं करने होंगे।

इस बयान पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेता और टीजीएसडब्ल्यूआरईआईएस के पूर्व सचिव डॉ. आर. एस. प्रवीन कुमार ने मुख्यमंत्री से पूछा, क्या आपके बच्चे भी उस स्कूल में बाथरूम धोते हैं जहां वे पढ़ते हैं? उन्होंने आरोप लगाया कि यह आदेश दलित छात्रों के प्रति भेदभावपूर्ण है और उन्होंने अधिकारी को बर्खास्त करने की मांग की।

बीआरएस की एमएलसी और पूर्व सांसद कलवकुंतला कविता ने एक्स पर ऑडियो क्लिप शेयर करते हुए कांग्रेस सरकार पर हमला बोला। उन्होंने लिखा, कांग्रेस सरकार का गरीब विरोधी रवैया इस अधिकारी के व्यवहार में साफ दिखता है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस शासन के दौरान प्रत्येक स्कूल को सफाई कर्मचारियों की अस्थायी नियुक्ति के लिए 40,000 रुपये प्रति माह दिए जाते थे, जिसे कांग्रेस सरकार ने मई से बंद कर दिया है। कविता ने यह भी कहा कि राज्य की 240 गुरुकुल स्कूलों से सहायक वार्डन हटा दिए गए हैं, जिससे छात्रों को ही रसोई और साफ-सफाई का जिम्मा उठाना पड़ रहा है। उन्होंने इसे बच्चों के अधिकारों और सम्मान के खिलाफ बताया और कहा कि यह रवैया जातिगत भेदभाव और शोषण को बढ़ावा देता है।

विवाद बढ़ने के बाद एक अन्य ऑडियो में आईएएस अधिकारी वर्षिणी ने मीडिया से अपील की कि उनके बयान को राजनीतिक रंग न दिया जाए और संदर्भ से बाहर न निकाला जाए। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मियों की कमी का आरोप निराधार है। वर्षिणी ने कहा, घर में माता-पिता की मदद करना बच्चों की सामान्य दिनचर्या का हिस्सा है, इससे उनमें आत्मनिर्भरता आती है। उन्होंने आगे कहा, अगर आप विदेश जाएं या किसी अन्य राज्य में पढ़ाई करें, तो अपने काम खुद करना पड़ता है- जैसे कि कमरा साफ करना, कपड़े धोना, बाथरूम साफ करना। बच्चों के लिए यह बदलाव एक प्रक्रिया है और इसे अपनाने में समय लगता है।

मैरिज ब्यूरो चलाने वाली का लूट कांड, पति की दूसरे से करा दी शादी, 7 लाख लूटे

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में एक अजीबो गरीब मामला सामने आया है। मैरिज ब्यूरो चलाने वाली महिला ने अपने ही पति की दूसरी युवती से शादी करवा दी। महिला ने युवती को पति की प्रोफाइल भेज कर उसे सरकारी टीचर बताया। युवती को रिश्ता पसंद आया और उसने युवक से शादी कर ली। शादी के बाद पीड़िता से लगभग 7 लाख रूपये लेकर आरोपी पति अपनी पहली पत्नी के साथ फरार हो गया था।

मैरिज ब्यूरो की आड़ में अपने ही पति का सौदा कर लाखों की ठगी करने वाली सतनाम मैरिज ब्यूरो संचालिका समेत आरोपी पति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पीड़िता की शिकायत के बाद पुलिस ने 2 दिन के अंदर ठग दंपति को ढूंढ निकाला। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, जांजगीर-चांपा जिले के शिवरीनारायण की रहने वाली युवती ने जुलाई 2024 में एक मैरिज ब्यूरो में शादी के लिए रजिस्ट्रेशन कराया था। इस मैरिज ब्यूरो को चित्रा चलाती थी। शुरू में कुछ प्रोफाइल दिखाने के बाद जब कोई लड़का पसंद नहीं आया तो चित्रा ने युवती को अपने ही पति संजय चौधरी का प्रोफाइल भेज दिया। संजय को उसने सरकारी शिक्षक बता दिया।

संजय को पहले से शादीशुदा होने की बात से अनजान युवती को लड़के का प्रोफाइल पसंद आ गया और गिरौधपुरी धाम में संजय और युवती की शादी करा दी गई। शादी के बाद संजय अपनी नई नवेली पत्नी को हरियाणा के सिरसा ले गया, फिर दोनों बिलासपुर लौट आए और विनोबा नगर में किराए के मकान में रहने लगे। वहां उन्होंने ब्यूटी पार्लर खोला, लेकिन असली झमा तो इसके बाद शुरू हुआ।

संजय ने बीमारी और अन्य निजी समस्याओं का हवाला देकर अपनी नई पत्नी से धीरे-धीरे 7 लाख रुपये ले लिए और उन पैसों से एक कार भी खरीद ली, लेकिन कुछ समय बाद संजय अचानक गायब हो गया। पति के गायब होने से परेशान पत्नी ने तलाश शुरू की। महिला को पता चला कि चित्रा कोई और नहीं, बल्कि संजय की पत्नी है और दोनों ने मिलकर उसके साथ धोखा किया है।

हमने सभी महिला आवेदकों को वित्तीय लाभ देकर गलती कीः अजित पवार

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता अजित पवार ने सोमवार को माना कि पिछले साल शुरू हुई लाडकी बहिन योजना के तहत वित्तीय सहायता का भुगतान सभी महिला आवेदकों को कर बड़ी चूक हुई है। पवार ने कहा कि जांच के माध्यम से इस गलती को ठीक किया जाएगा, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि केवल वास्तविक लाभार्थियों को ही सहायता प्राप्त हो। उन्होंने इस चूक के लिए जल्दबाजी में योजना के क्रियान्वयन को जिम्मेदार ठहराया। लाडकी बहिन योजना की घोषणा पिछले साल नवंबर में हुए राज्य विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले की गई थी।

वित्त मंत्रालय का कार्यभार संभाल रहे पवार ने बारामती में संवाददाताओं से कहा, हमने सभी महिला आवेदकों को वित्तीय लाभ देकर गलती की। हमारे पास आवेदनों की जांच करने और अयोग्य लोगों की पहचान करने के लिए बहुत कम समय था। उस समय, दो से तीन महीने में चुनावों की घोषणा होनी थी। हालांकि, उन्होंने कहा कि महिलाओं के बैंक खातों में जमा धनराशि वापस नहीं ली जाएगी। पवार ने कहा, जब इस योजना की शुरुआत की गई थी, तो सरकार ने अपील की थी कि केवल पात्र महिलाएं ही आवेदन करें, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसकी जांच की जा रही है। केवल जरूरतमंद महिलाओं को ही मासिक सहायता राशि मिलेगी। अजित पवार के इस गलती की बात स्वीकार करने के बाद शिवसेना (उबाठा) सांसद संजय राउत ने उनके इस्तीफे की मांग की है। राउत ने आरोप लगाया कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता पवार के नेतृत्व वाले वित्त विभाग ने वोटों की खातिर सरकारी धन की लूट को बढ़ावा दिया।

मुख्यमंत्री माजी लाडकी बहिन योजना 17 अगस्त 2024 को शुरू की गई थी, जिसका लक्ष्य 21 से 65 साल की आयु की उन महिलाओं को सहायता प्रदान करना है, जिनकी अधिकतम वार्षिक आय 2.5 लाख रुपये से कम है। आवेदकों को सितंबर महीने से लाभ मिलना शुरू हो गया था।

चीन ब्रह्मपुत्र का पानी भारत की तरफ रोक दे तो? यह पूरी तरह से एक काल्पनिक और तथ्यहीन नैरेटिव हैः हिमंत विश्व शर्मा

गुवाहाटी, एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने पाकिस्तान द्वारा ब्रह्मपुत्र नदी के पानी को लेकर फैलाए जा रहे भय को खारिज करते हुए तथ्यों के साथ करारा जवाब दिया है। शर्मा ने स्पष्ट किया कि ब्रह्मपुत्र भारत में बढ़ती है, घटती नहीं और चीन द्वारा इसके प्रवाह को रोकने की आशंका बेबुनियाद है। मुख्यमंत्री का यह बयान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के सलाहकार राणा एहसान अफजल के उस बयान के बाद आया, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर भारत पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को निलंबित करता है, तो चीन भी भारत के लिए ब्रह्मपुत्र का पानी रोक सकता है।

अफजल ने जियो न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में कहा, अगर भारत पाकिस्तान की तरफ पानी रोकने जैसा कदम उठाता है, तो चीन भी यही कर सकता है। लेकिन अगर ऐसा होने लगा, तो पूरी दुनिया युद्ध की स्थिति में आ जाएगी। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, भारत द्वारा सिंधु जल संधि से निर्णायक रूप से हटने के बाद, पाकिस्तान अब एक नया काल्पनिक डर गढ़ रहा है- 'अगर चीन ब्रह्मपुत्र का पानी भारत की तरफ रोक दे तो?' यह पूरी तरह से एक काल्पनिक और तथ्यहीन नैरेटिव है। मुख्यमंत्री ने भौगोलिक और जलविज्ञान से जुड़े तथ्यों का हवाला देते हुए कहा कि ब्रह्मपुत्र के कुल जलप्रवाह का केवल 30-35प्रतिशत हिस्सा चीन के तिब्बत क्षेत्र से आता है, वो भी मुख्यतः ग्लेशियर के पिघलने और सीमित वर्षा के कारण। उन्होंने बताया कि इस नदी की 65-70प्रतिशत जलधारा भारत में उत्पन्न होती है, जिसमें पूर्वोत्तर भारत के राज्यों - अरुणाचल प्रदेश, असम, नागालैंड और मेघालय - में होने वाली मूसलधार मॉनसूनी वर्षा और इसकी कई सहायक नदियां मुख्य भूमिका निभाती हैं। सीएम ने कहा, ब्रह्मपुत्र की शक्ति भारत में प्रवेश के बाद ही बढ़ती है। इंडो-चीन बॉर्डर (तूतिंग) पर इसका प्रवाह मात्र 2,000-3,000 घन मीटर/सेकंड होता है, जबकि असम के मैदानी इलाकों (जैसे गुवाहाटी) में मॉनसून के दौरान यह बढ़कर 15,000-20,000 घन मीटर/सेकंड तक पहुंच जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर चीन वाकई ब्रह्मपुत्र का प्रवाह कुछ कम भी कर दे तो इससे भारत को फायदा ही हो सकता है, खासकर असम में हर साल आने वाली बाढ़ को लेकर। बता दें कि चीन ने अभी तक कभी किसी मंच पर ब्रह्मपुत्र को लेकर कोई बयान नहीं दिया है। असम सीएम ने आगे कहा, हर साल असम में लाखों लोग बाढ़ से बेघर होते हैं और आजीविका प्रभावित होती है। अगर चीन थोड़ी बहुत जलधारा रोके भी (जो कि न के बराबर संभावना है), तो यह भारत के लिए बाढ़ नियंत्रण में सहायक हो सकता है। हिमंत ने पाकिस्तान को यह भी याद दिलाया कि सिंधु जल संधि के तहत उसे 74 वर्षों तक भारत के पानी पर प्राथमिकता मिलती रही है, और अब जब भारत ने अपने संप्रभु अधिकारों की पुनः प्राप्ति की ओर कदम बढ़ाया है।

रूस-यूक्रेन में दूसरे दौर की शांतिवार्ता एक घंटे में खत्म, कैदियों की अदला-बदली पर सहमति

दोनों देश 6000 मृत सैनिकों के शव भी लौटाएंगे

इस्तांबुल, एजेंसी। रूस और यूक्रेन की बीच सोमवार को तुर्किये से इस्तांबुल में दूसरे दौर की शांति वार्ता 1 घंटे में खत्म हो गई। दोनों देश गंभीर रूप से घायल और बीमार युद्धबंदियों की अदला-बदली पर सहमत हो गए हैं। इसके साथ ही दोनों पक्ष 6,000-6,000 मारे गए सैनिकों के शव भी वापस लौटाएंगे। यूक्रेन के रक्षा मंत्री रुस्तम उमेरोव ने कहा कि हम सभी युद्धबंदियों की रिहाई और सभी दिव्यांग बच्चों और कैदियों की वापसी चाहते हैं। वहीं, रूसी प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख व्लादिमीर मेडिंस्की ने कहा- इस समझौते के तहत गंभीर रूप से घायल और 18 से 25 साल के युवा सैनिकों की भी अदला-बदली की जाएगी।

यह वार्ता ऐसे वक्त में हुई जब कुछ घंटे पहले ही यूक्रेन ने रूस के साइबेरिया में बड़े पैमाने पर ड्रोन हमला किया। इस बारे में पूछे जाने पर रूसी प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि कल का इंतजार कीजिए। इससे पहले दोनों देशों का डेलिगेशन 16 मई को इस्तांबुल में मिला था, तब भी दोनों के बीच 2 घंटे बातचीत हुई थी।

यूक्रेन के हमले में रूस को काफी नुकसान पहुंचा है, इसके बाद पलटवार करते हुए रूस ने भी यूक्रेन पर अपने मिसाइल और ड्रोन हमले बढ़ा दिए हैं। यूक्रेन का प्रतिनिधिमंडल बातचीत के लिए मिलिट्री यूनिफॉर्म में पहुंचा है। यूक्रेन की तरफ से रक्षा मंत्री रुस्टेम उमेरोव और रूस की तरफ से राष्ट्रपति पुतिन के करीबी व्लादिमिर मेडिंस्की इस बातचीत में भाग लिया। कैदी अदला-बदलीः 16 मई को इस्तांबुल में रूसी और यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडलों के बीच हुई बातचीत के बाद दोनों देशों ने 1-1 हजार कैदियों की अदला-बदली पर सहमति जताई थी। जिसके बाद दोनों ने कैदी रिहा किए।

सीजफायरः यूक्रेन ने 30 दिन के सीजफायर की मांग की थी, लेकिन रूस ने इसे स्वीकार नहीं किया। रूस ने शर्त रखी कि यूक्रेन को चार इलाकों (दोनेत्स्क, लुहान्स्क, जपोरिज्जिया, खेरसॉन) से पूरी तरह पीछे हटना होगा, जिनमें लगभग 1.1 करोड़ यूक्रेनी नागरिक रहते हैं। जिसे यूक्रेन ने अस्वीकार कर दिया था।

शांति समझौताः तुर्की के विदेश मंत्री हाकन फिदान ने कहा था कि दोनों देश दोबारा मिलने को तैयार हैं, लेकिन कोई नई तारीख तय नहीं हुई। रूस ने यूक्रेन को शांति समझौते का मसौदा देने की बात कही।

क्षेत्रों पर नियंत्रणः दोनों देशों के बीच सुरक्षा गारंटी और प्रतिबंधों पर चर्चा हुई, लेकिन कोई सहमति नहीं बनी। रूस ने क्रीमिया और अन्य कब्जे वाले क्षेत्रों पर नियंत्रण की मांग की, जबकि यूक्रेन ने अपनी संप्रभुता की रक्षा पर जोर दिया।

रूसी रक्षा मंत्रालय ने 1 जून को माना की यूक्रेन के किए गए ड्रोन हमलों में देशभर के 5 सैन्य एयरबेस को निशाना बनाया गया, जिससे कई विमानों को नुकसान पहुंचा था। हालांकि, कितने विमान क्षतिग्रस्त हुए हैं, इसका सटीक आंकड़ा नहीं बताया है। अपने बयान में रूसी रक्षा मंत्रालय ने यूक्रेन पर आरोप लगाया कि उसने मुरमान्स्क, इरकुत्स्क, इवानोवो, रयाजान और अमूर क्षेत्रों में स्थित हवाई अड्डों पर फर्स्ट पर्सन व्यू ड्रोन से आतंकी हमला किया। मंत्रालय ने कहा कि इवानोवो, रयाजान और अमूर क्षेत्रों के सैन्य एयरबेसों पर सभी आतंकी हमलों को नाकाम कर दिया गया। पहली बार आधिकारिक रूप से यह भी पुष्टि की गई है कि कुछ ड्रोन हमले एयरबेस के बहुत पास से ही किए गए थे। रूसी अधिकारियों के मुताबिक, मुरमान्स्क क्षेत्र के ओलेनोगोर्स्क एयरबेस और इरकुत्स्क (साइबेरिया) के स्रेद्नी एयरबेस को ट्रेलर ट्रकों की मदद से पास के इलाकों से ड्रोन लॉन्च करके निशाना बनाया गया।

नेपाल में राजशाही समर्थक आंदोलन कुचलने की तैयारी, गिरफ्तारी के डर से नेता अंडरग्राउंड हुए

आंदोलन में शामिल 61 लोगों पर मुकदमा दर्ज

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की सड़कों पर राजशाही की बहाली और हिंदू राष्ट्र की मांग को लेकर उठती आवाजें अब सरकार के निशाने पर हैं। बीते पांच दिनों से जारी इस आंदोलन के तेज होने से सत्ता के गलियारों में बेचैनी भी बढ़ रही है। अब पीएम केपी शर्मा ओली की सरकार ने इस आंदोलन को कुचलने की खुली तैयारी कर ली है। काठमांडू के रिंग रोड क्षेत्र को दो महीने के लिए प्रतिबंधित घोषित कर दिया गया है। वहीं, राजशाही आंदोलन में शामिल राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) के दो शीर्ष नेता रवींद्र मिश्र और धवल शमशेर राणा समेत 61 लोगों पर सरकार ने मुकदमा भी दर्ज किया है। सभी 61 लोगों पर राज्य के खिलाफ अपराध, अशांति फैलाने और संगठित अपराध जैसे गंभीर

आरोपों में केस दर्ज हुआ है। मिश्र और राणा व अन्य बड़े नेता ओली सरकार की कार्रवाई से बचने के लिए अंडरग्राउंड हो चुके हैं। सूत्र बताते हैं कि ये नेता पार्टी की आंतरिक रणनीतिक बैठकों में शामिल हो रहे हैं, लेकिन सरकार की गिरफ्तारी की कार्रवाई से बचने के लिए अंडरग्राउंड हो गए हैं। इनके मोबाइल स्विच ऑफ हैं और बाकी कई नेताओं ने भी अपना संपर्क सीमित कर लिया है। आंदोलन का संचालन अब सोशल मीडिया, निजी चैनलों और पार्टी नेटवर्क से हो रहा है। पीएम ओली की सीपीएन-यूएमएल, नेपाली कांग्रेस व माओवादी केंद्र तीनों दलों ने मिलकर आंदोलन का मुकाबला करने का ऐलान किया है। सोमवार को सिंगदरबार स्थित प्रधानमंत्री कार्यालय में हुई बैठक में ओली, नेपाली कांग्रेस प्रमुख शेर बहादुर देउबा व माओवादी नेता पुष्पकमल दहल प्रचंड ने इस मुद्दे पर संयुक्त रुख अपनाने पर सहमति जताई। तीनों दलों ने यह स्पष्ट किया कि वे संविधान-लोकतंत्र विरोधी आंदोलन को सफल नहीं होने देंगे।

पूर्व नेपाल नरेश ज्ञानेंद्र शाह ने काठमांडू से दूरी बना ली है। वे झापा के दमक में 'मिनी पैलेस' में रह रहे हैं। दो हफ्ते वहीं रहेंगे। सूत्रों का कहना है कि वे निजी स्तर पर राजनीतिक मुलाकातें कर रणनीति बना रहे हैं। हालांकि उनके सचिवालय ने किसी भी औपचारिक राजनीतिक कार्यक्रम से इनकार किया है। प्रेस सचिव फणिन्द्र पाठक ने कहा, यात्रा पूर्व-निर्धारित है। वे झापा जाते रहते हैं। पूर्व राजकुमारी हिमानी शाह ने राजशाही समर्थकों के साथ दीप जलाकर नारायणहिटी राजदरबार हत्याकांड की 23वीं बरसी पर श्रद्धांजलि दी। फोटोः प्रकाश चन्द्र तिमिल्सेना काठमांडू में रविवार को नारायणहिटी राजदरबार हत्याकांड की 23वीं बरसी पर राजशाही समर्थकों ने मोमबत्तियां जलाकर दिवंगत शाही परिवार को श्रद्धांजलि दी। इस कार्यक्रम की खास बात पूर्व राजकुमारी हिमानी शाह और उनके पुत्र हृदयेंद्र शाह की मौजूदगी रही। यह पहली बार है जब हालिया आंदोलन के दौरान शाही परिवार की सक्रियता सार्वजनिक रूप से सामने आई है। श्रद्धांजलि कार्यक्रम के दौरान नेपाल की पूर्व राजकुमारी के साथ हजारों की संख्या में राजशाही समर्थक भी जुटे थे। राजकुमारी ने समर्थकों संग सार्वजनिक रूप से श्रद्धांजलि कार्यक्रम में शामिल होकर यह संदेश दिया कि नेपाल की आबादी का एक बड़ा वर्ग अब भी राजशाही में आस्था रखता है।

मुद्रक तथा प्रकाशक रंजीत राय द्वारा स्वामी आर.डी. प्रिंट एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, प्लॉट नं. सी-16 एवं 17, रोड नं. 9, पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रियल एरिया, पटना-800013 के पक्ष में आर.डी. प्रिंट एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड प्रेस से मुद्रित एवं सी-20, एस.के. पुरी, नियर बसावन पार्क, पटना, बिहार-800013 से प्रकाशित संपादक- देवन प्रसाद
(नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा पटना न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. BIHHIN/2013/49676, Email: news@pratahkiran.com, patna@pratahkiran.com, 9212228045, 8130691216, 9971557129